



# क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना

## ग्राम पंचायत- कोठीपुर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार



औरैया









# क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना



ग्राम पंचायत- कोठीपुर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार



## प्रकाशन

पर्यावरण निदेशालय, उत्तर प्रदेश (DoE) एवं उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

ईमेल: doeuplko@yahoo.com वेबसाइट: upenv.upsdc.gov.in

## तकनीकी सहयोग

वसुधा फाउंडेशन

गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप (जीईएजी)

## मार्गदर्शन

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

श्री मनोज सिंह, आईएएस (IAS), अपर मुख्य सचिव

श्री आशीष तिवारी, आइएफएस (IFS), सचिव

जिला प्रशासन

सुश्री नेहा प्रकाश, आईएएस (IAS), जिलाधिकारी, औरैया

श्री अनिल कुमार सिंह, पीडीएस (PDS) मुख्य विकास अधिकारी, औरैया

वसुधा फाउंडेशन

श्री श्रीनिवास कृष्णास्वामी, सीईओ (CEO)

श्री रमन मेहता, कार्यक्रम निदेशक

डॉ. एस. सतपथी, विशेषज्ञ सलाहकार

गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप (जीईएजी)

डॉ. शीराज वजीह, अध्यक्ष

## लेखक

वसुधा फाउंडेशन

सुश्री स्वाति गुप्ता, सुश्री नेहल गौतम, सुश्री शिविका सोलंकी, सुश्री रिनी दत्त

गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप (जीईएजी)

श्री विजय कुमार पांडे एवं श्री के. के. सिंह

## शोध समर्थन

वसुधा फाउंडेशन

डॉ. प्रीति सिंह, श्री नवीन कुमार, सुश्री मोनिका चक्रवर्ती, सुश्री फातिमा सैला

कोठीपुर ग्राम पंचायत

श्री अमरेश कुमार पाण्डेय, ग्राम प्रधान

## क्षेत्रीय शोध समर्थन

समर्पण

श्री राधे कृष्ण, श्री बलबीर सिंह राजपूत, श्री गोविन्द दास

## डिज़ाइन एवं लेआउट

वसुधा फाउंडेशन

श्री सासधर रॉय, श्री रोहिन कुमार, श्री संतोष कुमार सिंह, सुश्री स्वाति बंसल, सुश्री प्रिया कालिया







नेहा प्रकाश

आई0ए0एस0  
जिलाधिकारी



कार्यालय : 05683.249616  
आवास/फैक्स : 05683.242308  
फोन : 05683.246300  
ऑरिया : 05683.241088  
अर्द्ध शा0 पत्रांक : 1304  
दिनांक : 01/7/2024  
email:dmaur@nic.in


## :: संदेश ::

ग्राम पंचायतों को जलवायु सजग ग्राम पंचायत बनाने हेतु समर्पित क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कोठीपुर, विकास खण्ड-भाग्यनगर जनपद औरैया, की कार्ययोजना हेतु संदेश लिखते हुए मुझे बहुत सम्मान का अनुभव हो रहा है। जैसा कि हम जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों को देख रहे हैं, हमारे लिये जमीनी स्तर पर तत्काल और व्यापक कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता है। हमारी ग्राम पंचायत, समुदाय के निकटतम शासन की एक आवश्यक इकाई होने के नाते जलवायु संबंधी चुनौतियों को कम करने और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हमारे समुदाय, हमारा परिस्थितिकी तंत्र और हमारी अर्थव्यवस्था सब आपस में जुड़े हैं और हमारे लिये ऐसी रणनीतियों को अपनाना आवश्यक है जो जलवायु से जुड़े जोखिमों को कम करती हों।

ग्राम पंचायत हेतु तैयार यह कार्ययोजना जलवायु पर कार्य करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है जो पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट पंचायत बनाने के लिये एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगी।

मैं इस क्लाइमेट स्मार्ट कार्ययोजना निर्माण के लिये पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, तकनीकी सहयोगी वसुधा फाउंडेशन, नई दिल्ली तथा स्थानीय सहयोगी संस्था गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप(जी.ई.ए.जी.), गोरखपुर उत्तर प्रदेश व समर्पण जनकल्याण समिति उत्तर प्रदेश को धन्यवाद करती हूँ और आशा करती हूँ कि निर्मित कार्ययोजना ग्राम पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने में सहयोगी होगी।

धन्यवाद

  
(नेहा प्रकाश)



अनिल कुमार सिंह  
मुख्य विकास अधिकारी,  
औरैया।



कार्यालय : 05683-299601  
मोबाइल : 9454465032

दिनांक : 23/06/2024

## :: संदेश ::

ग्राम पंचायतो को जलवायु सजग ग्राम पंचायत बनाने हेतु समर्पित क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कोठीपुर, विकास खण्ड-भाग्यनगर जनपद औरैया, की कार्ययोजना हेतु संदेश लिखते हुए मुझे बहुत सुखद अनुभूति हो रही है। जैसा कि हम जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों को देख रहे हैं, हमारे लिये जमीनी स्तर पर तत्काल और व्यापक कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता है। हमारी ग्राम पंचायत, समुदाय के निकटतम शासन की एक आवश्यक इकाई होने के नाते जलवायु संबंधी चुनौतियों को कम करने और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हमारा समुदाय, हमारा परिस्थितिक तंत्र और हमारी अर्थव्यवस्था सब आपस में जुड़े हैं और हमारे लिये ऐसी रणनीतियों को अपनाना आवश्यक है जो जलवायु से जुड़े जोखिमों को कम करती हों।

ग्राम पंचायत हेतु तैयार यह कार्ययोजना जलवायु पर कार्य करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है जो पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट पंचायत बनाने के लिये एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगी।

मैं इस क्लाइमेट स्मार्ट कार्ययोजना निर्माण के लिये पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, तकनीकी सहयोगी वसुधा फाउंडेशन, नई दिल्ली तथा स्थानीय सहयोगी संस्था गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप(जी.ई.ए.जी.), गोरखपुर उत्तर प्रदेश व समर्पण जनकल्याण समिति उत्तर प्रदेश को धन्यवाद करता हूँ और आशा करता हूँ कि निर्मित कार्ययोजना ग्राम पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने में सहयोगी होगी।

धन्यवाद

  
(अनिल कुमार सिंह)









# विषय वस्तु

1	कार्यकारी सारांश	1
2	ग्राम पंचायत की रूपरेखा	4
	▪ कोठीपुर ग्राम पंचायत एक दृष्टि में	4
	▪ जलवायु परिवर्तनशीलता प्रोफ़ाइल	5
	▪ प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ	6
	▪ कार्यरत महिलाएं	7
	▪ कृषि	8
	▪ प्राकृतिक संसाधन	8
	▪ कोठीपुर में सुविधाएं	9
3	कार्बन फुटप्रिंट	10
4	व्यापक मुद्दे	11
5	प्रस्तावित सुझाव	12
	1. हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना	13
	2. जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प और अपशिष्ट जल प्रबंधन	17
	3. सतत कृषि	21
	4. सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	28
	5. स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच	32
	6. सतत एवं उन्नत गतिशीलता	42
	7. आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाना	46
6	विचारार्थ अतिरिक्त संस्तुतियों की सूची	49
7	अनुकूलन, सह-लाभ और सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ाव	55
8	आगे की राह	61
9	अनुलग्नक	62

## चित्रों की तालिका

चित्र 1: कोठीपुर ग्राम पंचायत, जिला औरैया का भूमि उपयोग मानचित्र	5
चित्र 2: कोठीपुर में वार्षिक औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान, 1994-2018	6
चित्र 3: कोठीपुर में वार्षिक वर्षा (मिमी), 1994-2018	6
चित्र 4: कोठीपुर में घरेलू स्तर पर आय के प्राथमिक स्रोत	6
चित्र 5: कोठीपुर में घरेलू स्तर की आय का अनुमान	7
चित्र 6: कोठीपुर में राशन कार्ड वाले परिवार	7
चित्र 7: कोठीपुर में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में संलग्न महिलाओं की संख्या	7
चित्र 8: कोठीपुर में केवल कृषि पर निर्भर परिवार	8
चित्र 9: 2022 में कोठीपुर में विभिन्न गतिविधियों का कार्बन फुटप्रिंट	10
चित्र 10: 2022 में कोठीपुर के कार्बन फुटप्रिंट में क्षेत्रों की हिस्सेदारी	10



# कार्यकारी सारांश

**और** रैया जिले की कोठीपुर ग्राम पंचायत उत्तर प्रदेश के मध्य मैदानी कृषि-जलवायु क्षेत्र में स्थित है। कोठीपुर की क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना, ग्राम पंचायत (जीपी) स्तर पर जलवायु गतिविधियों/प्रक्रियाओं को मजबूत करने और 2035 तक इसे क्लाइमेट स्मार्ट/लचीला बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह कार्ययोजना ग्राम पंचायत को विशिष्ट रोडमैप/दिशा प्रदान करती है जिससे पंचायत लचीलापन, अनुकूल क्षमता को बढ़ाने, कमजोरियों और संबंधित जोखिमों को कम करने के साथ ही ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, अतिरिक्त राजस्व सृजन, समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास, बेहतर स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे अन्य सह-लाभ प्राप्त कर पाएगी।

यह कार्य योजना, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत की कार्य योजनाओं के विकास के उद्देश्य से तैयार किए गए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) के मसौदे को अपनाकर इस कार्ययोजना को तैयार किया गया है। कोठीपुर के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना (सीएसजीपीएपी) को इस प्रकार से तैयार की गयी है कि इसे कोठीपुर ग्राम पंचायत की मौजूदा ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के साथ आसानी से और प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सके।

कार्ययोजना<sup>1</sup> में प्रमुख जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक पहलुओं, मध्य मैदानी कृषि-जलवायु क्षेत्र से संबंधित प्रमुख समस्याओं, जलवायु परिवर्तनशीलता, ग्राम पंचायत के कार्बन फुटप्रिंट का विश्लेषण और प्राकृतिक संसाधनों की वर्तमान स्थिति से संबंधित प्रमुख मुद्दों को सम्मिलित करती है। कार्य योजना में फील्ड सर्वे, समूह केन्द्रित चर्चाओं और संबंधित सरकारी विभागों और एजेंसियों के माध्यम से एकत्र किए गए कोठीपुर ग्राम पंचायत के समुदाय के सदस्यों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। इससे आधार बनाने और कोठीपुर की प्रमुख समस्याओं की पहचान करने में मदद मिली है।

फील्ड सर्वे के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत में एक राजस्व गांव और 305 परिवार हैं तथा कुल जनसंख्या<sup>2</sup> 1,550 है। मुख्य आर्थिक गतिविधियों में दिहाड़ी मजदूरी और पशुपालन सम्मिलित हैं। एक बेसलाइन मूल्यांकन से पता चलता है कि कोठीपुर ग्राम पंचायत का कार्बन फुटप्रिंट ~910 टन कार्बन डाइऑक्साइड (tCO<sub>2</sub>e) है।<sup>3</sup>

1 ग्राम पंचायत कार्य योजना में जलवायु परिवर्तन का अनुकूलन, शमन और खतरा, जोखिम नाजुकता एवं क्षमता विश्लेषण (HRVCA) के पहलू सम्मिलित हैं

2 जनगणना 2011 आंकड़ों के अनुसार : कुल जनसंख्या - 1,043

3 इसमें ग्राम पंचायत में बिजली की खपत के कारण होने वाले उत्सर्जन का दायरा 2 सम्मिलित है (UPPCL और CEA के ग्रिड उत्सर्जन फैक्टर से प्राप्त डेटा)

## दृष्टिकोण

### प्राथमिक सर्वेक्षण टूल का विकास

- **सर्वेक्षण एवं प्राथमिक आंकड़े एकत्र करना:** ग्राम प्रधान और समुदाय के सदस्यों के सहयोग से सर्वेक्षण किया गया। ग्रामीण सहभागी मूल्यांकन (PRA) की गतिविधियों यथा समूह केन्द्रित चर्चा, गाँव का भ्रमण (ट्रांसेक्ट वॉक), सामाजिक तथा संसाधन मानचित्रण आदि की सहायता एवं निवासियों और समुदाय के सदस्यों के सहयोग से आंकड़े एकत्र किए गए।

### आंकड़ों का विश्लेषण और कार्ययोजना निर्माण:

- ग्राम पंचायत की रूपरेखा तैयार करना: सर्वेक्षण प्रश्नावली पर प्राप्त जानकारी के आधार पर ग्राम पंचायत की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। इस रूपरेखा में कोठीपुर की जनसांख्यिकी, जलवायु परिवर्तनशीलता, प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ, प्राकृतिक संसाधन एवं सुविधाएं शामिल हैं।
- प्रमुख समस्याओं की पहचान: सर्वेक्षण प्रश्नावली और खतरा, जोखिम, नाजुकता और क्षमता विश्लेषण (HRVCA) में प्राप्त जानकारी के माध्यम से प्रमुख जलवायु, विकासात्मक एवं पर्यावरणीय संबंधी समस्याओं की एक विस्तृत सूची की पहचान की गई।
- कार्बन फुटप्रिंट का अनुमान : कोठीपुर में प्रमुख गतिविधियों\* से कार्बन फुटप्रिंट का अनुमान लगाया गया
- प्रस्तावित गतिविधियाँ/संस्तुतियाँ : पहचाने गए पर्यावरण एवं जलवायु संबंधी समस्याओं के आधार पर कोठीपुर के लिए गतिविधियाँ तैयार की गईं इन गतिविधियों में मध्य मैदानों की प्रचलित कृषि-जलवायु विशेषताओं को भी ध्यान में रखा गया। इसके अतिरिक्त, कोठीपुर की क्षेत्र-वार अनुकूलन आवश्यकताओं और शमन क्षमता का निर्धारण किया गया है।

कार्य योजना को तैयार करने के दौरान एक सहभागी दृष्टिकोण अपनाया गया। इससे जलवायु विषय पर कार्य करने के लिए समुदाय की क्षमता में वृद्धि होगी, साथ ही स्थानीय स्तर पर स्वामित्व और जवाबदेही की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

\*इन गतिविधियों में - बिजली की खपत घर में खाना पकाना, डीजल पंप के उपयोग, परिवहन, फसलों के अवशेष को जलाने से होने वाला उत्सर्जन, पशुधन से उत्सर्जन, उर्वरक से उत्सर्जन, धान की खेती और घरेलू अपशिष्ट जल शामिल हैं।

कोठीपुर ग्राम पंचायत में तत्काल कार्यवाही के लिए पहचाने गए कुछ प्राथमिकता वाले क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- भूमि और जल स्रोतों के प्रदूषण को कम करने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन के बुनियादी ढांचे में सुधार करना और उसे बनाए रखना।
- जलभराव को कम करने और लचीलापन बढ़ाने के लिए सड़क और जल निकासी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।
- विशेष रूप से जल निकायों के आसपास, लक्षित वृक्षारोपण गतिविधियों को शुरू करके हरित स्थानों को बढ़ाना।
- रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के लिए सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

संवेदनशील वर्गों, समूह केंद्रित चर्चाओं और फील्ड सर्वेक्षणों, और ग्राम पंचायत में चल रही गतिविधियों से उभरकर आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, कार्ययोजना में विभिन्न गतिविधियां प्रस्तावित की गई हैं। इन गतिविधियों में कृषि, जल, स्वच्छ ऊर्जा, हरित स्थानों को बढ़ाना, सतत अपशिष्ट प्रबंधन, सतत गतिशीलता और बेहतर आजीविका और हरित उद्यमिता के विषयगत क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है।

इन संस्तुतियों के अंतर्गत गतिविधियों को 3 चरणों में विभाजित किया गया है - चरण I (2024-2027), चरण II (2027-2030) और चरण III (2030-2035)। ग्राम पंचायतों के विवेक के अनुसार चरण-वार लक्ष्यों को आगे वार्षिक लक्ष्यों में विभाजित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, चरण-वार लक्ष्यों, संभावित लागत, केंद्रीय और राज्य योजनाओं के समर्थन के साथ सुझाई गई गतिविधियों के लिए वित्तपोषण के रास्ते भी बताए गए हैं। कोठीपुर के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना को इस तरीके से तैयार किया गया है कि इसे कोठीपुर ग्राम पंचायत की मौजूदा ग्राम पंचायत विकास योजना के साथ आसानी से और प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सके।

क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना निम्नलिखित द्वारा कोठीपुर जीपीडीपी को पूरक और संपूरित करेगा:

- जलवायु परिप्रेक्ष्य के साथ मौजूदा विकास की पहलों और गतिविधियों को व्यापक आधार प्रदान करना।
- जलवायु परिवर्तन पर चल रहे राष्ट्रीय और राज्य कार्यक्रमों को जीपीडीपी में प्रस्तावित विकास संबंधी गतिविधियों के साथ जोड़ना।

इस कार्य योजना में हस्तक्षेपों और वार्षिक लक्ष्यों को कोठीपुर जीपीडीपी की योजनाबद्ध गतिविधियों के साथ जोड़ते हुए कार्यान्वित किया जा सकता है। जीपीडीपी के अंतर्गत कुछ कार्यक्रमों के लिए निर्धारित मौजूदा बजटीय आवंटन का उपयोग इस योजना में प्रस्तावित जलवायु अनुकूलन और शमन गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी योजनाओं के माध्यम से किए गए जल निकाय के पुनरुद्धार से जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लाभ भी होंगे। इसी प्रकार, ग्यारहवीं अनुसूची के 'गैर-पारंपरिक ऊर्जा' विषय (GDPD के आधार पर) के अंतर्गत निर्धारित धनराशि का उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

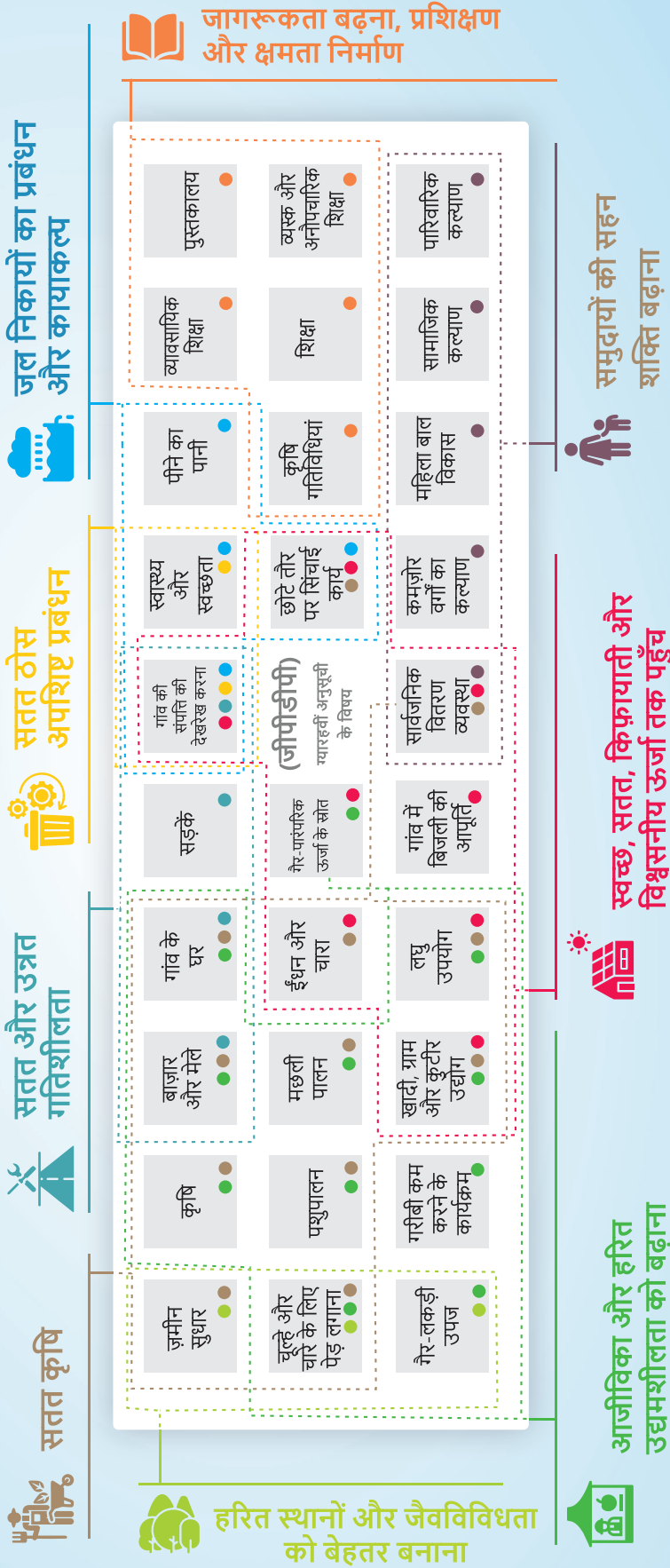
इस योजना के माध्यम से कम होने वाले कुल उत्सर्जन का अनुमान प्रति वर्ष 2,207 tCO<sub>2</sub>e प्रति वर्ष से अधिक है, तथा अगले 20-25 वर्षों में पृथक्करण क्षमता 19,350 tCO<sub>2</sub> तक बढ़ सकती है। तीन चरणों में इस योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुमानित कुल लागत लगभग ₹19 करोड़ (11 वर्षों तक) है, जिसमें सामुदायिक निवेश, सार्वजनिक वित्त, निजी वित्त और संभावित कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंडिंग सम्मिलित हैं। इससे आवश्यक धनराशि का 30 से 35 प्रतिशत (लगभग ₹6 करोड़) केंद्रीय और राज्य योजनाओं/मिशनो/कार्यक्रमों से प्राप्त किया जा सकता है, जबकि शेष लागत सीएसआर एवं निजी निधियों से प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, कोठीपुर ग्राम पंचायत, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और गेल इंडिया के बीच पंचायत-निजी-भागीदारी (PPP) समझौता ज्ञापन ग्राम पंचायत में सीएसआर समर्थन का मार्ग प्रशस्त करता है।

# वर्ष 2035 तक क्लाइमेट स्मार्ट और सतत ग्राम पंचायत

जलवायु संबंधी गतिविधियों को विकास कार्यों में शामिल करना

















## क्लाइमेट स्मार्ट गतिविधियाँ



## कोठीपुर

कोठीपुर ग्राम पंचायत एक दृष्टि में<sup>4</sup>

	<b>स्थान</b>	भाग्यनगर ब्लॉक, औरैया जिला
	<b>कुल क्षेत्रफल<sup>5</sup></b>	121.52 हेक्टेयर
	<b>संयोजन</b>	1 राजस्व गांव
	<b>कुल जनसंख्या<sup>6</sup></b>	1,550
	<b>पुरुषों की संख्या</b>	828
	<b>महिलाओं की संख्या</b>	722
	<b>कुल घर<sup>7</sup></b>	305
	<b>पंचायत का बुनियादी ढांचा</b>	9 (पंचायत भवन, प्राथमिक विद्यालय, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, उप-स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, सामुदायिक हॉल, सरकारी राशन की दुकान, अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, सामुदायिक शौचालय)
	<b>प्राथमिक आर्थिक गतिविधि</b>	कृषि
	<b>भूमि उपयोग</b>	109.52 हेक्टेयर <sup>8</sup> कृषि भूमि 4 हेक्टेयर सार्वजनिक भूमि 3 हेक्टेयर कृषि वानिकी वृक्षारोपण 102.52 हेक्टेयर अन्य भूमि

	<b>जल संसाधन</b>	3 तालाब 13 कुएं सेंगर नदी (ग्राम पंचायत से 5 किमी)
	<b>कृषि-जलवायु क्षेत्र<sup>9</sup></b>	मध्य मैदानी न्यूनतम तापमान: 4.5 °C अधिकतम तापमान: 45.4 °C वार्षिक वर्षा - 1,032 मिट्टी का प्रकार-जलोढ़ मिट्टी का पीएच - सामान्य से थोड़ा क्षारीय, और मध्यम मात्रा में जैविक पदार्थ
	<b>जिले का समग्र संवेदनशीलता/भेद्यता सूचकांक (सीवीआई)<sup>10</sup></b>	मध्यम
	<b>जिले की क्षेत्रीय संवेदनशीलता/भेद्यता<sup>11</sup></b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>वन भेद्यता: उच्च</li> <li>ऊर्जा भेद्यता: उच्च</li> <li>आपदा प्रबंधन भेद्यता: मध्यम</li> <li>ग्रामीण विकास: मध्यम</li> <li>भेद्यता: मध्यम</li> <li>कृषि भेद्यता: कम</li> <li>पानी की भेद्यता: कम</li> <li>स्वास्थ्य भेद्यता: कम</li> </ul>

4 योजना को तैयार करने के लिए किए गए क्षेत्र सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़े (फरवरी-मार्च, 2023)

5 भुवन के आंकड़े दर्शाते हैं कि ग्राम पंचायत का क्षेत्रफल 115 हेक्टेयर है।

6 जनगणना 2011 के आंकड़े कुल जनसंख्या-1043, पुरुष - 566, महिला - 477

7 248 पक्के मकान और 57 कच्चे मकान

8 ग्राम पंचायत के साथ कई दौर की चर्चा के बाद प्राप्त आंकड़ें

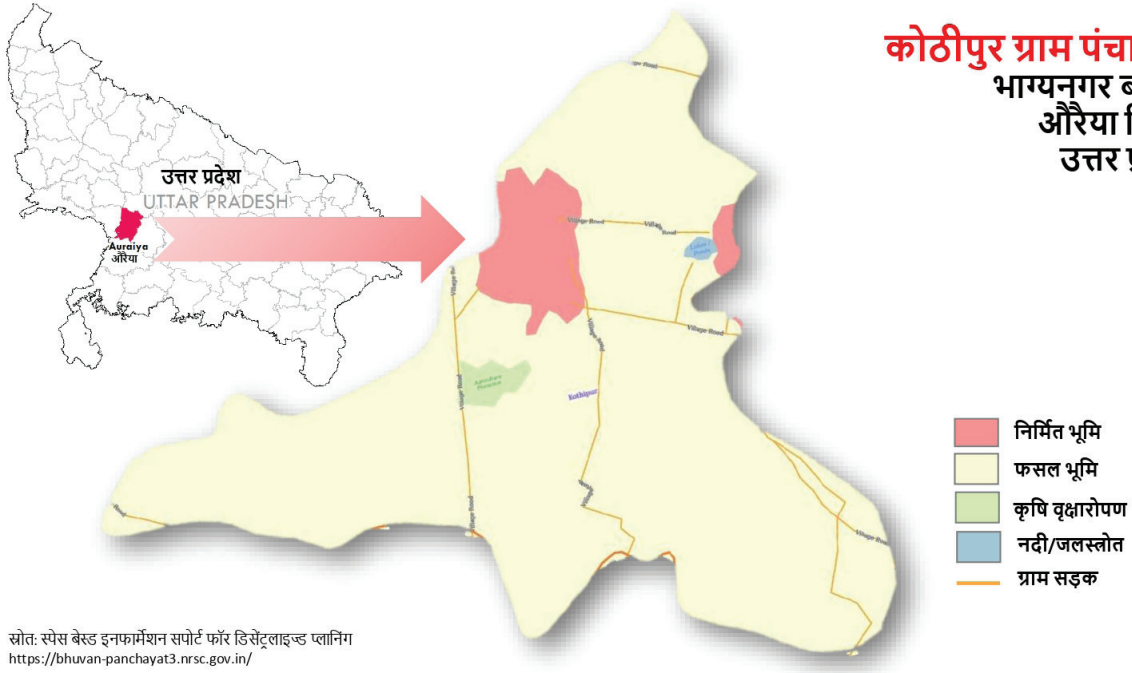
9 कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश

10 कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश

11 UP SAPCC 2.0



## कोठीपुर ग्राम पंचायत भाग्यनगर ब्लॉक औरैया जिला उत्तर प्रदेश



चित्र 1: : कोठीपुर ग्राम पंचायत, जिला औरैया का भूमि उपयोग मानचित्र

## जलवायु परिवर्तनशीलता प्रोफ़ाइल

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग<sup>12</sup> (IMD) से प्राप्त जलवायु परिवर्तनशीलता डेटा - तापमान और वर्षा - से पता चलता है कि 2018 में वार्षिक औसत अधिकतम तापमान 1994 की तुलना में 1.7 डिग्री सेल्सियस था, जबकि 2018 में औसत वार्षिक न्यूनतम तापमान 1994 के स्तर से बढ़ गया (चित्र 2 देखें)। हालांकि, IMD के आंकड़े पंचायत स्तर पर तापमान में होने वाली व्यापक परिवर्तनशीलता को नहीं दर्शाते हैं तथा इसके अलावा, कुछ ऐसे दिन भी हैं जिनके आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि 1991 से 2023<sup>13</sup> के बीच वैश्विक भूमि और महासागर की तुलना में संपूर्ण एशिया औसत से तेज गर्म हुआ है और 2010-2020 के दशक में दक्षिण एशिया के बड़े हिस्से में गर्म दिनों में स्पष्ट वृद्धि देखी गई है। अंतः सरकारी पैनल (IPCC<sup>14</sup>) और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय<sup>15</sup> भारत सरकार द्वारा इसी तरह के निष्कर्षों की पुष्टि भी की गई है।

इसके अतिरिक्त, फ्रीड सर्वेक्षण और फोकस समूह चर्चा के दौरान मौसम परिवर्तन पर समुदायों की धारणा से यह पता चलता है कि 2010-2020 के दशक में, ग्राम पंचायत में गर्मी के दिनों की संख्या में औसतन 45 दिनों की वृद्धि और सर्दियों के दिनों की संख्या में लगभग 60 दिनों की कमी देखी गई है। इसके अतिरिक्त, उनसे यह भी पता चला कि बारिश के दिनों की संख्या में भी लगभग 1 महीने की कमी आई है।

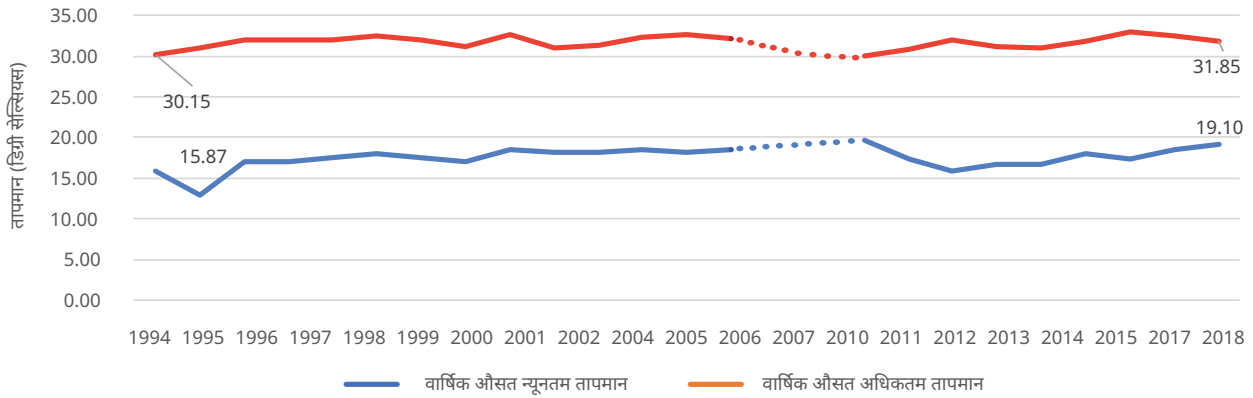
ग्राम पंचायत के लिए किए गए जलवायु परिवर्तनशीलता के विश्लेषण में IMD के आंकड़ों के साथ-साथ ग्राम पंचायत में प्रचलित जलवायु परिवर्तनशीलता के संतुलित दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए सामुदायिक धारणा दोनों को ध्यान में रखा गया।

12 तापमान और वर्षा के आंकड़े फर्रुखाबाद (फतेहगढ़) मौसम निगरानी स्टेशन से लिए गए हैं, जो कोठीपुर के सबसे निकटतम स्टेशन था जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध थे

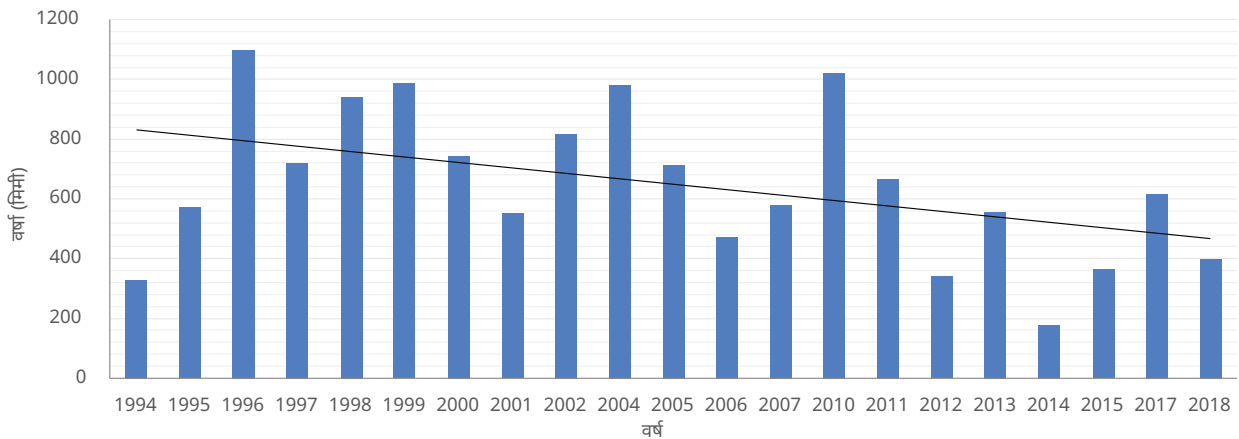
13 एशिया में जलवायु की स्थिति 2023 (wmo.int)

14 AR6 संश्लेषण रिपोर्ट: जलवायु परिवर्तन 2023 (ipcc.ch)

15 भारतीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का आकलन: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES), भारत सरकार की एक रिपोर्ट | स्प्रिंगर लिंक



चित्र 2: कोठीपुर में वार्षिक औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान, 1994 - 2018

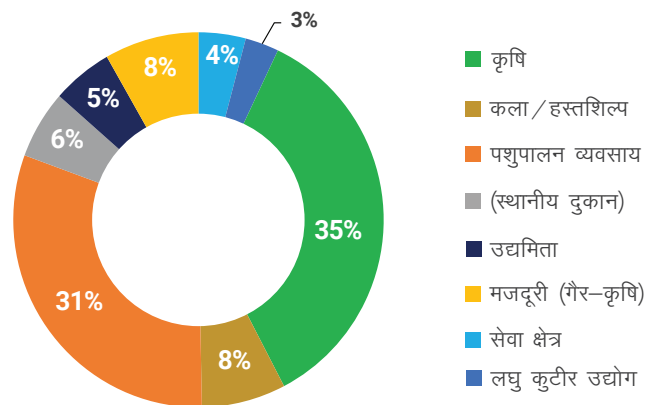


चित्र 3: कोठीपुर में वार्षिक वर्षा (मिमी), 1994-2018

## प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ

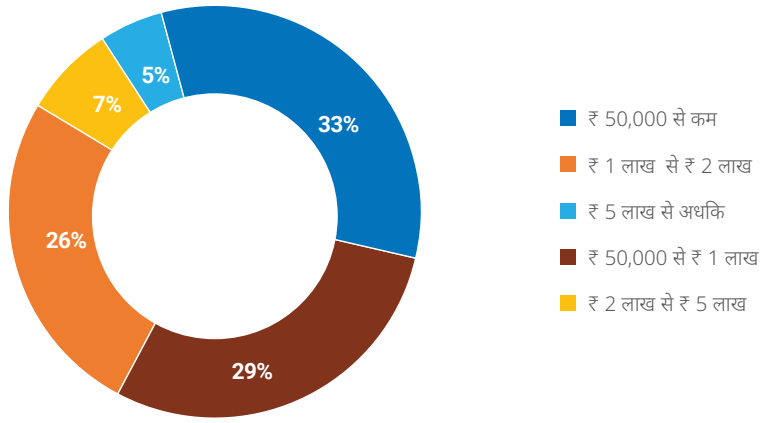
कोठीपुर में लगभग 35 प्रतिशत परिवार कृषि से जुड़े हुए हैं। इसके बाद, परिवार पशुपालन और गैर-कृषि मजदूरी में संलग्न हैं (चित्र 4 देखें)।

समूह केंद्रित चर्चाओं से प्राप्त घरेलू स्तर की आय के अनुमानों से पता चलता है कि अधिकांश परिवार (~33 प्रतिशत) प्रति वर्ष ₹50,000 से कम) कमाते हैं, जबकि केवल 5 प्रतिशत परिवार ही ₹5 लाख से अधिक कमाते हैं (चित्र 5 देखें)। सर्वेक्षण के दौरान, 112 परिवार गरीबी रेखा (BPL) से नीचे थे, अर्थात् ग्राम पंचायत में कुल परिवारों का लगभग ~46% प्रतिशत। राशन कार्ड (चित्र 6 देखें) के अनुसार, लगभग 92 प्रतिशत परिवार सार्वजनिक वितरण योजनाओं से लाभान्वित होते हैं और उनके पास राशन कार्ड हैं, जिनमें से 22 परिवारों के पास अंत्योदय कार्ड<sup>16</sup>।

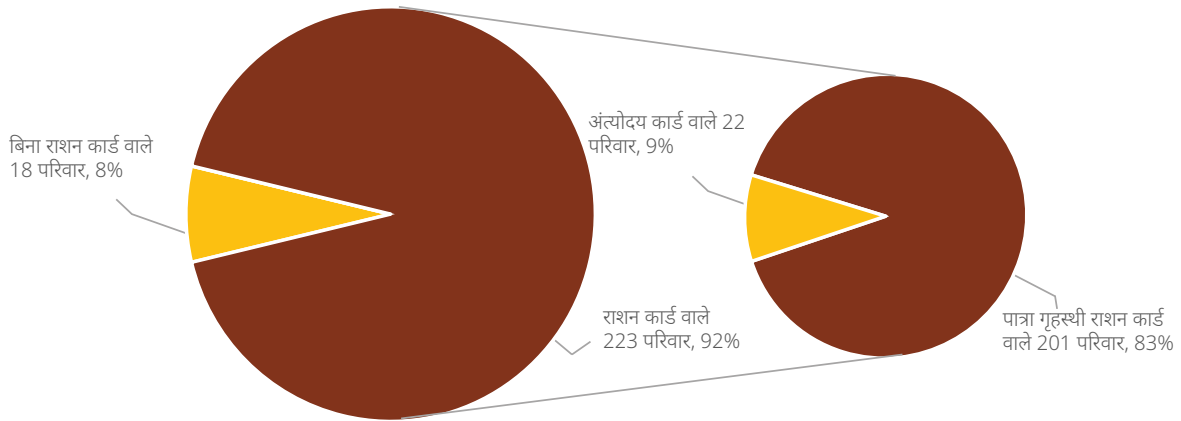


चित्र 4: कोठीपुर में घरेलू स्तर पर आय के प्राथमिक स्रोत

16 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोर्टल ([https://nfsa.gov.in/portal/Ration\\_Card\\_State\\_Portals\\_AA](https://nfsa.gov.in/portal/Ration_Card_State_Portals_AA))



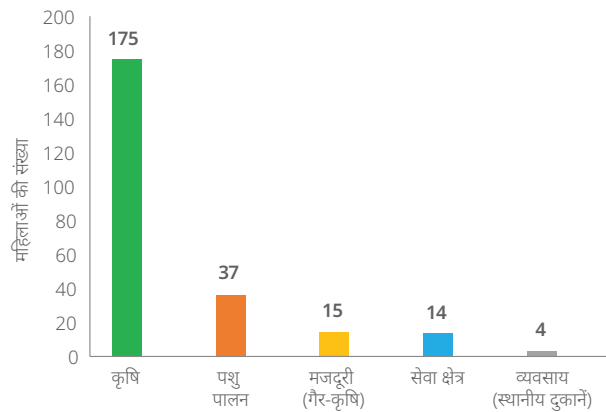
चित्र 5: कोठीपुर में घरेलू स्तर की आय का अनुमान



चित्र 6: कोठीपुर में राशन कार्ड वाले परिवार

## कार्यरत महिलाएं

कोठीपुर में 245 कामकाजी महिलाएं हैं। वे ज्यादातर कृषि से जुड़ी हैं, प्रमुख रूप से अपनी जमीन पर, या मजदूरी /मजदूर के रूप में। रोजगार के अन्य स्रोत पशुपालन, गैर-कृषि मजदूरी और सेवा क्षेत्र में नौकरियां (जैसे शिक्षण, बैंक, सरकारी नौकरियां, आदि) हैं। कुछ महिलाएं स्थानीय दुकानों को चलाने में भी शामिल हैं (चित्र 7 देखें)। ग्राम पंचायत में 25 महिला प्रधान परिवार हैं<sup>17</sup> (कुल परिवारों का ~10 प्रतिशत) हैं। फ़ील्ड सर्वेक्षण से पता चलता है कि पंचायत में 11 स्वयं सहायता समूह हैं।



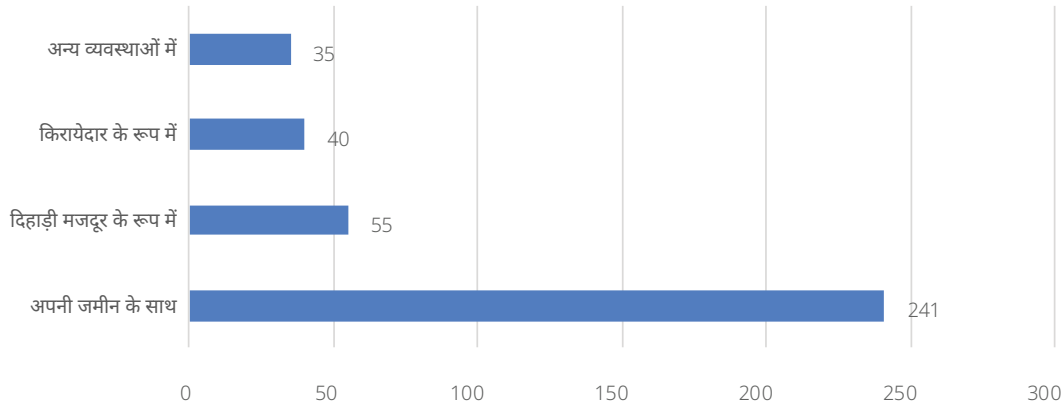
चित्र 7: कोठीपुर में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में संलग्न महिलाओं की संख्या

17 महिला-प्रधान परिवार वे परिवार होते हैं जहां महिलाएं एकमात्र/मुख्य कमाने वाली होती हैं।

## कृषि

लगभग 35 प्रतिशत परिवार आय के लिए कृषि पर निर्भर हैं (चित्र 4 देखें) और विभिन्न व्यवस्थाओं के अंतर्गत कार्यरत हैं,<sup>18</sup> जिसमें खुद की जमीन पर खेती करना, मजदूरी करना या किराए पर काम करना शामिल है (चित्र 8 देखें)। कोठीपुर में कुल बुवाई का क्षेत्रफल लगभग 110 हेक्टेयर है, जबकि सकल फसल क्षेत्रफल ~175<sup>19</sup> हेक्टेयर है।

उगाई जाने वाली प्रमुख खरीफ फसल चावल (~155 क्विंटल) है। ग्राम पंचायत में उगाई जाने वाली प्रमुख रबी फसल गेहूं (~310 क्विंटल) है। अन्य प्रमुख फसलों में सरसों और आलू शामिल हैं<sup>20</sup>। भूजल (ट्यूब कुओं के माध्यम से पंप) सिंचाई का मुख्य स्रोत है। ग्राम पंचायत में 7 इलेक्ट्रिक पंप हैं। लगभग 31 प्रतिशत आबादी पशुपालन में लगी हुई है। कुल पशुधन आबादी 390 (60 गाय, 60 भैंस, 180 बकरियां, 10 सूअर, 80 मुर्गी पक्षी) हैं।



चित्र 8 : कोठीपुर में केवल कृषि पर निर्भर परिवार

## प्राकृतिक संसाधन

सेंगर नदी कोठीपुर से 5 किमी पश्चिम की ओर बहती है। ग्राम पंचायत में 3 तालाब हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल ~1.3 हेक्टेयर है। 13 कुएं भी हैं। ग्राम पंचायत में कोई वन भूमि नहीं है। और लगभग 1.2 हेक्टेयर सार्वजनिक भूमि है। प्राथमिक चर्चाओं से एकत्रित जानकारी से पता चलता है कि ग्राम पंचायत में मिट्टी की लवणता एक प्रमुख मुद्दा है, जो वनस्पति के विकास को प्रभावित करता है। कोठीपुर में बहुत कम हरित क्षेत्र हैं।

18 ध्यान देने योग्य बात यह है कि कई परिवार एक से अधिक तरीकों से कृषि संबंधी कार्यों में लगे हुए हैं। उदाहरण के लिए, छोटे जमींदार भी बड़े खेतों पर दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बड़ी भूमि के स्वामित्व वाले किसान भी अनुबंध खेती कर सकते हैं।

19 ग्राम पंचायत में कुल फसल के क्षेत्रफल का अनुमान कुल कृषि क्षेत्रफल के अनुपात के रूप में लगाया जाता है, जो शुद्ध बोये गये क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में जिला स्तर पर कुल फसली क्षेत्रफल के बराबर होता है। ("जिले के लिए कृषि आकस्मिक योजना: औरैया" में उपलब्ध है <https://krishi.icar.gov.in/jspui/bitstream/123456789/29218/1/UP%206%20Auraiya-28.07.14.pdf>)

20 औरैया जिले के जिला स्तरीय उपज आंकड़ों के आधार पर फसलवार उपज संख्या का अनुमान लगाया गया है

## कोठीपुर में सुविधाएं

### बिजली और रसोई गैस (एलपीजी)

- बिजली तक पहुंच: 100% घर
- घरेलू गैस (LPG) कवरेज- 91% घर

### जल

- ग्राम पंचायत में पानी की आपूर्ति का मुख्य स्रोत - भूजल (हैंड पंप)।
- पाइप पेयजल सप्लाई : ~32%<sup>21</sup>

### अपशिष्ट

- खुले में शौच से मुक्त (ODF) का दर्जा: प्राप्त
- घरेलू शौचालय कवरेज: ~92%

### आवागमन और बाजार तक पहुंच

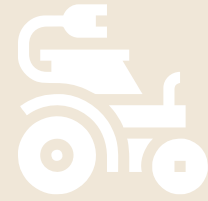
- रेलवे स्टेशन: 3 किमी
- बस स्टेशन: 2 किमी
- किसान मंडी: 8 किमी
- बैंक: 3 किमी
- डाकघर: 3 किमी
- ग्राम पंचायत के भीतर राशन की दुकान

### शैक्षणिक संस्थान

- प्राथमिक विद्यालय
- पूर्व माध्यमिक विद्यालय

### स्वास्थ्य संस्थान

- 1 आंगनवाड़ी केंद्र
- 1 उप स्वास्थ्य केंद्र

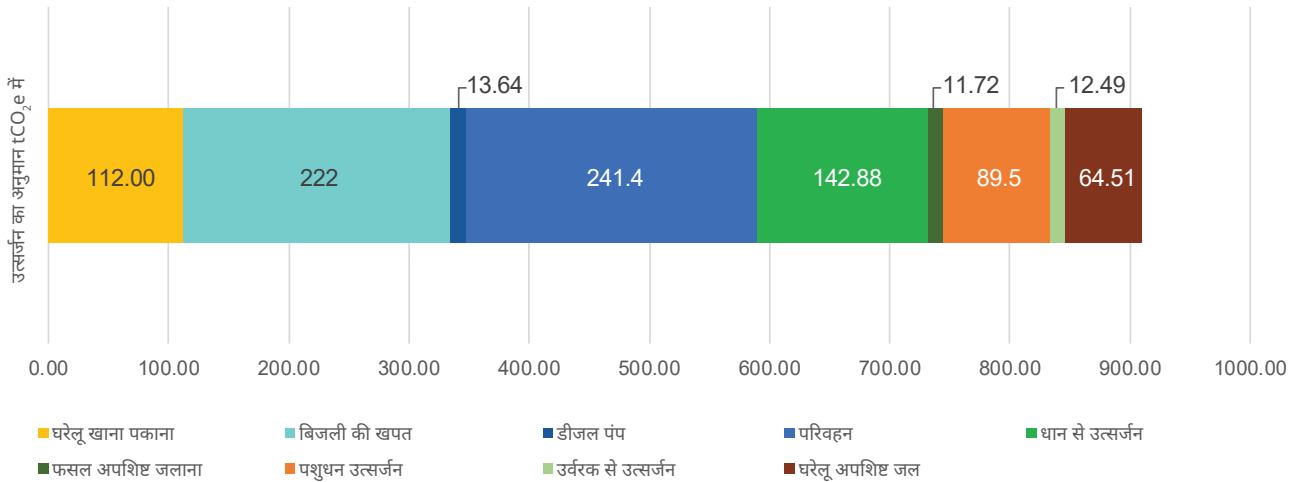


<sup>21</sup> पाइप से पानी की कनेक्टिविटी वाले परिवारों के प्रतिशत में 4-5 घरों के समूह शामिल हैं जिन्हें एक सामुदायिक नल की पहुंच है।

ग्रामीण क्षेत्रों से कार्बन फुटप्रिंट (दूसरे शब्दों में, ग्रीनहाउस गैस (GHG) का उत्सर्जन) महत्वपूर्ण नहीं है, यह अभ्यास ग्राम पंचायत का संपूर्ण आधार रेखा विकसित करने के लिए किया गया है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि इस कार्ययोजना का उद्देश्य कार्बन न्यूट्रल ग्राम पंचायत नहीं, अपितु क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकसित करना है। हालाँकि, संस्तुतियों में उत्सर्जन में कमी के लाभ को सम्मिलित किया गया है जो कहीं न कहीं ग्राम पंचायत को कार्बन न्यूट्रल या कार्बन नेगेटिव करने में मदद करेंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुए, इस अभ्यास में ग्रीन हाउस गैस (GHG) के अनुमानों को सम्मिलित नहीं किया गया है।

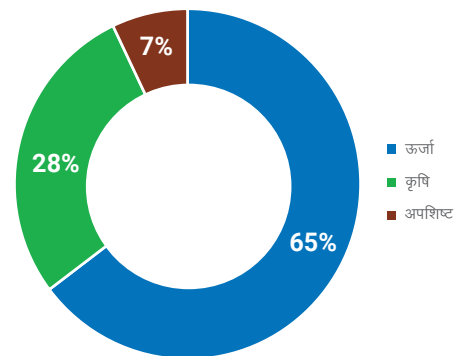
इसके अतिरिक्त, कार्बन फुटप्रिंट, LiFE मिशन के सिद्धांतों के अनुरूप सतत विकास को सुनिश्चित करने हेतु संस्तुतियाँ प्रदान करने में भी सहायता करता है। कुल मिलाकर, 2022 में, कोठीपुर ग्राम पंचायत ने विभिन्न गतिविधियों से लगभग 910 टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (tCO<sub>2</sub>e) उत्सर्जित किया (चित्र 9 देखें)।

ऊर्जा, कृषि और अपशिष्ट क्षेत्रों की गतिविधियों ने कोठीपुर के कार्बन फुटप्रिंट में योगदान दिया। ऊर्जा क्षेत्र से होने वाला उत्सर्जन बिजली की खपत<sup>22</sup>, खाना पकाने के लिए ईंधन की लकड़ी और रसोई गैस (LPG) का इस्तेमाल, सिंचाई के लिए डीजल पंपों का इस्तेमाल, पावर बैंकअप के लिए जनरेटर का इस्तेमाल और परिवहन के विभिन्न साधनों में जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल/डीजल) के इस्तेमाल के कारण होता है। कृषि क्षेत्र के उत्सर्जन में धान की खेती, कृषि क्षेत्रों पर उर्वरक के आवेदन, पशुधन और खाद प्रबंधन और पशु अपशिष्ट और फसल अवशेषों को जलाने का प्रबंधन शामिल है। घरेलू अपशिष्ट जल के कारण होने वाले उत्सर्जन को अपशिष्ट क्षेत्र में शामिल किया गया है।



चित्र 9: 2022 में कोठीपुर में विभिन्न गतिविधियों का कार्बन फुटप्रिंट

कुल उत्सर्जन में ऊर्जा क्षेत्र का योगदान लगभग 65 प्रतिशत है। क्षेत्र के भीतर, परिवहन श्रेणी (~241 tCO<sub>2</sub>e) प्रमुख उत्सर्जक है, इसके बाद बिजली की खपत (~222 tCO<sub>2</sub>e), आवासीय खाना पकाने (~112 tCO<sub>2</sub>e) और डीजल पंप (13.64 tCO<sub>2</sub>e) है। कोठीपुर ग्राम पंचायत के कुल उत्सर्जन में कृषि क्षेत्र का योगदान 28 प्रतिशत है, जिसमें धान की खेती (142.88 tCO<sub>2</sub>e) और पशुधन (89.5 tCO<sub>2</sub>e) से होने वाला उत्सर्जन GHG उत्सर्जन का प्रमुख कारण है। कुल उत्सर्जन में अपशिष्ट क्षेत्र का योगदान लगभग 7 प्रतिशत (64.51 tCO<sub>2</sub>e) है (चित्र 10 देखें)।



चित्र 10: 2022 में कोठीपुर के कार्बन फुटप्रिंट में क्षेत्रों की हिस्सेदारी

22 बिजली की खपत के कारण होने वाले उत्सर्जन को स्कोप 2 उत्सर्जन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, क्योंकि बिजली उत्पादन के लिए ईंधन (कोयला) का दहन ग्राम पंचायत की सीमा के बाहर होता है

**ग**्राम पंचायत के व्यापक मुद्दों की पहचान ग्राम पंचायत से एकत्र किए आंकड़ों और पंचायत की एक बेसलाइन तैयार करने के लिए आंकड़ों के लिए गए विश्लेषण, कृषि-जलवायु क्षेत्र की अंतर्निहित विशेषताओं, जिसमें ग्राम पंचायत स्थित है, के साथ-साथ क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान समुदाय के सदस्यों से प्राप्त जानकारी और समूह केन्द्रित चर्चा के आधार पर की गयी है। जहां भी संभव हो सका है, इस जानकारी की पुष्टि उपलब्ध सरकारी आंकड़ों/स्रोतों से की गई है। हालाँकि, कुछ मुद्दे पूरी तरह से समुदाय से प्राप्त जानकारी पर आधारित हैं क्योंकि इनके लिए ग्राम पंचायत स्तर के आंकड़ें पुष्टि के लिए उपलब्ध नहीं थे। ग्राम पंचायत में पहचाने गए मुद्दों का सारांश नीचे दिया गया है। इसके अतिरिक्त, विस्तृत मुद्दों एवं गतिविधियों को अनुभाग के संबंधित विषयों में सूचीबद्ध किया गया है।

### व्यापक मुद्दे:

- मौसम की अवधि में बदलाव और अनियमित वर्षा के कारण ग्राम पंचायत में अन्य प्रभावों के साथ-साथ फसलों की बुवाई का समय, कटाई का समय और सिंचाई की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं।
- मई से अगस्त के बीच सूखे की समस्या अक्सर रहती है तथा मध्य अगस्त से नवंबर तक जलभराव की समस्या रहती है।
- अस्थायी कृषि और पशुपालन की पद्धतियाँ
- सीमित स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन क्रियाएँ
- जल निकायों सहित प्राकृतिक संसाधनों का खराब रखरखाव
- खाना पकाने, कृषि और परिवहन आवश्यकताओं के लिए जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल/डीजल) पर निर्भरता।
- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जानकारी का अभाव
- स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन पर केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता का अभाव

प्रत्येक विषयगत मुद्दों में कई संस्तुतियाँ सम्मिलित हैं, जिनमें शमन और अनुकूलन दोनों पर ध्यान दिया गया है, जो पिछले अनुभाग में पहचाने/चिह्नित किए गए प्रमुख मुद्दों को संबोधित करते हैं। हस्तक्षेपों को चरणबद्ध लक्ष्यों और लागत अनुमानों<sup>23</sup> (जहाँ तक संभव हो) के साथ वर्णित किया गया है। लक्ष्यों को तीन चरणों में बांटा गया है: चरण- I (2024-25 से 2026-2027); चरण- II (2027-28 से 2029-30); और चरण-III (2030-31 से 2034-35)

प्रत्येक चरण के अंतर्गत लक्ष्यों को प्रभावी और निगरानीपूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हुए आगे वार्षिक लक्ष्यों (वर्ष-दर-वर्ष लक्ष्य) में विभाजित किया जा सकता है। साल-दर-साल लक्ष्य विकसित करने के प्रारूप को 'क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के विकास के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP)' दस्तावेज़ से संदर्भ लेते हुए तैयार किया जा सकता है। मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) एक चरण-दर-चरण दृष्टिकोण है जिसका उपयोग ग्राम प्रधानों, समुदाय के सदस्यों या किसी अन्य हितधारक द्वारा अपने संबंधित ग्राम पंचायतों हेतु क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना विकसित करने के लिए किया जा सकता है।

पहचाने गए वित्तपोषण के विकल्पों/तरीकों में केंद्रीय या राज्य योजनाएं, ग्राम पंचायत की विभिन्न टाइड और अनटाइड निधि या कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) हस्तक्षेप के माध्यम से निजी वित्त की पहचान की गई है। विस्तृत गतिविधियां/संस्तुतियाँ निम्नलिखित अनुभाग में हैं।

### कार्ययोजना में प्रस्तावित संस्तुतियाँ निम्नलिखित विषयों पर आधारित हैं:

1. हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना
2. जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प और अपशिष्ट जल प्रबंधन
3. सतत कृषि
4. सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
5. स्वच्छ, सतत किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच
6. सतत एवं उन्नत गतिशीलता
7. आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाना

इसके अतिरिक्त, संस्तुतियों का हिस्सा न बनाते हुए, पंचायतों द्वारा विचार के लिए संभावित पहलों की एक सूची भी सूचीबद्ध की गई है। इन पहलों/प्रयासों/नवाचरों को भारत के कुछ हिस्सों में ग्राम पंचायतों द्वारा सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इन्हें यहां दोहराया भी जा सकता है। हालाँकि, ये पहल/प्रयास/नवाचार उत्तर प्रदेश सरकार की वर्तमान में संचालित किसी भी योजना/कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हैं, इसलिए इन पहलों/प्रयासों/नवाचरों के लिए धन का वहन समुदायों द्वारा या सीएसआर और निजी स्रोतों की खोज से किया जाएगा। इसलिए, उन्हें मुख्य गतिविधियों/संस्तुतियों में शामिल नहीं किया गया है।

<sup>23</sup> लागत का अनुमान विभिन्न तरीकों के आधार पर लगाया गया है जैसे:

ग्राम पंचायत के प्रमुख सदस्यों से प्राप्त सुझाव,  
या संबंधित योजनाओं और नीतियों के अनुसार लागत का अनुमान, या आवश्यक निवेश की प्रति इकाई अनुमानित लागत या विभिन्न विभागों की दरों की अनुसूचियाँ।



# 1

## हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना



### संदर्भ और मुद्दे

- कोठीपुर में कोई सीमांकित वन क्षेत्र नहीं है।<sup>24</sup>
- ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण में लगभग 0.2 एकड़ के बगीचों के कुछ हरित क्षेत्र सम्मिलित हैं।

कोठीपुर ग्राम पंचायत में हरित क्षेत्रों की जगह बढ़ाने की क्षमता है, क्योंकि यह न केवल बढ़ते तापमान में सुधार करेगा और छाया प्रदान करेगा अपितु ग्राम पंचायत में कार्बन सिंक को बढ़ाने के अलावा, लंबी अवधि में मिट्टी के स्वास्थ्य और जल स्तर में भी सुधार करेगा।



### हरित क्षेत्रों में सुधार

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गयी जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> <li>विभिन्न पहलों के माध्यम से वार्षिक समुदाय-आधारित वृक्षारोपण संबंधी गतिविधियाँ<sup>25</sup>:               <ul style="list-style-type: none"> <li>छात्रों के लिए <b>ग्रीन स्टीवर्डशिप कार्यक्रम</b><sup>26</sup> (5 छात्रों का चयन)</li> <li>देशी फलदार पेड़ों को लगाकर <b>खाद्य वन</b> का निर्माण</li> </ul> </li> <li><b>आरोग्य वन</b> तैयार करना - भूमि की खरीद और तैयारी, प्रजातियों का चयन और विभिन्न औषधीय जड़ी-बूटियों<sup>27</sup>, झाड़ियों और पेड़ों का रोपण</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>मौजूदा वृक्षारोपण और नर्सरी का रखरखाव</li> <li>बाल वन के सृजन के साथ अतिरिक्त पौधरोपण<sup>28</sup></li> <li>किसानों को कृषि वानिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना</li> <li><b>आरोग्य वन</b> की स्थापना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>वृक्षारोपण की गतिविधियों का विस्तार और रखरखाव - बाल वन और अन्य वृक्षारोपण</li> <li>कृषि-वानिकी पहल के अंतर्गत क्षेत्र का विस्तार</li> <li>आरोग्य वन का रखरखाव किया गया तथा प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के उत्पादन के लिए यूनिट की स्थापना</li> </ol>

24 जैसा कि क्षेत्रीय सर्वेक्षणों के दौरान बताया गया है

25 अनुलग्नक VI में सूचीबद्ध वृक्षों की प्रजातियाँ

26 स्कूल के छात्रों को पेड़ लगाने के कार्यों में शामिल किया जाएगा और प्रत्येक कक्षा से उन छात्र नेताओं को चुना जाएगा जो अपने साथियों के साथ-साथ ग्राम पंचायत समुदाय को भी पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करेंगे।

27 उपयुक्त प्रजातियों को अनुलग्नक VI में सूचीबद्ध किया गया है

28 नए माता-पिता को उनके बच्चे को जन्म देने के उपलक्ष्य में देशी सदाबहार पेड़ों के पौधे उपहार में दिए जाएंगे तथा उन्हें उनके बच्चों की देखभाल के साथ-साथ इन पौधों की देखभाल करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

<p>3. छात्रों, युवाओं और स्थानीय समुदायों के लिए निम्न पर जागरूकता और प्रशिक्षण सत्र:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>» वन एवं हरित आवरण का महत्व</li> <li>» पेड़ कैसे लगाएं और उनकी देखभाल कैसे करें</li> <li>» वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त वृक्ष की प्रजातियां और उनकी संवेदनशीलता</li> </ul> <p>4. उद्योगों के सहयोग से औद्योगिक इकाइयों के आसपास बफर जोन का निर्माण।</p>		
---	--	--

<p>1. बाल वन निर्माण के लिए 500 पौधे लगाए 15-20 वर्षों में 2,800 tCO<sub>2</sub> से 5,000 tCO<sub>2</sub> तक पृथक्करण क्षमता</p> <p>2. आरोग्य वन स्थापित करने के लिए लगभग 0.2 हेक्टेयर भूमि का आवंटन /सीमांकन</p>	<p>1. 500 से 1,000 पौधे लगाए 15-20 वर्षों में 3,500 tCO<sub>2</sub> से 10,000 tCO<sub>2</sub> तक पृथक्करण क्षमता</p> <p>2. आरोग्य वन की स्थापना एवं रखरखाव</p> <p>3. उपयुक्त<sup>29</sup> ~ 5 हेक्टेयर भूमि में कृषि वानिकी अपनाई गई, क्षारीय मिट्टी में उगाने के लिए उपयुक्त 500 पेड़ लगाना (सागवन की पृथक्करण क्षमता: 20 वर्षों में 1,700 tCO<sub>2</sub> से 3,000 tCO<sub>2</sub>)</p>	<p>1. 500 से 1,000 पौधे लगाना 15-20 वर्षों में 3,500 tCO<sub>2</sub> से 5,000 tCO<sub>2</sub> तक पृथक्करण क्षमता</p> <p>2. अतिरिक्त ~ 6 हेक्टेयर भूमि में कृषि वानिकी अपनाई गई, 600 पेड़ लगाना (सागौन की पृथक्करण क्षमता: 20 वर्षों 2,500 tCO<sub>2</sub> से 4,500 tCO<sub>2</sub>.)</p> <p>3. आरोग्य वन का रखरखाव तथा प्राकृतिक औषधियों और पूरकों का उत्पादन जारी रखना (जैसा कि 'आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाना' के अनुभाग में बताया गया है)</p>
---	---	---

<p>वृक्षारोपण गतिविधियां: ₹6,35,000</p>	<p>1. वृक्षारोपण की कुल लागत : ₹6,35,000 - ₹12,70,000</p> <p>2. कृषि वानिकी की लागत: ₹2,00,000</p> <p>कुल लागत: ₹11.52 लाख</p>	<p>वृक्षारोपण की कुल लागत: ₹25,40,000-₹31,75,000</p> <p>कृषि वानिकी की लागत: ₹2,40,000</p> <p>कुल लागत: ₹30.97 लाख रुपये</p>
---	--	--

लक्ष्य

अनुमानित लागत

29 उपयुक्त कृषि क्षेत्रफलों में दालों और सब्जियों के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र शामिल है (~11 हेक्टेयर)



## जन जैवविविधता रजिस्टर

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> <li>जन जैवविविधता रजिस्टर का सहभागी अद्यतन</li> <li>समुदाय और सभी हितधारकों के बीच जागरूकता फैलाना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>जन जैवविविधता रजिस्टर का नियमित अद्यतनीकरण</li> <li>सभी हितधारकों के बीच जागरूकता को बढ़ाना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>जन जैवविविधता रजिस्टर का नियमित अद्यतनीकरण</li> <li>सभी हितधारकों के बीच जागरूकता को बढ़ाना</li> </ol>
लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> <li>जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन और क्षमता वृद्धि</li> <li>जन जैवविविधता रजिस्टर का सहभागी अद्यतन</li> </ol>	जैव विविधता रजिस्टर का सहभागी अद्यतन जारी रखना	जैव विविधता रजिस्टर का सहभागी अद्यतन जारी रखना
अनुमानित लागत	जैव विविधता प्रबंधन समितियों (BMC) का गठन, पंजीकरण और प्रशिक्षण <sup>30</sup> : ~₹25,000		

## वर्तमान में संचालित योजनाएं और कार्यक्रम

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), ग्रीन इंडिया मिशन, जल जीवन मिशन और उग्र राज्य वृक्षारोपण लक्ष्यों द्वारा 'भारत में वनों के बाहर वृक्ष' पहल के अंतर्गत प्रावधानों के माध्यम से वृक्षारोपण की गतिविधियों को जोड़ा और संचालित किया जा सकता है।
- उ०प्र० राज्य के प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (राज्य कैम्पा निधि) के अंतर्गत वार्षिक बजटिंग निम्नलिखित गतिविधियों के लिए दिया जा सकता है:
  - ग्राम पंचायत में वनीकरण, जैव विविधता का संवर्धन, वन्यजीव आवास को बेहतर बनाना, और मिट्टी और जल संरक्षण गतिविधियाँ।
- वृक्षारोपण गतिविधियों को मनरेगा के साथ जोड़ा जा सकता है और स्थानीय समुदाय को 'श्रमदान' करने में भी सम्मिलित किया जा सकता है।
- सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत कृषि वानिकी संबंधी उप-मिशन का लाभ उठाया जा सकता है:
  - कृषि वानिकी वृक्षारोपण के लिए प्रति हेक्टेयर ₹28,000 का लाभ उठाना
  - वृक्षारोपण हेतु सहायता चार वर्षों के लिए 40:20:20:20 के वर्ष-वार अनुपात में प्राप्त की जा सकती है।
- केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्राम पंचायत में आरोग्य वन स्थापित करने में सहायक हो सकता है।
- जैवविविधता प्रबंधन समिति (BMC) के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के कार्यक्रमों का उपयोग किया जा सकता है।

30 जैव विविधता प्रबंधन समितियों (BMC) के संचालन के लिए दिशानिर्देश, 2013, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण। <http://nbaindia.org/uploaded/pdf/Guidelines%20for%20BMC.pdf>

## वित्त के अन्य स्रोत

- 15वें वित्त आयोग और स्वयं के स्रोत राजस्व (OSR) के अंतर्गत ग्राम पंचायत को आवंटित संसाधन
- पौधों की खरीद, वृक्षारोपण अभियान का आयोजन करना, पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्री गार्ड लगाने हेतु कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) निधि का लाभ उठाया जा सकता है। सीएसआर समर्थन का उपयोग आरोग्य वन को बनाने और हर्बल उत्पादों के लिए उत्पादन इकाइयां स्थापित करने के लिए किया जा सकता है, जैसा कि 'आजीविका को बेहतर बनाने और हरित उद्यमिता को बढ़ावा देने' की संस्तुतियों में वर्णित है।

## प्रमुख विभाग

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
- राज्य जैव विविधता बोर्ड
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ
- अवसंरचना एवं औद्योगिक विकास विभाग

# 2

## जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प और अपशिष्ट जल प्रबंधन



### संदर्भ और मुद्दे

- कोठीपुर ग्राम पंचायत मुख्य रूप से कृषि और घरेलू जरूरतों के लिए पानी के प्राथमिक स्रोत के रूप में भूजल पर निर्भर है 2018 से 2022<sup>31</sup> के बीच मई से अगस्त के महीनों में लगातार सूखे की घटनाएं हुई हैं। इसलिए कोठीपुर में वाटरशेड प्रबंधन को बढ़ाने की आवश्यकता है।
- कोठीपुर में 3 तालाब और 13 कुएं हैं, अधिकांश जल निकायों का रखरखाव ठीक से नहीं किया गया है और वे गाद, मलबे और कचरे से भरे हुए हैं इसलिए उन्हें साफ करने और कायाकल्प करने की आवश्यकता है।
- ग्राम पंचायत में केवल 32% घरों में ही पाइप कनेक्शन<sup>32</sup> उपलब्ध हैं, इसलिए पाइप से जल आपूर्ति का दायरा बढ़ाने की आवश्यकता है।
- कोठीपुरा में जलभराव एक प्रमुख चिंता का विषय है, विशेषकर मानसून के मौसम में - अगस्त के मध्य से नवंबर तक<sup>33</sup>। यह अकुशल और खराब तरीके से बनाए गए जल निकासी बुनियादी ढांचे के कारण और भी बदतर हो जाता है, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव जैसे जल (उच्च TDS और फ्लोराइड की मात्रा) और भूमि प्रदूषण, साथ ही मिट्टी की क्षारीयता बढ़ जाती है।

पिछले पांच वर्षों में भूजल पर निर्भरता और सूखे की लगातार घटनाएं जल संरक्षण और भूजल संसाधनों की पुनःपूर्ति करने के लिए वाटरशेड प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता को दर्शाती है। कोठीपुर में भेद्यता को कम करने, लचीलापन बनाने और जल सुरक्षा को बेहतर करने के लिए निम्नलिखित अनुशासनों प्रस्तावित हैं।



### वर्षा जल संचयन (आरडब्लूएच) की पद्धतियाँ

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
<ol style="list-style-type: none"><li>ग्राम पंचायत में सभी सरकारी भवनों में वर्षा जल संचयन (आरडब्लूएच) संरचनाओं की स्थापना</li><li>गांव स्तर पर पानी समितियों या ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (VWSC) की स्थापना</li></ol>	<ol style="list-style-type: none"><li>2000 वर्ग फीट से अधिक के भूखंड वाले आवासीय भवनों में वर्षा जल संचयन (आरडब्लूएच) के बुनियादी ढांचे की स्थापना</li><li>सभी नए भवनों में आरडब्लूएच के बुनियादी ढांचे का अनिवार्य रूप से निर्माण</li></ol>	<ol style="list-style-type: none"><li>1000 वर्ग फीट से 2000 वर्ग फीट के बीच आवासीय भवनों में वर्षा जल संचयन (आरडब्लूएच) संरचनाओं की स्थापना</li><li>सभी नए भवनों में आरडब्लूएच के बुनियादी ढांचे का अनिवार्य रूप से निर्माण</li></ol>

31 फ्रील्ड सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार

32 फ्रील्ड सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार

33 फ्रील्ड सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार

## लक्ष्य

1. 4 पंचायत स्तरीय सरकारी भवनों में से प्रत्येक में आरडब्लूएच स्थापना: पंचायत भवन, प्राथमिक विद्यालय, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, आंगनवाड़ी, उप स्वास्थ्य केंद्र
2. 1 ग्राम स्तरीय VWSC की स्थापना

1. 64 पक्के घरों में 10 m<sup>3</sup> की औसत भंडारण क्षमता वाले आरडब्लूएच की स्थापना
2. आरडब्लूएच संरचनाओं के अनुरक्षण और रखरखाव के लिए समुदाय और अन्य सभी हितधारकों का नियमित क्षमता विकास

1. 46 पक्के घरों में 10 m<sup>3</sup> की औसत भंडारण क्षमता वाले आरडब्लूएच की स्थापना
2. आरडब्लूएच संरचनाओं के अनुरक्षण और रखरखाव के लिए समुदाय और अन्य सभी हितधारकों का नियमित क्षमता विकास

## अनुमानित लागत

10 m<sup>3</sup> क्षमता वाली 4 वर्षा जल संचयन के बुनियादी ढांचे की लागत: ~₹1,40,000  
कुल लागत: ~₹1,40,000

आरडब्लूएच के बुनियादी ढांचे की लागत: ~₹6,43,000

आरडब्लूएच के बुनियादी ढांचे की लागत: ~₹16,07,400



## जल निकायों का रखरखाव

## चरण

### I 2024-25 से 2026-27

1. जल निकायों की सफाई और डिसिल्लिंग (गाद निकालना)
2. कुओं की सफाई और उसकी मरम्मत
3. पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण
4. जल निकायों के आसपास ट्री गार्ड के इस्तेमाल के साथ वृक्षारोपण

### II 2027-28 से 2029-30

1. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण
2. सभी जल निकायों का रखरखाव और प्रबंधन

### III 2030-31 से 2034-35

1. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण
2. सभी जल निकायों का रखरखाव और प्रबंधन

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

1. 2 तालाबों की सफाई
2. 2 कुओं की सफाई और मरम्मत
3. 45 पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण
4. जल निकायों के आसपास 1000 पेड़ों का रोपण - 'हरित स्थानों और जैव विविधता को बढ़ाने' पर अनुभाग में शामिल किया गया

1. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण
2. सभी 3 जल निकायों का नियमित रखरखाव
3. 13 कुओं का आवधिक रखरखाव
4. जल निकायों के आसपास अतिरिक्त 500 पौधों का रोपण करना तथा कम से कम 65% जीवित रहने की दर (ट्री गार्ड का इस्तेमाल करके) सुनिश्चित करना।

1. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण
2. सभी 3 जल निकायों का नियमित रखरखाव
3. 13 कुओं का आवधिक रखरखाव
4. जल निकायों के आसपास अतिरिक्त 500 पौधों का रोपण करना तथा कम से कम 65% जीवित रहने की दर (ट्री गार्ड का इस्तेमाल करके) सुनिश्चित करना।

## लक्ष्य



## अनुमानित लागत

<ol style="list-style-type: none"> <li>2 तालाबों की सफाई: ₹14,00,000</li> <li>2 कुओं की सफाई और उसका कायाकल्प: ₹14,00,000</li> <li>45 पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण: ₹3,00,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹31 लाख</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>3 तालाबों का रखरखाव: ₹11,25,000</li> <li>13 कुओं का रखरखाव: ₹48,75,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹60 लाख</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>3 तालाबों का रखरखाव: ₹11,25,000</li> <li>13 कुओं का रखरखाव: ₹48,75,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹60 लाख</p>
---	---	---



## बेहतर जल निकासी और सीवरेज का बुनियादी ढांचा

### चरण

### सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
<ol style="list-style-type: none"> <li>मौजूदा नालियों का रखरखाव.</li> <li>सामुदायिक शौचालय का निर्माण</li> <li>SBM-G के अंतर्गत घरेलू शौचालय कवरेज का विस्तार</li> <li>विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली इकाइयों (DEWATS) का निर्माण</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>जल जमाव को दूर करने के लिए सभी नालियों का नियमित रखरखाव</li> <li>आवश्यकतानुसार घरेलू शौचालय कवरेज का और अधिक विस्तार।</li> <li>सभी नए निर्माणों में शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित करना</li> <li>अतिरिक्त 2 जैविक अपशिष्ट जल उपचार इकाइयों का निर्माण</li> </ol>	<p>मौजूदा आधारभूत ढाँचों का रखरखाव</p>

### लक्ष्य

<ol style="list-style-type: none"> <li>1,800 मीटर नालियों का रखरखाव</li> <li>1 सामुदायिक शौचालय का निर्माण</li> <li>25 घरेलू शौचालयों का निर्माण<sup>34</sup></li> <li>70 KLD क्षमता की 2 DEWATS इकाइयों का निर्माण</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>मौजूदा बुनियादी ढांचे का रखरखाव</li> <li>25 अतिरिक्त घरेलू शौचालयों का निर्माण<sup>35</sup></li> </ol>	<p>मौजूदा बुनियादी ढाँचों का रखरखाव</p>
--	---	---

### अनुमानित लागत

<ol style="list-style-type: none"> <li>आवश्यकता के अनुसार नालियों की सफाई और रखरखाव</li> <li>शौचालयों का निर्माण: ₹ 3,00,000</li> <li>2 DEWATS इकाइयों का निर्माण ₹30,00,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹33 लाख</p>	<p>शौचालयों का निर्माण: ₹3,00,000</p>	<p>आवश्यकतानुसार</p>
--	---------------------------------------	----------------------

34 HRVCA में दर्शाए गए शौचालयों की संख्या

35 HRVCA में दर्शाए गए शौचालयों की संख्या

## वर्तमान में संचालित योजनाएं और कार्यक्रम

- जल शक्ति अभियान: कैच द रेन अभियान द्वारा उपलब्ध प्रावधानों और संसाधनों के माध्यम से वर्षा जल संचयन प्रणालियों का विकास किया जा सकता है।
- सिंचाई विभाग के अंतर्गत यूपी राज्य का वार्षिक बजट को ग्राम पंचायत स्तर के जल निकाय संरक्षण और जीर्णोद्धार गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता है।
- मनरेगा के अंतर्गत वार्षिक बजट और PMKSY के अंतर्गत वाटरशेड विकास घटकों का उपयोग वाटरशेड विकास गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

## वित्त के अन्य स्रोत

- जल निकायों और कुओं के अनुरक्षण और रख-रखाव में योगदान देने के लिए कॉर्पोरेट/CSR को 'जल निकाय को अपनाने' के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

## प्रमुख विभाग

- ग्राम्य विकास विभाग
- सिंचाई और जल संसाधन विभाग
- उत्तर प्रदेश भूमि संसाधन विभाग



# 3

## सतत कृषि



### संदर्भ और मुद्दे

- कोठीपुर में कृषि के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल लगभग 110 हेक्टेयर है तथा कुल फसली क्षेत्रफल लगभग 174 हेक्टेयर है।
- ग्राम पंचायत में 35% परिवार कृषि पर निर्भर हैं और 31% परिवार आय के स्रोत के रूप में पशुपालन पर निर्भर हैं।<sup>36</sup>
- उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें गेहूं (~47 हेक्टेयर), धान (~42 हेक्टेयर), बाजरा (~24 हेक्टेयर) और सब्जियां (~6 हेक्टेयर) हैं
- कुल कृषि भूमि का लगभग 6 हेक्टेयर मिट्टी की क्षारीयता से प्रभावित है।<sup>37</sup>
- ग्राम पंचायत ने 2018 से 2022 के बीच सालाना 5 बार सूखे का सामना किया है, आमतौर पर जुलाई-अगस्त के दौरान, जिससे फसल खराब हो गई और चारे की कमी हो गई और ग्राम पंचायत में इन चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता है।<sup>38</sup>
- अनियमित बारिश के कारण धान की बुवाई का समय जुलाई से अगस्त/सितंबर तक बदल गया है। गेहूं के मामले में, बारिश में देरी के कारण बुआई का समय अक्टूबर/नवंबर के पहले सप्ताह से दिसंबर के अंत तक स्थानांतरित हो गया है।<sup>39</sup>
- वर्ष 2021 और 2022 में अनियमित वर्षा, तीव्र गर्मी के मौसम के साथ-साथ बीमारियों के कारण फसल को नुकसान हुआ, जिससे चावल (~200 क्विंटल), गेहूं (~380 क्विंटल), मक्का (~80 क्विंटल), बाजरा (~200 क्विंटल), सरसों (~250 क्विंटल) और आलू (~150 क्विंटल) का नुकसान हुआ।
- किसान प्रति वर्ष ~12 टन यूरिया और अन्य नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का उपयोग करते हैं जिससे प्रति वर्ष ~68 टन CO<sub>2</sub>e का GHG उत्सर्जन होता है। किसान कीटनाशकों और खरपतवारनाशी जैसे अन्य रासायनिक आदानों पर भी निर्भर हैं। कोठीपुर में प्राकृतिक खेती नहीं की जाती है।
- जैसा कि क्षेत्रीय सर्वेक्षणों से पता चला कि कृषि में जल की मांग में वृद्धि हुई है, जिसके कारण जल संरक्षण और बेहतर सिंचाई तकनीकों के इस्तेमाल पर ज़ोर दिये जाने की आवश्यकता है।

उपर्युक्त बातें अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने के लिए सतत और सूखा प्रतिरोधी कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती हैं।

36 फ़ील्ड सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार

37 जैसा कि क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान ग्राम पंचायत द्वारा बताया गया

38 क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान समुदाय से प्राप्त जानकारी के आधार पर

39 जैसा कि क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान ग्राम पंचायत द्वारा बताया गया



## जलवायु लचीलेपन का निर्माण

### चरण

### सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	<ol style="list-style-type: none"> <li>ड्रिप सिंचाई और स्प्रेकलर सिंचाई प्रणाली जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रथाओं को बढ़ावा देना और अपनाना</li> <li>खेतों के चारों ओर पेड़ों से मेड़बंधी का निर्माण</li> <li>खेत में तालाबों का निर्माण</li> <li>चावल की सूखा प्रतिरोधी किस्म को अपनाना और डाइरैक्ट सीडेड राइस की खेती को अपनाना</li> <li>किसान बाजरा, ज्वार, उड़द आदि उगा सकते हैं (जिनमें कम पानी की आवश्यकता होती है)</li> <li>किसानों को फसल के नुकसान से बचाने के लिए विभिन्न बीमा कार्यक्रमों के बारे में जागरूक करना</li> <li>कृषि क्षेत्र निगरानी स्टेशन में चयनित स्थानों पर स्वचालित/मिनी मौसम स्टेशनों की स्थापना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>सूक्ष्म सिंचाई की प्रथाओं का विस्तार करना</li> <li>मेड़बंधी का विस्तार</li> <li>अतिरिक्त खेत तालाब बनाना</li> <li>किसानों को फसल के नुकसान से बचाने के लिए विभिन्न बीमा कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए जागरूकता पैदा करने और किसानों को सहायता प्रदान करने की पहल</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>सूक्ष्म सिंचाई की प्रथाओं का विस्तार करना</li> <li>मेड़बंधी का रखरखाव और वृक्षारोपण</li> <li>अतिरिक्त वृक्षारोपण (आवश्यकतानुसार)</li> <li>आवश्यकता के आधार पर अधिक खेत तालाब बनाना</li> </ol>
लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> <li>लगभग ~7 हेक्टेयर (30%) कृषि भूमि पर सूक्ष्म सिंचाई, सब्जियों, मक्का और दालों की खेती</li> <li>लगभग 55 हेक्टेयर (50%) कृषि भूमि पर पेड़ों से मेड़बंधी का निर्माण करना</li> <li>300 m<sup>3</sup> प्रति क्षमता वाले 5 कृषि तालाब बनाना</li> <li>ग्राम पंचायत में उपयुक्त स्थान पर 1 मिनी मौसम निगरानी स्टेशन स्थापित करना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>सब्जियों, मक्का और दालों के अंतर्गत लगभग 10 हेक्टेयर (कुल 70%) कृषि भूमि पर सूक्ष्म सिंचाई</li> <li>शेष लगभग 55 हेक्टेयर (50%) कृषि भूमि पर पेड़ों से मेड़बंधी का निर्माण करना</li> <li>300 m<sup>3</sup> प्रति क्षमता वाले 5 कृषि तालाब बनाना</li> </ol>	लगभग 7 हेक्टेयर कृषि भूमि पर सूक्ष्म सिंचाई, सब्जियों, मक्का और दालों के अंतर्गत (100%) कृषि भूमि

## अनुमानित लागत

<ol style="list-style-type: none"> <li>सूक्ष्म सिंचाई: ₹7,00,000</li> <li>मेडबंधी: ₹78,489</li> <li>खेत में कृषि तालाब: ₹4,50,000</li> <li>1 मिनी मौसम स्टेशन की लागत: ₹1,50,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹13.79 लाख</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>सूक्ष्म सिंचाई: ₹10,00,000</li> <li>मेडबंधी: ₹78,489</li> <li>खेत में कृषि तालाब: ₹4,50,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹15.29 लाख</p>	<p>सूक्ष्म सिंचाई: ₹7,00,000</p>
---	---	----------------------------------



## प्राकृतिक खेती को अपनाना

### चरण

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
<ol style="list-style-type: none"> <li>जैविक उर्वरकों, जैव-कीटनाशकों और जैव-खरपतवारनाशकों को अपनाना</li> <li>प्राकृतिक उत्पाद प्रमाणन प्रक्रिया को स्थापित करना और उसे अपनाना</li> <li>प्राकृतिक कृषि उत्पादों के लिए बाजार संपर्कों का पता लगाना और उसे स्थापित करना</li> <li>मिश्रित फसल, फसल चक्र, मल्टिप्लिंग, जीरो टिलेज जैसी प्रक्रियाओं को अपनाना</li> <li>किसानों, FPO और अन्य संबंधित हितधारक समूहों के लिए प्रशिक्षण सत्र और प्रदर्शन: <ul style="list-style-type: none"> <li>» प्राकृतिक खेती और सूखा सहिष्णु फसलों का महत्व सहनशील फसलें</li> <li>» लचीले फसल के पैटर्न को अपनाने की तकनीकें</li> <li>» प्रमाणन प्रणाली</li> <li>» बाजार आउटरीच और लाभप्रदता</li> </ul> </li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>कृषि भूमि का प्राकृतिक खेती में परिवर्तन जारी रखना (नर्सरी, बीज बैंक, प्रमाणन तंत्र और बाजार से जुड़ाव स्थापित किया जाना)</li> <li>चरण I में कार्यान्वित प्रथाओं को बढ़ावा देना और अपनाना</li> </ol>	<p>100% कृषि भूमि पर पारंपरिक कृषि प्रथाओं से प्राकृतिक खेती की ओर परिवर्तन का विस्तार</p>

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

### लक्ष्य

16 हेक्टेयर (15 प्रतिशत) भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना	27 हेक्टेयर (40 प्रतिशत) भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना	66 हेक्टेयर (100 प्रतिशत) भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना
--	--	---

## अनुमानित लागत

1. प्रशिक्षण की लागत (एक बार): ₹60,000
2. भूमि का प्राकृतिक खेती में परिवर्तन: ~ ₹40,60,000
कुल लागत: ₹41.20 लाख

अनुमानित लागत:
1. प्रशिक्षण की लागत (एक बार): ₹60,000
2. भूमि का प्राकृतिक खेती में परिवर्तन: ~₹67,66,000
कुल लागत: ₹68.26 लाख

अनुमानित लागत:
1. प्रशिक्षण की लागत (एक बार): ₹60,000
2. भूमि का प्राकृतिक खेती में परिवर्तन: ~ ₹1,63,09,000
कुल लागत: ₹1.64 करोड़



## सतत पशुधन प्रबंधन

### चरण

### I

2024-25 से 2026-27

- पशुधन प्रबंधन के लिए पशुपालन में लगे परिवारों की जागरूकता बढ़ाना और क्षमता निर्माण करना
  - पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए समुदाय के सदस्यों को पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता/पैरा-पशु चिकित्सक प्रशिक्षण के रूप में प्रशिक्षित करना
- पशुधन से मीथेन उत्सर्जन को कम करने पर हस्तक्षेप के लिए अनुभाग "अतिरिक्त संस्तुतियाँ" देखें।

### II

2027-28 से 2029-30

- प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों का विस्तार
- आवश्यकता के अनुसार पैरा-वेट प्रशिक्षण को बढ़ाना

### III

2030-31 से 2034-35

- प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों का विस्तार
- आवश्यकता के अनुसार पैरा-वेट प्रशिक्षण को बढ़ाना

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

### लक्ष्य

- पशुपालन में संलग्न परिवारों के लिए स्थाई पालन पद्धतियों, रोग की रोकथाम और पशुधन स्वास्थ्य के प्रबंधन पर कार्यशालाएं आयोजित करना
- 2 पैरा-वेट का प्रशिक्षण<sup>40</sup>

- रोग की रोकथाम और सतत पालन प्रथाओं पर अतिरिक्त कार्यशालाएं आयोजित करना
- पशुधन प्रबंधन के लिए निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

- रोग की रोकथाम और स्थाई पालन पद्धतियों पर
- अतिरिक्त कार्यशालाएं आयोजित करना
- पशुधन प्रबंधन के लिए निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

## अनुमानित लागत

कार्यशाला और पैरा-पशु चिकित्सक प्रशिक्षण की लागत: आवश्यकता के अनुसार

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार

40 प्रशिक्षित किए जाने वाले समुदाय आधारित पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (पैरा वेट) की संख्या ग्राम पंचायत की आवश्यकता के अनुसार है



# मृदा स्वास्थ्य में सुधार और सोडिक/ क्षारीय मृदा का प्रबंधन

## चरण

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
<ol style="list-style-type: none"> <li>1. मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के उपयोग और जिप्सम और जैविक संशोधनों के लाभों पर किसानों को शिक्षित करने के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करना।</li> <li>2. मृदा स्वास्थ्य और संरचना को बढ़ाने के तरीकों को बढ़ावा देना जैसे             <ul style="list-style-type: none"> <li>» जिप्सम या कैल्शियम क्लोराइड का अनुप्रयोग</li> <li>» भूसा, खेत की खाद, हरी खाद और प्रेस कीचड़ जैसे कार्बनिक पदार्थ मिलाना</li> </ul> </li> <li>3. किसानों को ऐसी फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना जो क्षारीय परिस्थितियों के प्रति अधिक सहनशील हों। लवणीय-सहिष्णु किस्मों को शुरू करने से सोडिक मिट्टी में बेहतर फसल पैदावार सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है।</li> <li>4. मृदा सुधार की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए किसानों के बीच 'जिपकैल' और 'लवणता विशेषज्ञ'<sup>41</sup> जैसे मोबाइल आधारित ऐप्लिकेशंस को शुरू करना और उनका प्रचार करना।</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. नियमित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण गतिविधियों का आयोजन</li> <li>2. मृदा स्वास्थ्य और संरचनाओं को बढ़ाने के तरीकों को बढ़ावा देना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. नियमित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण गतिविधियों का आयोजन</li> <li>2. मृदा स्वास्थ्य और संरचनाओं को बढ़ाने के तरीकों को बढ़ावा देना</li> </ol>

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

## लक्ष्य

<ol style="list-style-type: none"> <li>1. मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए किसानों और FPO की क्षमता निर्माण</li> <li>2. सोडिक मिट्टी से प्रभावित लगभग 6 हेक्टेयर<sup>42</sup> भूमि का सुधार।</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए किसानों और FPO की नियमित क्षमता निर्माण</li> <li>2. सोडिक मिट्टी से प्रभावित भूमि का सुधार।</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए किसानों और FPO की नियमित क्षमता निर्माण</li> <li>2. सोडिक मिट्टी से प्रभावित भूमि का सुधार।</li> </ol>
--	--	--

## अनुमानित लागत

आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार
---------------	---------------	---------------

41 <https://krishi.icar.gov.in/jspui/bitstream/123456789/49530/1/GAP-Bulletin.pdf>

42 ग्राम प्रधान से प्राप्त जानकारी के आधार पर

## वर्तमान में संचालित योजनाएं और कार्यक्रम

- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY), उ०प्र० बाजरा पुनरुद्धार कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना, मौसम आधारित फसल बीमा योजना, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना से धन और सब्सिडी के माध्यम से सूखा प्रबंधन और प्रूफिंग प्रक्रियाओं का समर्थन किया जा सकता है।
- फसल योजना और आपदा प्रबंधन को बढ़ाने के लिए मौसम सूचना नेटवर्क एवं डेटा सिस्टम (WINDS) कार्यक्रम के तहत स्वचालित मौसम स्टेशन स्थापित किए जा सकते हैं
  - » उत्तर प्रदेश सरकार ने WINDS कार्यक्रम के कार्यान्वयन की घोषणा की है, जिसके तहत प्रत्येक तहसील मुख्यालय में एक स्वचालित मौसम स्टेशन और प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम दो स्वचालित वर्षा मापी स्थापित किए जाएंगे।
- सूखारोधी गतिविधियों, नर्सरी और बीज बैंकों के निर्माण को मनरेगा के माध्यम से सुव्यवस्थित किया जा सकता है
- MGNREGA.
- जैविक खेती प्रथाओं को विभिन्न योजनाओं जैसे: परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना के अंतर्गत प्रदान की गई धनराशि और सब्सिडी के माध्यम से समर्थन दिया जा सकता है।
- किसानों के लिए तकनीकी और ज्ञान सहायता के साथ-साथ जैविक खेती प्रदर्शनों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय जैविक खेती केंद्रों (NCOF और RCOF), कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग के निकटतम जैविक खेती सेल के माध्यम से सक्षम किया जा सकता है।
- प्रौद्योगिकी उन्नयन और सतत खेती के लिए किसानों और एफपीओ के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहायता के लिए कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ATMA) का उपयोग किया जा सकता है।
- गौशाला निर्माण को उत्तर प्रदेश सरकार की निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना के तहत सहायता दी जा सकती है।
- कृषि रक्षा योजना विभिन्न पारिस्थितिक संसाधनों के माध्यम से कीट नियंत्रण और जैव-रसायनों के उपयोग को बढ़ावा देने में किसानों को सहायता करती है।
- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, उत्तर प्रदेश पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना और राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसी राज्य योजनाओं के माध्यम से पैरा-पशुचिकित्सक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का लाभ उठाया जा सकता है।

## वित्त के अन्य स्रोत

- फसल-उपरांत नुकसान को न्यूनतम करने के लिए शीत-भंडारण सुविधा की स्थापना एवं संचालन ('स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच' अनुभाग में उल्लिखित योजनाओं के अनुरूप)।
- जागरूकता बढ़ाना: जैविक खेती के तरीकों और लाभों, आवश्यक सुझाव, प्रदर्शन, सूचना और मार्गदर्शन के प्रासंगिक स्रोत, पंजीकरण प्रक्रिया, सत्यापन और प्रमाणन प्रक्रिया, बाजार लिंकेज और मौसम-आधारित सूचना सेवाओं आदि पर जानकारी।
- किसानों, FPO, SHG और समुदाय के अन्य सदस्यों को बीमा, विभिन्न योजनाओं के लाभ के साथ-साथ जैविक उर्वरकों को अपनाने, सूखारोधी कृषि और टिकाऊ पशुधन प्रबंधन, अंततः जैविक खेती में परिवर्तन सहित क्लाइमेट स्मार्ट कृषि प्रथाओं को लागू करने के तकनीकी पहलुओं के लिए मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करना।
- इसके अतिरिक्त, कोठीपुर में सतत कृषि में लगे किसानों, FPO, SHG और अन्य समुदाय के सदस्यों की क्षमता निर्माण क्षेत्र के तकनीकी विशेषज्ञों और संस्थानों, स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, CSO और कॉरपोरेट्स के सहयोग से किया जा सकता है।

## प्रमुख विभाग

- कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग भूमि संसाधन विभाग
- उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग
- एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र (CIPM)
- जल शक्ति विभाग
- पशुपालन विभाग
- भूमि संसाधन विभाग
- कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ATMA)
- क्षेत्रीय जैविक खेती केंद्र
- कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया



# 4

## सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन



### संदर्भ और मुद्दे

- ग्राम पंचायत में सभी घरेलू गतिविधियों (घरेलू, सार्वजनिक और अर्ध-सार्वजनिक स्थान, तथा वाणिज्यिक क्षेत्र) से उत्पन्न कुल अपशिष्ट<sup>43</sup> (लगभग 124 किलोग्राम प्रतिदिन है। इसमें से प्रतिदिन 72 किलोग्राम बायोडिग्रेडेबल/जैविक कचरा तथा 52 किलोग्राम गैर-बायोडिग्रेडेबल/अजैविक कचरा निकलता है।
- फ़ील्ड सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोठीपुर में अपशिष्ट संग्रहण, अलग करना और प्रभावी अपशिष्ट उपचार प्रणाली का अभाव है, जिसके कारण ग्राम पंचायत के अंदर और बाहर जल निकासी और खाली भूखंडों पर अपशिष्ट फेंका जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप जल निकास प्रदूषित हो जाते हैं, मानसून के दौरान नालियों के बंद होने के कारण जलभराव हो जाता है जिससे कई स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ जाते हैं।
- बड़ी मात्रा में कृषि और पशु अपशिष्ट भी अपशिष्ट प्रबंधन की समस्याओं को बढ़ा रहे हैं। ग्राम पंचायत में कुल पशुधन संख्या 300 है (जिसमें 60 गाय, 60 भैंस, 180 बकरियां शामिल हैं) और अनुमानित गोबर उत्पादन लगभग 2 टन प्रतिदिन है<sup>44</sup>, जिसे कोठीपुर में कम्पोस्ट, वर्मीकम्पोस्ट, प्राकृतिक उर्वरक उत्पादन और बायोगैस उत्पादन जैसे हस्तक्षेपों के माध्यम से स्थायी रूप से प्रबंधित किया जा सकता है।
- घरेलू शौचालय का कवरेज ~92% है। फ़ील्ड सर्वेक्षणों और समूह केंद्रित चर्चाओं ने ग्राम पंचायत में सार्वजनिक शौचालयों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इस पृष्ठभूमि के विरुद्ध, ग्राम पंचायत में 100% ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए निम्नलिखित समाधान प्रस्तावित हैं, जो इस प्रकार हैं।

43 आकलन पद्धति के लिए अनुलग्नक IV देखें

44 अनुमानित है कि गायें 10 किलोग्राम गोबर/दिन, भैंसें 15 किलोग्राम गोबर/दिन और बकरियां 150 ग्राम गोबर/दिन देती हैं





## अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की स्थापना

### चरण

### सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
<ol style="list-style-type: none"> <li>1 इलेक्ट्रिक वाहन एवं कचरा एकत्रित करने और उसके परिवहन कर्मचारी रखना :           <ul style="list-style-type: none"> <li>» घरों से लेकर ग्राम पंचायत- स्तर के भंडारण और पृथक्करण सुविधा तक</li> </ul> </li> <li>2. प्रमुख स्थानों (राशन की दुकान, सामुदायिक हॉल, बारात घर, दुकान, चाय की दुकानें आदि) पर कचरा संग्रहण हेतु कूड़ेदानों की स्थापना।</li> <li>3. पंचायत, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), अनौपचारिक कचरा बीनने वालों, स्थानीय स्क्रेप डीलरों, स्थानीय व्यवसायों और MSME के बीच साझेदारी स्थापित करना।</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. ग्राम पंचायत स्तरीय पृथक्करण और भंडारण सुविधा का रखरखाव</li> <li>2. रखे गए मौजूदा कूड़ादानों का रखरखाव और आवश्यकतानुसार अन्य विहित स्थानों पर अतिरिक्त कूड़ेदान रखना</li> <li>3. ग्राम पंचायत के अतिरिक्त अन्य गांवों/जिलों तक साझेदारी को बढ़ाना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. ग्राम पंचायत स्तरीय पृथक्करण और भंडारण सुविधा का रखरखाव</li> <li>2. रखे गए मौजूदा कूड़ेदानों का रखरखाव</li> <li>3. ग्राम पंचायत के अतिरिक्त अन्य गांवों/जिलों तक साझेदारी को बढ़ाना</li> </ol>

### लक्ष्य

<ol style="list-style-type: none"> <li>1. प्रतिदिन कचरा एकत्रित करने के लिए 1 इलेक्ट्रिक वाहन</li> <li>2. ग्राम पंचायत-स्तरीय अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत शामिल किए गए 305 घर (100%)</li> <li>3. रणनीतिक/चयनित स्थानों पर 40 कूड़ेदानों की स्थापना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. 10 कचरे के डिब्बे रखना</li> <li>2. मौजूदा सुविधाओं और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का रखरखाव</li> </ol>	मौजूदा सुविधाओं और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का रखरखाव
--	--	--

### अनुमानित लागत

<ol style="list-style-type: none"> <li>1. इलेक्ट्रिक वाहन = ₹1,00,000</li> <li>2. 40 अपशिष्ट डिब्बे/कंटेनर<sup>45</sup> = ₹6,00,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹7,00,000</p>	<p>10 कचरे के डिब्बे/कंटेनर = ₹1,50,000</p> <p>कुल लागत: ₹1,50,000</p>	आवश्यकतानुसार
---	--	---------------

45 जैसा कि HRVCA में उल्लेख किया गया है



## जैविक अपशिष्ट का सतत प्रबंधन

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> <li>मौजूदा नाडेप गड्डों की सफाई, रखरखाव और मरम्मत</li> <li>वर्मी कम्पोस्ट पिट का निर्माण</li> </ol>	वर्मीकम्पोस्टिंग और नाडेप कम्पोस्ट पिट का नियमित रखरखाव	मौजूदा अपशिष्ट प्रबंधन के बुनियादी ढांचे और प्रणाली का नियमित रखरखाव
लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> <li>मौजूदा नाडेप गड्डों की सफाई, रखरखाव और मरम्मत</li> <li>45 वर्मी कम्पोस्ट पिट<sup>46</sup> का निर्माण</li> </ol>	100% बायोडिग्रेडेबल / जैविक कचरे का उपचार किया गया	100% बायोडिग्रेडेबल / जैविक कचरे का उपचार किया गया
अनुमानित लागत	वर्मी-कम्पोस्ट पिट के निर्माण की लागत: ₹4,50,000		



## एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> <li>निम्नलिखित हेतु जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम: <ul style="list-style-type: none"> <li>ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (VWSC)</li> <li>छात्र एवं युवा समूह</li> <li>समुदाय के सदस्य एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान</li> </ul> </li> <li>भागीदारी मॉडल: "आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाना" अनुभाग में विस्तार से बताया गया है</li> </ol>	जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को बढ़ाया जाना	<ol style="list-style-type: none"> <li>जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन</li> <li>पिछले चरणों की सफलता का उपयोग कर इस पहल को निकटवर्ती ग्राम पंचायतों तक बढ़ाने हेतु मॉडल के रूप में किया जा सकता है</li> </ol>

46 जैसा कि HRVCA में उल्लेख किया गया है

## लक्ष्य

1. एकल उपयोग प्लास्टिक (SUP) पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध
2. प्लास्टिक के वैकल्पिक उत्पाद बनाने में 50 महिलाओं को जोड़ा जाना

1. एकल उपयोग प्लास्टिक (SUP) पर प्रतिबंध लगाए रखना
2. उपभोक्ता-व्यापी प्लास्टिक के उपयोग में कमी क्योंकि विकल्प आसानी से उपलब्ध हैं

1. एकल उपयोग प्लास्टिक (SUP) पर प्रतिबंध लगाए रखना
2. उपभोक्ता-व्यापी प्लास्टिक के उपयोग में कमी क्योंकि विकल्प आसानी से उपलब्ध हैं

## अनुमानित लागत

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार

## वर्तमान में संचालित योजनाएं और कार्यक्रम

- समुदाय आधारित खाद बनाने की सुविधाओं, अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण गड्डों, पृथक्करण एवं भंडारण शेड के निर्माण के लिए मनरेगा का उपयोग किया जा सकता है।
- बुनियादी ढांचे का विकास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को स्वच्छ भारत (ग्रामीण) मिशन के अंतर्गत पहलों द्वारा समर्थित किया जा सकता है।

## वित्त के अन्य स्रोत

- कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) निधीयन और पंचायत-निजी भागीदारी मॉडल (PPP) संयंत्र, पृथक्करण यार्ड, प्लास्टिक-वैकल्पिक उद्यम, विपणन, अपशिष्ट के परिवहन के लिए कचरे के परिवहन के ई-वाहनों की खरीद आदि जैसे बुनियादी ढांचे को विकसित और संचालित करने में मदद कर सकते हैं।
- इसके अलावा, प्लास्टिक के लिए वैकल्पिक उत्पादों के उत्पादन, खाद बनाने की प्रक्रियाओं में शामिल सभी हितधारकों की जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण बढ़ाने और व्यक्तिगत स्तर पर सतत उपभोग व्यवहार को बढ़ावा देने में सीएसआर समर्थन महत्वपूर्ण होगा।
- स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (SBM-G) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने हेतु, बद्ध और अनियोजित निधि सहित, ग्राम पंचायत के अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है।

## प्रमुख विभाग

- पंचायती राज विभाग
- चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- कृषि विभाग
- उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड

# 5

## स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच



### संदर्भ और मुद्दे

- कोठीपुर ग्राम पंचायत ने 2022-23 में लगभग 2,70,397 यूनिट बिजली की खपत की। हालांकि ग्राम पंचायत के 100% घरों में बिजली कनेक्शन है, लेकिन समुदाय के सदस्यों से मिली जानकारी के अनुसार बिजली की आपूर्ति 24\*7 नहीं है। ग्राम पंचायत में औसतन प्रतिदिन लगभग ~6 घंटे बिजली की कटौती<sup>47</sup> होती है।
- ग्राम पंचायत में 13 डीजल पंप हैं<sup>48</sup> जो सालाना 5 kL ईंधन की खपत करते हैं।
- अनेक घरों और सार्वजनिक उपयोगिताओं में फ्लोरोसेंट लैंप और सीएफएल (कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट) लाइटें तथा अन्य कम दक्षता वाले इलेक्ट्रिकल फिक्स्चर और उपकरण उपयोग किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत ने अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट (50 स्ट्रीटलाइट्स<sup>49</sup>) की आवश्यकता बतायी।
- 21<sup>50</sup> घरों में खाना पकाने के लिए उपलों और ईंधन की लकड़ी का उपयोग किया जाता है। आवासीय खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन विकल्पों की आवश्यकता है जिससे न केवल उत्सर्जन में कमी आएगी अपितु घरों के भीतर की वायु की गुणवत्ता में सुधार जैसे सह-लाभ भी मिलेंगे।
- तापमान में वृद्धि के साथ, घरों के भीतर का तापमान भी बढ़ रहा है और स्थायी स्पेस कूलिंग की आवश्यकता है।

ग्राम पंचायत की प्रमुख ऊर्जा संबंधी चिंताओं के आधार पर, केंद्र और राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू किए गए और साथ-साथ चल रहे कार्यक्रमों, जैसे कि प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली मुफ्त योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, उ.प्र. राज्य की सौर ऊर्जा नीति 2022, अन्य के संयोजन में, कोठीपुर में कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित समाधान प्रस्तावित हैं। सुझाई गई गतिविधियों का उद्देश्य ग्राम पंचायत में समुदायों के लिए स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इससे न केवल उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा अपितु ऊर्जा के उत्पादक उपयोग के माध्यम से आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

47 जैसा कि फ़ील्ड सर्वेक्षण में समुदाय द्वारा साझा किया गया है

48 फ़ील्ड सर्वेक्षण के दौरान समुदाय से प्राप्त जानकारी के आधार पर

49 ग्राम प्रधान से प्राप्त जानकारी के आधार पर

50 जैसा कि फ़ील्ड सर्वेक्षणों के दौरान बताया गया है



# सोलर रूफटॉप की स्थापना

चरण  
सुझाई गई जलवायु  
स्मार्ट गतिविधियाँ

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
PRI/सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर पैनलों की स्थापना (प्राथमिक विद्यालय, पूर्व-माध्यमिक विद्यालय, सामुदायिक हॉल, स्वास्थ्य उप-केंद्र और आंगनवाड़ी, अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र)	<ol style="list-style-type: none"> <li>पक्के घरों पर रूफटॉप सोलर पैनलों की स्थापना</li> <li>सभी नई इमारतों (चरण II के दौरान निर्मित) पर रूफटॉप सोलर पैनलों की स्थापना</li> <li>सोलर रूफटॉप का नियमित रखरखाव</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>पक्के घरों में रूफटॉप सोलर पैनलों की स्थापना को बढ़ाना</li> <li>सभी नई इमारतों (चरण III के दौरान निर्मित) पर रूफटॉप सोलर पैनलों की स्थापना</li> <li>सोलर रूफटॉप का नियमित रखरखाव</li> </ol>

<p>निम्नलिखित पर स्थापित किए गए सोलर रूफटॉप की क्षमता:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>प्राथमिक विद्यालय: 350 वर्ग मीटर का छत का क्षेत्रफल; 5 kWp</li> <li>पूर्व माध्यमिक विद्यालय: 280 वर्ग मीटर का छत का क्षेत्रफल; 5 kWp</li> <li>सामुदायिक केंद्र: 200 वर्ग मीटर का छत का क्षेत्रफल; 5 kWp</li> <li>उप-स्वास्थ्य केंद्र: 93 वर्ग मीटर छत का क्षेत्रफल; 5 kWp</li> <li>सामुदायिक शौचालय: 71 वर्ग मीटर का छत का क्षेत्रफल; 3 kWp</li> <li>आंगनवाड़ी: 55 वर्ग मीटर छत का क्षेत्रफल; 3 kWp</li> <li>अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र: 50 वर्ग मीटर का छत का क्षेत्रफल; 3 kWp</li> </ul> <p>इस चरण में स्थापित कुल सोलर रूफटॉप क्षमता: ~29 kWp<sup>51</sup></p> <p>बिजली उत्पादन क्षमता: ~ 38,837 kWh प्रति वर्ष (104 यूनिट प्रति दिन)</p> <p>GHG उत्सर्जन में कमी: 32 tCO<sub>2</sub>e प्रति वर्ष</p> <p>हाल ही में शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अति आवश्यक और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, कुछ घर भी छतों पर सोलर PV लगाने के इस चरण का हिस्सा बन सकते हैं।</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>~ 62 पक्के घरों (40% पक्के घर) की छतों पर सोलर पैनलों की स्थापना पक्के घरों के लिए सोलर रूफटॉप की क्षमता: ~ 130 वर्ग मीटर; 3 kWp इस चरण में स्थापित सोलर रूफटॉप क्षमता: ~186 kWp बिजली उत्पादन की क्षमता: ~ 2,49,091 kWh प्रति वर्ष (682 यूनिट प्रति दिन) रोक गया GHG उत्सर्जन: ~204 tCO<sub>2</sub>e प्रति वर्ष</li> <li>सोलर रूफटॉप का रखरखाव</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>शेष 94 पक्के मकानों (मौजूदा पक्के मकानों का 100%) की छतों पर सौर पैनल लगाना इस चरण में स्थापित सोलर रूफटॉप क्षमता: 282 kWp बिजली उत्पादन की क्षमता: ~ ~3,77,654<sup>52</sup> kWh प्रति वर्ष (13,208 यूनिट प्रति दिन) GHG उत्सर्जन में कमी: ~310 tCO<sub>2</sub>e प्रति वर्ष<sup>53</sup></li> <li>सोलर रूफटॉप का रखरखाव</li> </ol>
---	---	---

लक्ष्य

51 पंचायती राज भवनों के लिए कुल स्थापित क्षमता का लक्ष्य सांकेतिक है। ग्रिड से जुड़ी सोलर स्थापना प्रणाली की क्षमता मीटर से जुड़े लोड से अधिक नहीं हो सकती

52 यह बिजली उत्पादन ग्राम पंचायत की वर्तमान बिजली खपत से अधिक है।

53 उत्सर्जन में कमी से ग्राम पंचायत को कार्बन तटस्थता की ओर ले जाने में मदद मिलेगी।

## अनुमानित लागत

कुल लागत: ~₹14.50 लाख	लागत: ₹93,00,000 सांकेतिक सब्सिडी <sup>54</sup> : ~40% (राज्य + CFA) कुल लागत: ~₹55.80 लाख	लागत: ₹1,41,00,000 सांकेतिक सब्सिडी: ~40% (राज्य + केन्द्रीय सहायता CFA) कुल लागत: ~₹84.60 लाख
-----------------------	--	---



## एग्रो-फोटोवोल्टिक स्थापित करना

## चरण सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
किसानों, किसान समूहों आदि के बीच जागरूकता बढ़ाना	बागवानी सब्जियों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र पर एग्रो-फोटोवोल्टिक की स्थापना	बागवानी सब्जियों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में एग्रो-फोटोवोल्टिक की स्थापना का विस्तार करना

## लक्ष्य

किसानों के बीच कृषि-फोटोवोल्टिक पहल को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान और उन्मुखीकरण सत्रों का आयोजन	बागवानी के 2 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर एग्रो-फोटोवोल्टिक की स्थापना स्थापित क्षमता: 500 kWp (250 kWp प्रति हेक्टेयर)  बिजली उत्पादन: 6,70,000 kWh <sup>55</sup> प्रति वर्ष; 1,835 यूनिट प्रति दिन रोक गया GHG उत्सर्जन: 549 tCO <sub>2</sub> e प्रति वर्ष	बागवानी के 2 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर एग्रो-फोटोवोल्टिक की स्थापना स्थापित क्षमता: 500 kWp (250 kWp प्रति हेक्टेयर)  बिजली उत्पादन: 13,40,000 kWh प्रति वर्ष रोक गया GHG उत्सर्जन: 1,098 tCO <sub>2</sub> e प्रति वर्ष
---	--	---

## अनुमानित लागत

आवश्यकतानुसार	कुल लागत: ₹5 करोड़ <sup>56</sup>	कुल लागत: ₹5 करोड़
---------------	----------------------------------	--------------------

54 सब्सिडी परिवर्तनीय होती है और राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित विभिन्न मापदंडों के अनुसार बदलती रहती है। इसलिए, अनुमानित सब्सिडी की राशि पिछले रुझानों और औसत पर आधारित है और मौजूदा समय में सटीक नहीं हो सकती है।

55 यह खपत ग्राम पंचायत में खपत की गई बिजली से 2 गुना अधिक है।

56 प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, एग्रो-फोटोवोल्टिक की लागत कम हो रही है। हालाँकि, उच्चतर लागत का रूढ़िवादी अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा, यह माना गया है कि किसान बागवानी और इसी तरह की अन्य फसलों के लिए निर्धारित भूमि पर भी फसल चक्रण को अपनाते हैं। इसलिए, बागवानी के अंतर्गत उपलब्ध भूमि का केवल एक प्रतिशत ही एग्रो-फोटोवोल्टिक की स्थापना के लिए ध्यान में रखा गया है।



## सोलर पंप

चरण

I

2024-25 से 2026-27

II

2027-28 से 2029-30

III

2030-31 से 2034-35

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

ग्राम पंचायत में मौजूदा 4 डीजल पंप सेटों को सोलर पंपों से बदला जाना\*  
\*यदि सौर पंप संभव नहीं हैं, तो ऊर्जा कुशल पंप (ईईएसएल द्वारा किसान ऊर्जा दक्ष पंप) पर विचार किया जा सकता है।

मौजूदा ग्रिड से जुड़े विद्युत पंपों का सौर्यीकरण किया जाना

सभी नये पंप सोलर पंप/EESL पंप होंगे

लक्ष्य

वर्तमान में स्थापित 4 मौजूदा डीजल पंप सेटों को सौर पंपों से बदला जाना  
स्थापित क्षमता : ~71.5 kW बिजली उत्पादन क्षमता:  
~95,752 kWh प्रति वर्ष  
डीजल की खपत में कमी: 5,070 लीटर/वर्ष  
GHG उत्सर्जन में कमी: 13.65 tCO<sub>2</sub>e प्रति वर्ष

8 ग्रिड से जुड़े विद्युत पंपों का सौर्यीकरण किया जाना

आवश्यकता के अनुसार क्षमता

अनुमानित लागत

कुल लागत: ₹52 लाख

कुल लागत: ₹24 लाख - ₹40 लाख

आवश्यकतानुसार



## रसोई में स्वच्छ ईंधन का उपयोग

चरण

I

2024-25 से 2026-27

II

2027-28 से 2029-30

III

2030-31 से 2034-35

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

परिदृश्य 1: घरेलू बायोगैस + रसोई गैस (LPG)  
परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + रसोई गैस (LPG)  
परिदृश्य 3: सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + उन्नत चूल्हे + रसोई गैस (LPG)

परिदृश्य 1: घरेलू बायोगैस + रसोई गैस (LPG)  
परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + रसोई गैस (LPG)  
परिदृश्य 3: सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + उन्नत चूल्हे + रसोई गैस (LPG)  
सभी नए घरेलू निर्माण में उन्नत चूल्हे/सोलर-पावर्ड कुकस्टोव और/ या घरेलू बायोगैस प्लांट शामिल हैं

परिदृश्य 1: घरेलू बायोगैस + रसोई गैस (LPG)  
परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + रसोई गैस (LPG)  
परिदृश्य 3: सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + उन्नत चूल्हे + रसोई गैस (LPG)  
सभी नए घरेलू निर्माण में उन्नत चूल्हे/सोलर-पावर्ड कुकस्टोव और/ या घरेलू बायोगैस प्लांट शामिल हैं



## लक्ष्य

परिदृश्य 1: 26 घर बायोगैस संयंत्रों का उपयोग करते हैं (25% घर जिनके पास मवेशी हैं) + 279 घर रसोई गैस (LPG) का उपयोग करते हैं

परिदृश्य 2: 4 घर सौर ऊर्जा से चलने वाले इंडक्शन कुकस्टोव्स (शीर्ष आय समूहों में 25% परिवार) का उपयोग करते हैं + 301 परिवार एलपीजी का उपयोग करते हैं

परिदृश्य 3: 4 परिवार सौर ऊर्जा से चलने वाले इंडक्शन कुकवेयर का उपयोग करते हैं (उच्च आय वर्ग के 25% परिवार) + 22 परिवार उन्नत चूल्हे का उपयोग करते हैं (50% परिवार वर्तमान में बायोमास का उपयोग करते हैं) + 279 परिवार रसोई गैस (LPG) का उपयोग करते हैं

परिदृश्य 1: 26 और घर बायोगैस संयंत्रों का उपयोग करते हैं (कुल 50% घर) + 253 घर रसोई गैस (LPG) का उपयोग करते हैं 91

परिदृश्य 2: 4 और घर सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव का उपयोग करते हैं (अतिरिक्त 25% घर शीर्ष आय वर्ग में हैं) + 297 घर रसोई गैस (LPG) का उपयोग करते हैं

परिदृश्य 3: 4 और घर सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन चूल्हों का उपयोग करते हैं (अतिरिक्त 25% घर शीर्ष आय वर्ग में हैं) + 23 घर उन्नत चूल्हे का उपयोग करते हैं (बाकी 50% घर जो वर्तमान में बायोमास का उपयोग करते हैं) + 253 घर रसोई गैस (LPG) का उपयोग करते हैं

परिदृश्य 1: अतिरिक्त 53 परिवार बायोगैस संयंत्र का उपयोग करते हैं (100% परिवारों में मवेशी हैं) + 253 परिवार रसोई गैस (LPG) का उपयोग करते हैं

परिदृश्य 2: 7 और परिवार सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव का उपयोग करते हैं (100% घर शीर्ष आय वर्ग में हैं) + 290 घर रसोई गैस (LPG) का उपयोग करते हैं

परिदृश्य 3: 7 और परिवार सौर ऊर्जा संचालित इंडक्शन कुकस्टोव का उपयोग करते हैं (100% घर शीर्ष आय वर्ग में हैं) + 45 घर पहले से ही उन्नत चूल्हों का उपयोग कर रहे हैं (जैसा कि चरण II में है) + 253 घर रसोई गैस (LPG) का उपयोग करते हैं

## अनुमानित लागत

परिदृश्य 1: बायोगैस संयंत्र के लिए ₹13,00,000 (2 से 3 m<sup>3</sup> बायोगैस संयंत्र के लिए ₹50,000)

परिदृश्य 2: सोलर इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹1,80,000 (बिना बैटरी वाले 1 डबल बर्नर सोलर कुकस्टोव के लिए 45,000 रुपये)

परिदृश्य 3: ₹1,80,000 + ₹66,000 (1 उन्नत चूल्हे @ ₹3,000)

सभी परिदृश्यों में औसत लागत: ~₹5,75,500

परिदृश्य 1: बायोगैस संयंत्र के लिए ₹13,00,000

परिदृश्य 2: सोलर इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹18,90,000

परिदृश्य 3: ₹1,80,000 + 69,000

सभी परिदृश्यों में औसत लागत: ~₹5,76,500

परिदृश्य 1: बायोगैस प्लांट के लिए ₹26,50,000

परिदृश्य 2: सोलर इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹3,15,000

परिदृश्य 3: ₹3,15,000 + ₹1,35,000

सभी परिदृश्यों में औसत लागत: ₹11,39,000





# ऊर्जा कुशल फिक्चर्स

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

लक्ष्य

अनुमानित लागत

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
चरण	<ol style="list-style-type: none"> <li>सभी पंचायती राज संस्थाओं/सरकारी भवनों में सभी लाइट फिक्चर और पंखों को ऊर्जा कुशल फिक्चर से बदला जाना</li> <li>ग्राम पंचायत के प्रत्येक घर में कम से कम 1 फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइट को एलईडी ट्यूब लाइट से बदला जाना</li> <li>निवासियों को अन्य घरेलू उपकरणों को ऊर्जा कुशल उपकरणों (BEE द्वारा 4-5 स्टार रेटेड) में अपग्रेड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>घरों में फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइटों की जगह एलईडी ट्यूब लाइटों का उपयोग बढ़ाना</li> <li>घरों में 1 पारंपरिक पंखे को ऊर्जा कुशल पंखे से बदला जाना</li> <li>निवासियों को अन्य घरेलू उपकरणों को ऊर्जा कुशल उपकरणों (BEE द्वारा 4-5 स्टार रेटेड) में अपग्रेड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना</li> </ol>	घरों में पारंपरिक पंखों की जगह ऊर्जा कुशल पंखों का उपयोग बढ़ाना
लक्ष्य	<ol style="list-style-type: none"> <li>सभी पंचायती राज संस्थाओं/सरकारी भवनों में मौजूदा 100% फिक्चर्स को एलईडी ट्यूब लाइट और ऊर्जा कुशल पंखों से बदलना।</li> <li>सभी घरों में 70 मौजूदा ट्यूब लाइटों को एलईडी ट्यूब लाइटों<sup>57</sup> (प्रति परिवार 1) और 160 सीएफएल बल्बों को LED बल्बों से बदलना (प्रति परिवार 1) से बदलना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>सभी घरों में अतिरिक्त 20 मौजूदा ट्यूब लाइटों को एलईडी ट्यूब लाइटों (प्रत्येक घर में 1 LED ट्यूब लाइट) और 20 सीएफएल बल्बों को एलईडी बल्बों से बदलना (100% सीएफएल बल्बों को LED बल्बों से बदलना) से बदलना</li> <li>सभी (100%) घरों में 270 ऊर्जा कुशल पंखों को बदलना (प्रत्येक घर में 1)</li> </ol>	सभी (100%) घरों में अतिरिक्त 90 ऊर्जा कुशल पंखे (100% पंखे ऊर्जा कुशल पंखों में बदला जाना ) लगाए जाना
अनुमानित लागत	एलईडी ट्यूब लाइट की लागत: ₹15,400 एलईडी बल्ब की लागत: ₹11,200 कुल लागत: ₹62,600	एलईडी ट्यूब लाइटों की लागत: ₹4,400 एलईडी बल्ब की लागत: ₹1,400 ऊर्जा कुशल पंखों की लागत: ₹2,99,700 कुल लागत: ₹3,05,500	ऊर्जा कुशल पंखों की लागत: ₹99,900 कुल लागत: ₹99,900

57 फ्रील्ड सर्वेक्षण के दौरान ग्राम पंचायत से प्राप्त जानकारी और ग्राम प्रधान के साथ आगे की चर्चा के आधार पर



# सोलर स्ट्रीटलाइट्स

## चरण

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	<ol style="list-style-type: none"> <li>मौजूदा सीएफएल स्ट्रीट लाइट को सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइट से बदलना</li> <li>सड़क के किनारे, सार्वजनिक स्थानों और अन्य प्रमुख स्थानों पर 50 सोलर एलईडी स्ट्रीटलाइटें लगाना<sup>58</sup></li> <li>प्रमुख स्थानों पर सोलर हाई-मास्ट स्ट्रीट लाइटों की स्थापना</li> <li>मौजूदा स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव और मरम्मत (आवश्यकतानुसार)</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>नई सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना</li> <li>मौजूदा स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव और मरम्मत (आवश्यकतानुसार)</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>अतिरिक्त एलईडी स्ट्रीट लाइटों को सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइटों से परिवर्तित किया जाना</li> <li>आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सोलर एलईडी हाई मास्ट स्ट्रीट लाइटों की स्थापना</li> <li>मौजूदा स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव और मरम्मत (आवश्यकतानुसार)</li> </ol>

## लक्ष्य

<ol style="list-style-type: none"> <li>मौजूदा 15 सीएफएल स्ट्रीट लाइट को सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइट से परिवर्तित करना</li> <li>5 सोलर हाई मास्ट स्ट्रीट लाइट स्थापित करना</li> <li>सड़कों और रास्तों के किनारे 50 सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाना<sup>59</sup></li> </ol>	अतिरिक्त सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइट स्थापित करना (आवश्यकतानुसार)	<ol style="list-style-type: none"> <li>आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सोलर एलईडी स्ट्रीटलाइटों की स्थापित</li> <li>आवश्यकतानुसार अतिरिक्त हाई-मास्ट सोलर एलईडी स्ट्रीटलाइटों की स्थापित</li> </ol>
---	---	--

## अनुमानित लागत

<ol style="list-style-type: none"> <li>15 सीएफएल स्ट्रीटलाइट्स को सोलर एलईडी स्ट्रीटलाइट्स में बदलना: ₹1,50,000</li> <li>50 एलईडी स्ट्रीटलाइट लगाने की लागत: ₹5,00,000</li> <li>हाई-मास्ट सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइट्स: ₹2,50,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹9 लाख</p>	आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार
---	---------------	---------------

58 फ्रील्ड सर्वेक्षण के दौरान ग्राम पंचायत से प्राप्त जानकारी और ग्राम प्रधान के साथ आगे की चर्चा के आधार पर

59 फ्रील्ड सर्वेक्षण के दौरान ग्राम पंचायत से प्राप्त जानकारी और ग्राम प्रधान के साथ आगे की चर्चा के आधार पर

## वर्तमान में संचालित योजनाएं और कार्यक्रम

- उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2022<sup>60</sup> निम्नलिखित प्रदान करती है:
  - » आवासीय क्षेत्र में सोलर लगाने पर सब्सिडी: MNRE द्वारा केन्द्रीय वित्तीय सहायता के अतिरिक्त प्रति उपभोक्ता ₹15,000/kW से अधिकतम सीमा ₹30,000/- तक।
  - » संस्थानों में स्वयं के द्वारा अथवा संयंत्र की लागत का 3% परामर्श शुल्क के साथ UPNEDA के परामर्श से RESCO<sup>61</sup> मोड में सोलर लगाने का प्रावधान।
- ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफटॉप प्रोग्राम के माध्यम से MNRE द्वारा केन्द्रीय वित्तीय सहायता
  - » 3 किलोवाट क्षमता तक के RTS सिस्टम के लिए 40 प्रतिशत तक CFA दिया जाएगा। 3 किलोवाट से अधिक और 10 किलोवाट तक की क्षमता वाली RTS प्रणालियों के लिए, 40% का CFA केवल प्रथम 3 किलोवाट क्षमता के लिए लागू होगा तथा 3 किलोवाट से अधिक (10 किलोवाट तक) क्षमता के लिए CFA 20% तक सीमित होगा।
  - » ग्रुप हाउसिंग सोसायटी/आवासीय कल्याण संघों (GHS/RWA) के लिए आम सुविधाओं को बिजली की आपूर्ति के लिए RTS संयंत्र की स्थापना हेतु CFA 20 प्रतिशत तक सीमित रहेगा। GHS/ RWA के लिए CFA हेतु पात्र क्षमता प्रति घर 10 किलोवाट तक सीमित होगी तथा कुल 500 किलोवाट से अधिक नहीं होगी।
  - » गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना<sup>62</sup> के माध्यम से सोलर रूफटॉप लगाया जा सकता है। यह योजना 2 किलोवाट क्षमता वाली प्रणालियों के लिए प्रणाली लागत का 60% तथा 2 से 3 किलोवाट क्षमता वाली प्रणालियों के लिए अतिरिक्त प्रणाली लागत का 40% CFA प्रदान करती है। केन्द्रीय वित्तीय सहायता (CFA) की अधिकतम सीमा 3 किलोवाट होगी। मौजूदा बेंचमार्क कीमतों पर, इसका मतलब होगा कि 1 किलोवाट सिस्टम के लिए 30,000 रुपये की सब्सिडी, 2 किलोवाट सिस्टम के लिए 60,000 रुपये की सब्सिडी और 3 किलोवाट सिस्टम या उससे अधिक के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी।
- प्रधानमंत्री कुसुम योजना निम्नलिखित प्रदान करती है:
  - » प्रधानमंत्री कुसुम योजना का घटक A, कृषि भूमि पर 500 किलोवाट और बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित करने को बढ़ावा देता है।
  - » प्रधानमंत्री कुसुम योजना के घटक B और C के तहत, केंद्र और राज्य सरकार प्रति पंप के आधार पर 30 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान करेगी। किसानों को केवल 10% की अग्रिम राशि का भुगतान करना होगा तथा शेष राशि बैंक को किश्तों में दी जा सकेगी।
- प्रधानमंत्री कुसुम योजना में उत्तर प्रदेश सरकार का योगदान:
  - » घटक C -1 के तहत: किसानों को 60 प्रतिशत तक की सब्सिडी (अनुसूचित जनजाति, वनटांगिया और मुसहर जाति के किसानों को 70 प्रतिशत सब्सिडी) के साथ स्थापित ऑन-ग्रिड पंपों का सोलराइजेशन; यह MNRE की प्रधानमंत्री कुसुम योजना के माध्यम से केंद्र सरकार के माध्यम से उपलब्ध सब्सिडी के अतिरिक्त है।
  - » घटक सी-2 के अंतर्गत: राज्य सरकार द्वारा पृथक कृषि फीडर्स का सौरीकरण, MNRE की पीएम कुसुम योजना के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सब्सिडी के अतिरिक्त 50 लाख रुपये प्रति मेगावाट की व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) प्रदान करना
- ग्राम पंचायतों में एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग की योजनाएं<sup>63</sup>:
  - » EESL पारंपरिक स्ट्रीट लाइटों को अपनी स्वयं की लागत पर एलईडी स्ट्रीट लाइटों से बदलता है और 7 वर्षों तक एलईडी बल्बों का मुफ्त प्रतिस्थापन और रखरखाव करता है।
  - » अटल ज्योति योजना और MNRE सोलर स्ट्रीटलाइट कार्यक्रम 12 वाट की एलईडी और 3 दिनों की बैटरी बैक-अप के साथ सोलर स्ट्रीट लाइटों को लगाने हेतु सब्सिडी प्रदान करते हैं।
- ग्राम उजाला योजना<sup>64</sup>:
  - » ₹10 प्रति बल्ब की कम कीमत पर एलईडी बल्ब उपलब्ध हैं।

60 [https://invest.up.gov.in/wp-content/uploads/2023/02/Uttar\\_Pradesh\\_Solar\\_Energy\\_Policy\\_2022.pdf](https://invest.up.gov.in/wp-content/uploads/2023/02/Uttar_Pradesh_Solar_Energy_Policy_2022.pdf)

61 तृतीय पक्ष (रेस्को मोड) (नवीकरणीय योग्य ऊर्जा आपूर्ति कंपनी)

62 <https://pmsuryaghar.gov.in/>

63 EESL द्वारा स्ट्रीट लाइटिंग राष्ट्रीय कार्यक्रम। <https://eeslindia.org/en/oursInp/>

64 ग्राम उजाला योजना ग्रामीण क्षेत्रों में एक करोड़ एलईडी बल्ब वितरित करती है (फरवरी 2023), PIB <https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1897767>

- » ग्रामीण ग्राहकों को काम कर रहे इंकेंडिसेंट बल्बों के बदले में तीन साल की वारंटी के साथ 7-वाट और 12-वाट के एलईडी बल्ब दिए जाएंगे।
- कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के लिए सब्सिडी:
  - » परियोजना लागत का 35% क्रेडिट लिंक्ड बैंक एंडेड सब्सिडी के रूप में सरकारी सहायता 2 योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध है:
    - a. कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग (DAC&FW) एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) कार्यान्वित कर रहा है।
    - b. राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB) बागवानी के उत्पादों के लिए कोल्ड स्टोरेज और स्टोरेज के निर्माण/विस्तार/आधुनिकीकरण के लिए पूंजीगत निवेश सब्सिडी "नामक योजना कार्यान्वित कर रहा है
  - » प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना के अंतर्गत, एकीकृत शीत श्रृंखला मूल्य<sup>65</sup> संवर्धन और संरक्षण अवसंरचना घटक के तहत 35% की दर से अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जो गैर-बागवानी, बागवानी, डेयरी, मांस और मुर्गीपालन के वितरण को सुविधा-जनक बनाने के लिए संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला के साथ अवसंरचना सुविधा के सृजन के लिए प्राप्त की जा सकती है। यह योजना कृषि स्तर पर कोल्ड चेन के बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष जोर देने के साथ-साथ परियोजना नियोजन में लचीलेपन की अनुमति देती है।
- EESL ने कार्बन फाइनेंसिंग का लाभ उठाकर सौर ऊर्जा आधारित इंडक्शन कुकिंग समाधान हेतु बाजार आधारित हस्तक्षेपों को शुरू करने की योजना बनाई है
- 15वें वित्त आयोग और स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (SBM-G) के अंतर्गत गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से धन का लाभ उठाना।
  - » SBM-G के अंतर्गत गोबरधन योजना क्लस्टर/सामुदायिक स्तर पर बायोगैस संयंत्रों की स्थापना के लिए 2020-21 से 2024-25 की अवधि के लिए प्रति जिला 50.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।<sup>66</sup>
- उत्तर प्रदेश जैव-ऊर्जा नीति 2022<sup>67</sup> गोबरधन योजना के अंतर्गत भारत सरकार से उपलब्ध प्रोत्साहन के अतिरिक्त CBG संयंत्रों को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है:
  - » कंप्रेसड बायोगैस (CBG) उत्पादन संयंत्र की स्थापित करने पर ₹75 लाख प्रति टन से अधिकतम ₹20 करोड़ तक का प्रोत्साहन (CBG) उत्पादन संयंत्र
  - » विकास प्राधिकरणों द्वारा प्रभारित विकास शुल्क पर छूट
  - » स्टांप ड्यूटी और इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी पर 100 प्रतिशत की छूट
- MNRE ने राष्ट्रीय जैव-ऊर्जा कार्यक्रम के अन्तर्गत अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने का (WTE) कार्यक्रम क्रियान्वित किया है:
  - » यह कार्यक्रम शहरी, औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट से बायोगैस के उत्पादन के लिए संयंत्रों की स्थापना का समर्थन करता है
  - » बायोगैस उत्पादन के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता ₹0.25 करोड़ प्रति 12000 m<sup>3</sup>/दिन<sup>68</sup> है

## वित्त के अन्य स्रोत

- सोलर रूफटॉप, सोलर पंप आदि की खरीद हेतु ऋण के लिए स्थानीय बैंकों, सूक्ष्म वित्त संस्थानों और सहकारी बैंकों के साथ टाई अप करना
- एग्रो-फोटोवोल्टिक के लिए सोलर डेवलपर्स के साथ साझेदारी करने का प्रयास करना
- CSR निधियों का उपयोग निम्नलिखित के लिया जा सकता है:
  - » सूक्ष्म-वित्त संस्थानों द्वारा दी जाने वाली निधि के समान परिक्रामी निधि मॉडल के माध्यम से योजना/कार्यक्रम सब्सिडी के अतिरिक्त सोलर रूफटॉप/एग्रो-फोटोवोल्टिक/सोलर पंप की स्थापना हेतु पूंजीगत लागत को कवर करना
  - » ग्राम पंचायत में अपनाई गई विभिन्न स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के लिए ग्राम समुदाय के सदस्यों/SHG के सदस्यों को " संचालन एवं रखरखाव " का प्रशिक्षण प्रदान करना

65 यानी फार्म स्तर पर प्री-कूलिंग, वजन करना, छंटई, ग्रेडिंग, वैक्सिंग सुविधाएं, बहु उत्पाद/बहु तापमान वाला कोल्ड स्टोरेज, CA स्टोरेज, पैकिंग सुविधा, IQF, वितरण केंद्र और रीफर वैन में ब्लास्ट फ्रीजिंग, मोबाइल कूलिंग यूनिट्स

66 <https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1883926>

67 <https://invest.up.gov.in/bio-energy-enterprises-promotion-programme-2022/>

68 <https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1896067>

- » रूफटॉप सोलर (उत्तर प्रदेश सौर नीति, 2022) और सौर सिंचाई (प्रधानमंत्री-कुसुम, उत्तर प्रदेश सौर सिंचाई योजना) को बढ़ावा देने वाली वर्तमान सरकारी योजनाओं/ कार्यक्रमों पर जागरूकता अभियान का आयोजन करना

## प्रमुख विभाग

- उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (UPNEDA)
- उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)
- दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- कृषि विभाग
- शिक्षा विभाग

# 6

## सतत और उन्नत गतिशीलता



### संदर्भ और मुद्दे

- कोठीपुर में कुल 160 आंतरिक दहन इंजन (ICE) वाहन हैं; 130 दोपहिया, 20 कार, 4 ट्रैक्टर और 3 मिनी ट्रक
- इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत में 10 ई-रिक्शा हैं।
- कृषि उपज/माल के परिवहन के लिए किसानों द्वारा छोटे हाथी (मिनी ट्रक) या ट्रैक्टर का उपयोग किया जाता है। जिन किसानों के पास ऐसे वाहन नहीं हैं, वे पड़ोसी किसानों से इन्हें किराये पर लेते हैं।
- ICE वाहनों द्वारा कुल ईंधन की खपत ~52 किलो लीटर (kL) डीजल और ~38 किलोलीटर पेट्रोल प्रति वर्ष है। कुल मिलाकर, परिवहन क्षेत्र में खपत होने वाले ईंधन के कारण ~241 tCO<sub>2</sub>e का उत्सर्जन हुआ है।<sup>69</sup>
- इसलिए, परिवहन अवसंरचना को बेहतर बनाने और ई-मोबिलिटी समाधानों की ओर बदलाव की पहल करने की काफी संभावना है।

इसके अतिरिक्त, फ़ील्ड सर्वेक्षण से पता चलता है कि ग्राम पंचायत के अंदर और बाहर सड़कों के कई हिस्से जलभराव से प्रभावित हैं और उन्हें ऊंचा करने की आवश्यकता है



### मौजूदा सड़क के बुनियादी ढांचे को बेतहर करना

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
	ग्राम पंचायत के अंतर्गत की आंतरिक सड़कों को ऊंचा करना तथा RCC/इंटरलॉकिंग कार्य।	आवश्यक होने पर सड़क के बुनियादी ढांचे का रखरखाव और मरम्मत	यदि आवश्यक हो तो सड़क के बुनियादी ढांचे और मरम्मत का निरंतर रखरखाव

69 फ़ील्ड सर्वेक्षण के दौरान समुदाय से प्राप्त जानकारी के आधार पर

लक्ष्य

800 मीटर आंतरिक सड़कों के लिए सड़क की ऊंचाई और आरसीसी/इंटर - लॉकिंग<sup>70</sup>

सड़कों का नियमित और समय पर रखरखाव/मरम्मत

सड़कों का नियमित और समय पर रखरखाव/मरम्मत

अनुमानित लागत

सड़क को ऊंचा करना सड़क RCC/ इंटरलॉकिंग: ₹40,000

आवश्यकतानुसार लागत

आवश्यकतानुसार लागत



## मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन

चरण

I

2024-25 से 2026-27

II

2027-28 से 2029-30

III

2030-31 से 2034-35

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ

पंचायत के अंतिम छोर तक आवागमन सुधारने के लिए ई-ऑटोरिक्षा की खरीद

बेड़े में और अधिक ई-ऑटोरिक्षा को सम्मिलित करना

अतिरिक्त ई-ऑटोरिक्षा को सम्मिलित करना

लक्ष्य

बेड़े में 10 ई-ऑटोरिक्षा सम्मिलित

बेड़े में अतिरिक्त ई-ऑटोरिक्षा सम्मिलित (आवश्यकतानुसार)

बेड़े में अतिरिक्त ई-ऑटोरिक्षा सम्मिलित (आवश्यकतानुसार)

अनुमानित लागत

10 ई-ऑटोरिक्षा की लागत: ₹30,00,000  
सांकेतिक सब्सिडी<sup>71</sup> : ₹12,000 तक प्रति वाहन  
» 10 ई-ऑटोरिक्षा की प्रभावी कीमत: ₹28,80,000

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार

70 ग्राम प्रधान द्वारा टेलीफोन पर चर्चा के दौरान दी गई जानकारी के आधार पर

71 ई-ऑटोरिक्षा की कीमत ₹1,50,000 से ₹4,00,000 या इससे अधिक तक होती है, जो कॉन्फिगरेशन, बैटरी के प्रकार आदि पर निर्भर करती है। ई-ऑटोरिक्षा की कीमत प्राइस बैंड के मध्य में मानी जाती है, जिसमें मुख्य रूप से परोपकारी संस्थाओं और अन्य फंडिंग एजेंसियों से संभावित सब्सिडी/अनुदान, प्रारंभिक पूंजी/व्यवहार्यता अंतर निधि को ध्यान में रखा जाता है।





## ई-वाहन और ई-ट्रैक्टर

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ	<ol style="list-style-type: none"> <li>डीजल ट्रैक्टरों और माल परिवहक वाहनों के इलेक्ट्रिक विकल्प को बढ़ावा देना</li> <li>उपयोगकर्ता समूहों (किसानों/लॉजिस्टिक्स मालिकों/उद्यमियों) को ICE वाहनों की तुलना में ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभ के लिए संवेदित/जागरूक करना</li> <li>ई-ट्रैक्टर और ई-माल वाहनों को किराए पर लेने की सुविधा उपलब्ध करना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभों के साथ-साथ उनके लिए उपलब्ध कार्यक्रमों और योजनाओं के प्रति विभिन्न समूहों को नियमित रूप से जागरूक करना</li> <li>मौजूदा ई-माल वाहकों और ई-ट्रैक्टरों का रखरखाव और मरम्मत</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभों के साथ-साथ उनके लाभ के लिए उपलब्ध कार्यक्रमों और योजनाओं के प्रति विभिन्न समूहों को नियमित रूप से जागरूक करना</li> <li>मौजूदा ई-माल वाहकों और ई-ट्रैक्टरों का रखरखाव और मरम्मत</li> </ol>
लक्ष्य	कुल 5 ई-ट्रैक्टर और 5 ई-माल वाहक खरीदा जाना	आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त	आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त ई-वाहन और ई-ट्रैक्टर की खरीद
अनुमानित लागत	<ol style="list-style-type: none"> <li>5 ई-ट्रैक्टर की लागत: ₹ 30,00,000</li> <li>5 ई-व्यावसायिक वाहन: ₹25,00,000 – ₹50,00,000</li> </ol> कुल लागत: ₹55 लाख – ₹85 लाख	आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार

## वर्तमान में संचालित योजनाएं और कार्यक्रम

- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और MGNREGS की सहायता से सड़क के बुनियादी ढांचे की मरम्मत की जा सकती है और उसे बेहतर बनाया जा सकता है
- उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और गतिशीलता नीति, 2022 में प्रावधान है:
  - खरीदारों के लिए 100% पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में छूट (पॉलिसी अवधि के दौरान)
  - 1 वर्ष की अवधि में डीलरों के माध्यम से खरीदारों को (एक बार) प्रारंभिक खरीदने वाले के प्रोत्साहन के रूप में खरीद सब्सिडी<sup>72</sup> - ई-माल वाहक: प्रति वाहन ₹1,00,000 तक एक्स-फैक्ट्री लागत का 10%; 2-व्हीलर EV: @एक्स-फैक्ट्री लागत का 15% प्रति वाहन ₹5000 तक; 3-व्हीलर EV: @एक्स-फैक्ट्री लागत का 15% प्रति वाहन ₹12,000 तक।
- भारत चरण II (FAME II) योजना में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण के तहत ई-रिक्शा के लिए सब्सिडी का लाभ भी उठाया जा सकता है।

<sup>72</sup> सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सब्सिडी, लाभार्थियों की मात्रा और संख्या दोनों के आधार पर समय-समय पर बदलती रहती है। इसलिए, इस योजना के किसी भी अनुभाग में बतायी गई सब्सिडी केवल सांकेतिक है, और खरीद के समय इसकी पुष्टि की जानी आवश्यक है।

- ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए सब्सिडी का लाभ “गो इलेक्ट्रिक” अभियान के तहत लिया जा सकता है और निजी-पंचायत भागीदारी (PPP) के माध्यम से इसका विस्तार किया जा सकता है।
- राज्य में पहले 2,000 चार्जिंग स्टेशनों को सेवा प्रदाताओं के लिए पात्र निश्चित पूंजी निवेश पर 20% की दर से एकमुश्त पूंजी सब्सिडी प्रदान की जाएगी, जो अधिकतम 10 लाख रुपये प्रति यूनिट होगी।

## वित्त के अन्य स्रोत

- ग्राम पंचायत का रिसोर्स एनवलप और OSR
- सीएसआर समर्थन के साथ बैंकों एवं सूक्ष्म वित्त संस्थानों से ऋण।

## प्रमुख विभाग

- अवसंरचना एवं औद्योगिक विकास विभाग
- परिवहन विभाग
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय योग्य ऊर्जा विकास एजेंसी (UPNEDA)

# 7

## आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाना



कोठीपुर में लगभग 67 प्रतिशत परिवार कृषि और पशुपालन में संलग्न हैं। बदलती जलवायु और अस्थिर उत्पादन प्रथाओं के कारण पशुपालन तथा कृषि दोनों क्षेत्र आजीविका असुरक्षा से भरे हुए हैं। इसलिए, आबादी के एक बड़े हिस्से की आजीविका अनिश्चित है। ग्राम पंचायत में आय के अन्य प्रमुख स्रोत गैर-कृषि मजदूरी/स्थानीय व्यवसाय/दुकानें/कला और हस्तशिल्प हैं। पिछले 5 वर्षों में, लगभग 101 लोग बेहतर आजीविका की तलाश में ग्राम पंचायत से पलायन कर गए हैं।

वर्तमान में, बतायी गई गतिविधियों के अतिरिक्त, ग्राम पंचायत के भीतर नौकरियों के अवसर सीमित हैं। इस कार्ययोजना में उल्लिखित गतिविधियां आने वाले वर्षों में नए व्यवसायों और रोजगार के अवसरों के लिए कई अवसर प्रदान करेगी। इनके बारे में निम्नलिखित तालिका में विस्तारपूर्वक बताया गया है:



### सतत उत्पादों के उत्पादन में पहले से मौजूद स्वयं सहायता समूहों को जोड़ना

#### गतिविधियाँ

1. चावल की भूसी, गेहूं की भूसी, धान के भूसे जैसे कृषि कचरे से डिस्पोजेबल कटलरी के प्लास्टिक विकल्प के निर्माण में महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को शामिल करना
2. पंचायत, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमियों के बीच साझेदारी मॉडल की स्थापना
3. निम्नलिखित के लिए क्षमता निर्माण:
  - a. उत्पाद श्रृंखला का विविधीकरण
  - b. ग्राम पंचायत के भीतर और बाहर उत्पादों का विपणन/बिक्री

#### लक्ष्य

#### तत्काल लक्ष्य: बायोडिग्रेडेबल राइस ब्रान प्लेट मेकिंग यूनिट की स्थापना

निम्नलिखित की प्रारंभिक भागीदारी:

- a. 50 महिलाओं और स्थानीय लोगों की भागीदारी
- b. 5 SHG को शामिल करना (वर्तमान में सिलाई और कढ़ाई में शामिल)
- c. ग्राम पंचायत में उगाए जाने वाले स्थानीय रूप से उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग करना

#### इस ग्राम पंचायत और आस-पास के गांवों से दीर्घकालिक जुड़ाव:

- a. 100 महिलाओं को शामिल करना
- b. SHG, MSME और व्यक्तिगत उद्यमियों को शामिल करना



## जैविक कचरे से खाद बनाना एवं उसे उर्वरक के रूप में बेचना

### गतिविधियाँ

1. खाद के उत्पादन और बिक्री के लिए पंचायत, समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों के बीच साझेदारी स्थापित करना
2. प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण:
  - a. कम्पोस्टिंग और वर्मीकम्पोस्टिंग की तकनीक
  - b. ग्राम पंचायत के भीतर और बाहर खाद का विपणन और बिक्री

### लक्ष्य

#### तत्काल लक्ष्य:

घरेलू कचरे (जैविक) से उत्पन्न कम्पोस्ट/खाद: 124 किग्रा प्रतिदिन; 3,720 किग्रा प्रति माह

#### दीर्घकालिक लक्ष्य:

जैविक अपशिष्ट उत्पादन के अनुसार खाद के उत्पादन को बढ़ाना (जनसंख्या वृद्धि के आधार पर)



## ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टरों को किराए पर लेने की सुविधा

### गतिविधियाँ

1. ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टरों को व्यवसायिक रूप से किराए पर लेना (किराये के आधार पर) उत्तर प्रदेश EV नीति 2022 और फेम-इंडिया स्कीम चरण- II के अंतर्गत प्रोत्साहन के माध्यम से हरित उद्यमिता के अवसर प्रस्तुत करता है।
2. ई-ट्रैक्टरों एवं ई-माल वाहकों के उपयोग के प्रति उपयोगकर्ता समूहों (किसानों/लॉजिस्टिक स्वामियों) को संवेदनशील बनाना
3. ई-ट्रैक्टर को व्यावसायिक रूप से किराये पर लेना (किराये के आधार पर) युवाओं के लिए हरित उद्यमिता के अवसर प्रस्तुत करता है।

### लक्ष्य

#### तत्काल लक्ष्य:

1. 2 या 3 ई-ट्रैक्टर (अनुमानित लागत: ₹6 लाख प्रति ई-ट्रैक्टर)
2. 2 या 3 EV मिनी माल परिवहक ट्रक (मिनी माल EV परिवहक ट्रक की अनुमानित लागत: लगभग ₹9.2 लाख)

#### मध्यावधि लक्ष्य:

2/3 ई-ट्रैक्टर, 2/3 EV मिनी माल परिवहन ट्रकों की अतिरिक्त खरीद

(नोट: यह माना जाता है कि आमतौर पर कोठीपुर में 35 HP ई-ट्रैक्टर की आवश्यकता होती है, जिसकी लागत लगभग ₹ 6 लाख है)



## सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज के उपयोग के माध्यम से आजीविका को बेहतर बनाना

### गतिविधियाँ

1. फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए छोटे और मध्यम किसानों (ग्राम पंचायत और आसपास के गांवों के भीतर) को सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज में जगह किराए पर देकर उद्यमिता के अवसर
2. फलों, सब्जियों, दूध और दूध उत्पादों के भंडारण के लिए उद्यमियों, किसान समूहों, सहकारी समितियों (जैसे पारस) और अन्य संस्थागत खरीदारों के बीच बिजनेस/व्यवसाय मॉडल/टाई-अप

## लक्ष्य

5 मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज की स्थापना (~15 हेक्टेयर सब्जी की खेती के अंतर्गत कुल फसली क्षेत्रफल)  
लागत: ~₹8 लाख



## प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के उत्पादन और बिक्री के लिए आरोग्य वन

### गतिविधियाँ

1. प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के उत्पादन के लिए आरोग्य वन के विकास और रखरखाव के माध्यम से समुदायों के लिए आजीविका उत्पन्न करना
2. कौशल विकास और प्रशिक्षण के लिए केंद्रीय औषधीय एवं सुगंधित पौधा संस्थान, लखनऊ के साथ साझेदारी करना

## लक्ष्य

लगभग 0.2 हेक्टेयर भूमि को आरोग्य वन के रूप में स्थापित किया जाना



## विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिष्ठानों (सोलर और बायो-गैस) का संचालन एवं रखरखाव

### गतिविधियाँ

1. नवीकरणीय ऊर्जा के रखरखाव पर कौशल विकास के लिए समुदाय के सदस्यों विशेष रूप से स्नातकों, युवा समूहों और किसान समूहों का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण
2. ग्राम पंचायत के भीतर सोलर और बायो-गैस स्थापना तथा संचालन एवं रखरखाव व्यवसायों की स्थापना में सीएसआर, केंद्र और राज्य सरकार की अपस्किर्लिंग योजनाओं से सहायता।

## वित्त पोषण एवं कौशल विकास

- हरित उद्यमिता और आजीविका का समर्थन करने के लिए बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों को संवेदनशील बनाना (विभिन्न क्रेडिट योजनाओं, साझेदारी/राजस्व मॉडल के माध्यम से)। सरकारी ऋण योजनाएं जैसे मुद्रा ऋण, स्त्री शक्ति योजना आदि महिला उद्यमियों का समर्थन कर सकती हैं।
- सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों जैसे: मेक इन इंडिया, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा संचालित उद्यमी विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन और अटल इनोवेशन मिशन का समर्थन करके आवश्यक कौशल विकास प्रदान किया जाना।



## विचारार्थ अतिरिक्त संस्तुतियों की सूची

इस अनुभाग में ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यान्वयन के लिए अतिरिक्त विचार के लिए संभावित संस्तुतियों की एक सूची दी गई है। इन संस्तुतियों को भारत के विभिन्न हिस्सों और भौगोलिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है जिनमें उत्तर प्रदेश के साथ बहुत समानताएं हो सकती हैं।

इन्हें मुख्य अनुशंसाओं में शामिल न करने का कारण यह है कि यह संस्तुतियां/परियोजनाएं उत्तर प्रदेश सरकार की किसी भी वर्तमान योजना या कार्यक्रम या केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के दायरे में नहीं आती हैं। इसलिए इन परियोजनाओं का कार्यान्वयन वैकल्पिक वित्तपोषण विकल्पों, जैसे स्व-वित्तपोषण, CSR या ऐसे अन्य स्रोतों के माध्यम से करना होगा।

यदि यह परियोजनाएं लागू की जाती हैं, तो इनके माध्यम से समुदायों की अनुकूली क्षमताओं को और मजबूत करने की संभावना हो सकती है एवं इनके परिणामस्वरूप आजीविका में वृद्धि भी हो सकती है।

### 1. सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज इकाई (एफपीओ, एसएचजी व किसान):

- फसल कटाई के बाद की दक्षता बढ़ाने और नुकसान को कम करने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाली कोल्ड स्टोरेज इकाई हैं।
- यह किसानों को संकटपूर्ण बिक्री से बचने में मदद करता है और किसानों की आय में सुधार करता है।

ये गतिविधि "आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाना" अनुभाग में चर्चा की गई पहलों को मजबूत करने में सहायता करेगी

#### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण : 73,74,75

- हैदराबाद, तेलंगाना में कटनगुर फार्मर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड।
- घुम्मर किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) राजस्थान के पाली जिले की बाली तहसील के नाना गांव में स्थित है।

### 2. सौर निष्क्रिय डिजाइन और निष्क्रिय शीतलन:

नए निर्माण और रेट्रोफिटिंग के लिए (जहां भी संभव हो): ऊर्जा की मांग को कम करने और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए आवासीय घरों और प्रशासनिक भवनों में टिकाऊ डिजाइन के साथ स्थानीय और पारंपरिक सामग्री को बढ़ावा देना चाहिए:

- घरों में सौर ज्यामिति के अनुसार भवन का अभिविन्यास करना चाहिए ।
- घरों में प्राकृतिक वायु का कुशल संचलन होना चाहिए ।
- घरों में सौर चिमनी के साथ पवन टॉवर का उपयोग करना चाहिए ।
- घरों में प्राकृतिक प्रकाश की व्यवस्था होनी चाहिए (पारंपरिक प्रकाश यानी बिजली से चलने वाले बल्ब, ट्युबलाइट आदि को कम करना) ।
- घरों में ऊर्जा संरक्षण गतिविधियाँ करनी चाहिए ।
- हरित जल निकाय और डिजाइन किए गए परिदृश्य (वृक्षारोपण/बागवानी) ।

यह गतिविधि "स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच" अनुभाग में चर्चित पहलों को मजबूत करेगी।

73 [https://selcofoundation.org/wp-content/uploads/2023/08/Compendium\\_Updated\\_20230922.pdf](https://selcofoundation.org/wp-content/uploads/2023/08/Compendium_Updated_20230922.pdf)

74 <https://www.opportunityindia.com/article/empowering-women-fpo-through-solar-power-ghummar-fpo-34521>

75 <https://www.ecozensolutions.com/ecofrost/fpos-leverage-agri-infra-funds-for-ecofrost.html>

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

राजकुमारी रत्नावती बालिका विद्यालय<sup>76</sup>, थार रेगिस्तान, राजस्थान का गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली 400 से अधिक लड़कियों के लिए निर्माण किया गया है जिसमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित उपायों का उपयोग किया गया है:

- धर्मल आराम को अधिकतम करने के लिए बिल्डिंग ओरिएंटेशन पर ध्यान दिया गया है।
- प्रकाश और पंखे चलाने के लिए स्कूल के छतों पर सौर पैनल लगाये गए हैं।
- सोलर पैनल कैनोपी और स्क्रीन स्कूल के कमरों में ज्यादा गर्मी होने से बचाते हैं।
- छत का अण्डाकार आकार शीतलता (वायुप्रवाह) उत्पन्न करता है।
- इमारत की दीवारें हवा के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करती हैं और धूप व रेत को स्कूल के कमरों में आने से रोकती हैं।
- निर्माण के लिए स्थानीय सामग्री का उपयोग किया गया है।

### सोलर पैसिव कॉम्प्लेक्स, पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (PEDA), चंडीगढ़<sup>77</sup> :

- भवन में एकीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र से 25 किलोवाट की बिजली का उत्पादन किया जाता है।
- सौर ज्यामिति के अनुसार अभिविन्यास किया गए हैं।
- भवन की छत (डिज़ाइन+सामग्री) गर्मी से रहत देने के उद्देश्य से बनाई गई।
- सौर ऊर्जा से कमरों में एयर कंडीशनर और प्रकाश की जरूरत को पूरा किया जाता है (उदाहरण के लिए, लाइट वॉल्ट, सौर चिमनी के साथ पवन टॉवर)।
- शीतलन और वायु शोधन के लिए छोटे तालाब और वृक्षारोपण (पेड़, झाड़ियाँ और घास)

## 3. सौर ऊर्जा संचालित RO जल शोधन प्रणाली/ जल एटीएम कियोस्क का निर्माण:

सौर-आधारित आरओ (RO) जल शोधन प्रणाली स्वच्छ पेयजल की समस्या के लिए एक सतत और लागत प्रभावी समाधान प्रदान करती है। यह पानी के पुनः उपयोग को बढ़ावा देते हुए समुदाय को सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करता है। पेयजल की गुणवत्ता की समस्या से जूझ रही ग्राम पंचायत के लिए यह पहल लाभदायक हो सकती है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

#### हिवरा लाहे गांव, जिला-वाशिम, राज्य-महाराष्ट्र<sup>78</sup>:

- सीएसआर समर्थन से सौर ऊर्जा संचालित जल शोधन प्रणाली/ जल एटीएम कियोस्क (समुदाय आधारित) को स्थापित किया गया।
- समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार देखा गया।
- प्रणाली के संचालन और प्रबंधन के लिए ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को सक्षम बनाया गया।
- इसी तरह की पहल गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान आदि राज्यों में भी की गई है।

76 <https://www.avontuura.com/rajkumari-ratnavati-girls-school-diana-kellogg-architects>

77 <https://peda.gov.in/solar-passive-complex>

78 <https://yraindia.org/wp-content/uploads/2019/12/RO-plant-Success-story-in-Village-Hiwara-HDB-project.pdf>



## 4. सौर ऊर्जा संचालित पशु शेड का निर्माण:

पशु शेड मवेशियों को तीव्र गर्मी और शीतलहर से बचाने के लिए सौर ऊर्जा संचालित अनुकूलनीय उपाय हैं। इस पहल में पशु शेड की छतों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन करने में सहायक हैं। यह सौर ऊर्जा संचालित पशु शेड बिजली की मांग की भी पूर्ति कर सकते हैं। यह ऊर्जा की मांग में कमी और निष्क्रिय शीतलन और वेंटिलेशन प्रदान करने में सहायक हैं, इसके अलावा पशु शेड अन्य ऊर्जा की जरूरत को पूरा करते हैं जैसे की चारे की तैयारी और शेड संचालन करने में ऊर्जा की जरूरत। अतिरिक्त उत्पादित बिजली को ग्रिड में डाला जा सकता है जिससे किसानों को अतिरिक्त आय उत्पन्न करने का स्रोत मिल सकता है।

इस तरह के पशु शेड बायोगैस उत्पादन और पशु अपशिष्ट (गोबर) से उर्वरक तैयार करने में भी मदद करेंगे। ये पशु शेड उचित पृथक और पशुओं को सुरक्षित स्थान प्रदान करके पशुओं में फैलने वाले रोगों के संचरण को कम करने में भी मदद कर सकते हैं।

यह गतिविधि संस्त्रुतियों के " सतत कृषि" खंड में सतत पशुधन प्रबंधन सुझावों को मजबूत कर सकती है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

**जिले: लुधियाना, भटिंडा और तरनतारन, पंजाब<sup>79,80</sup>**

- यह परियोजना 3 जिलों में 1-2 हेक्टेयर भूमि और 5-15 डेयरी पशुओं वाले छोटे और सीमांत किसानों के 3000 परिवारों के लिए कार्यान्वित की गई
- पशु शेडों जलवायु को सुरक्षित करने और छोटे और सीमांत पशुधन किसानों की स्थायी आजीविका को बढ़ावा देते हैं

### निर्मल गुजरात अभियान<sup>81</sup>

- गुजरात के हिममतनगर में पशु छात्रावास गांवों को साफ रखने में मदद करते हैं।
- ऐसे पशु आश्रय स्थल (पशु छात्रावास) में बायोगैस और वर्मीकम्पोस्ट उत्पन्न करने के लिए गोबर एकत्र करने में भी प्रभावी हैं। इसके अतिरिक्त ग्राम कल्याण के लिए धन जुटाने के लिए वर्मीकम्पोस्ट बेचा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, एक "अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी)<sup>82</sup>" के तहत पशु शेड सब्सिडी योजना" है, जिसे गुजरात सरकार के पशुपालन, कृषि, किसान कल्याण और सहयोग विभाग निर्देशालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। इस योजना के तहत, अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को 2 जानवरों के लिए मवेशी शेड के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता (या तो ₹30,000/- या मवेशी शेड की लागत का 50%, जो भी कम हो) दी जाती है।

## 5. कूल रूफ/ठंडी छतें

घरों, सार्वजनिक इमारतों और सरकारी भवनों की छतों को सौर-परावर्तक पेंट से रंगना।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

जोधपुर, भोपाल, सूरत और अहमदाबाद में झुग्गी-झोपड़ी वाले घर<sup>83</sup>

- स्थानीय सामुदायिक कार्यकर्ताओं ने परिवारों को अपनी खुद की ठंडी छत को पेंट करने के लिए प्रशिक्षित किया।
- प्रदर्शन आउटरीच: 460 से अधिक छतें में पेंट किया गया।
- पारंपरिक छतों की तुलना में घर के अंदर का तापमान 2 - 5°C कम पाया गया।

79 <https://pscst.punjab.gov.in/en/climate-resilient-livestock-production-system>

80 <https://moef.gov.in/wp-content/uploads/2017/08/Punjab.pdf>

81 <https://jayshaktiengg.com/gujarat-government-launches-solar-scheme-for-farmers/>

82 <https://www.myscheme.gov.in/schemes/cssscscpsc>

83 <https://www.nrdc.org/bio/anjali-jaiswal/cool-roofs-community-led-initiatives-four-indian-cities>

यह गतिविधि "स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच" अनुभाग से जुड़ी है।

## 6. चारे की संपूरक के उपयोग से मवेशियों से मीथेन उत्सर्जन को कम करना :

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)<sup>12</sup>-राष्ट्रीय पशु पोषण और फिजियोलॉजी संस्थान ने पशुधन से मीथेन उत्सर्जन को कम करने में मदद के लिए फ्रीड सप्लीमेंट (हरित धारा और टैमरिन प्लस) विकसित किए हैं।

यह गतिविधि "सतत कृषि" अनुभाग से जुड़ी है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण

- इन संपूरकों के उपयोग से आंत्रिय मीथेन उत्सर्जन में 17-20% तक कम हो सकता है<sup>84</sup>।
- आईसीएआर की रिपोर्ट के अनुसार इन पूरक आहार की कीमत ₹ 6 प्रति किलोग्राम है।

## 7. सौर ऊर्जा संचालित ऊर्ध्वाधर चारा उगाने वाली इकाइयों (घरेलू स्तर/ सामुदायिक स्तर) का निर्माण:

सौर ऊर्जा से संचालित, माइक्रोकलाइमेट-नियंत्रित, ऊर्ध्वाधर चारा उगाने वाली इकाई उपयोगकर्ताओं को प्रतिदिन एक बाल्टी से भी कम पानी के साथ ताजा चारा काटने में सक्षम बनाती है। ऐसी इकाइयाँ सूखे की स्थिति में भी पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगी।

यह गतिविधि "सतत कृषि" अनुभाग से जुड़ा है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

आंध्र प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और बिहार राज्यों में<sup>85</sup>

- चारा उत्पादक इकाइयों को अपनाने से पशुधन के लिए हरे चारे की उपलब्धता में वृद्धि।
- इससे किसानों की आय में वृद्धि होती है।

## 8. पंचायत स्तरीय जल बजटिंग

जलवायु-अनुकूल कृषि-आधारित आजीविका के लिए जल प्रबंधन और 'जल बजटिंग'

- वार्षिक/त्रैमासिक जल बजट की गणना।
- ग्राम स्तर पर "जल की कमी" और "जल अधिशेष" की गणना।
- पानी की उपलब्धता के आधार पर वार्षिक फसल उत्पादन योजना।
- जल बर्बादी को रोकने के लिए जल ऑडिट।

यह गतिविधि कार्ययोजना के सतत कृषि और जल संसाधन प्रबंधन अनुभागों से जुड़ी है। यह पहल फसल चयन/योजना, खेत तालाब, बेहतर सिंचाई विधियों, जल पुनर्भरण आदि जैसे कई हस्तक्षेपों को सुदृढ़ बनाएगी।

84 भारतीय कृषि परिषद की रिपोर्ट के अनुसार <https://testicar.icar.gov.in/content/icar-nianp-commercializes-anti-methanogenic-feed-supplement-%E2%80%99Charit-dhara%E2%80%9D>

85 <https://india.mongabay.com/2024/04/amid-fodder-crisis-hydroponics-offers-new-hope-for-indian-farmers/>

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

7 ग्राम पंचायतें (जीपी) और पड़ोसी बस्तियां, रंगारेड्डी और नागौरकुर्नूल जिले, तेलंगाना<sup>86</sup>

- यह गतिविधि पानी की खपत की वर्तमान स्थिति व खपत को अनुकूलित करने के उपाय दोनों को पहचानने में मदद करेगी।
- इस गतिविधि के द्वारा प्रत्येक कृषि मौसम यानी खरीफ़ (मानसून), रबी (सर्दी), और ज़ैद (गर्मी) के लिए योजना बनाने में भी सहायता मिल सकती है।

## 9. जलवायु प्रभाव क्षेत्रों में ग्रामीण महिला उद्यमियों को सक्षम बनाना

गांवों में महिलाओं के नेतृत्व वाली जमीनी स्तर की उद्यमिता सहायता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण:

- महिलाएं स्वच्छ/हरित प्रौद्योगिकी-आधारित उत्पाद की बिक्री करें।
- महिलाएं समुदायों को स्वच्छ-प्रौद्योगिकियों के महत्व पर शिक्षित करें।
- उदाहरण के लिए, स्वच्छ खाना पकाने (सौर कुकस्टोव), पोर्टेबल सौर जल शोधक, एनर्जी एफ़िफ़िसिएंट लाइट, आदि।
- महिलाओं को व्यवसाय विस्तार ऋण उपलब्ध कराया जाए।
- ग्रामीण विपणन और वितरण संबंधों को सुविधाजनक बनाया जाए।

ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र में सक्षम बनाने के लिए व्यावसायिक कौशल विकास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण।

इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और जलवायु प्रभाव क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका और भागीदारी को मजबूत करना है। यह कार्य योजना के आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाने वाले अनुभाग से जुड़ा है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

4 राज्यों (महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात और तमिलनाडु) में 14 जिले<sup>87</sup>

स्वयं शिशन प्रयोग (एसएसपी) महिलाओं को उनके ग्रामीण समुदायों में स्वच्छ ऊर्जा उद्यमियों और जलवायु परिवर्तन नेताओं के रूप में सक्षम बनाता है:

- 60,000 से अधिक ग्रामीण महिला उद्यमियों को स्वच्छ ऊर्जा, सतत कृषि, स्वास्थ्य और पोषण, और सुरक्षित पानी और स्वच्छता में सक्षम बनाया गया।
- 1,000 से अधिक महिला उद्यमियों ने स्वच्छ-ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण लिया और व्यवसाय शुरू किया।

## 10. सामुदायिक बीज बैंक

- सामुदायिक बीज बैंक क्षेत्र में फसल विविधीकरण और स्थिरता को बढ़ावा देंगे एवं स्थानीय बीज प्रणालियों को मुख्यधारा में लाएंगे, तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति सुदृढ़ बनाएंगे।
- ऐसे बीज बैंक किसानों को सूखा-सहिष्णु और जलवायु परिवर्तन अनुरोधक फसलों को उगाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- किसानों के लिए सुरक्षा जाल सुनिश्चित करें, विशेष रूप से प्रतिकूल मौसम की स्थिति और भोजन की कमी के दौरान।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

सामुदायिक बीज बैंक, डंगधोरा, जोरहाट, असम (UNEP-GEF परियोजना)<sup>88</sup>

- बीज बैंक से जुड़े किसानों को स्थानीय बाजार में उपलब्ध बीजों की तुलना में बेहतर गुणवत्ता वाले बीजों की कटाई, उपचार, भंडारण और गुणा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

86 <https://wotr.org/2018/03/31/water-budgeting-in-telangana-the-need-and-the-objective-of-the-campaign/>

87 <https://unfccc.int/climate-action/momentum-for-change/women-for-results/rural-community-leaders-combatting-climate-change>

88 <https://alliancebioiversityciat.org/stories/community-seed-banks-empower-farmers-address-climate-risk-india>

- बीज बैंक की पहल सहभागी फसल सुधार और ज्ञान-साझाकरण रणनीतियों को बढ़ावा देती है।
- किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों तक सस्ते और आसान पहुंच प्रदान की जाती है व किसानों को बाज़ार से भी जोड़ती है।
- यह बीज प्रणालियाँ व इनकी मूल्य श्रृंखलाएँ स्थिरता और खाद्य सुरक्षा दोनों की रक्षा करती हैं।

## 11. जैव-संसाधन केंद्र (बीआरसी) की स्थापना

जैव-इनपुट संसाधन केंद्र (बीआरसी) प्राकृतिक खेती को अपनाने की सुविधा के लिए जैव-इनपुट तैयार करते हैं और आपूर्ति करते हैं। बीआरसी से किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए जैव-इनपुट स्वयं तैयार करने की आवश्यकता नहीं रहती, क्योंकि जैव-इनपुट तैयार करना एक समय लेने वाली और श्रम-गहन गतिविधि है।

- मिट्टी के स्वास्थ्य, फसल उपज की वृद्धि, कीट या रोग प्रबंधन में सुधार के लिए उपयोगी जैविक संस्थाओं या जैविक रूप से व्युत्पन्न इनपुट का उपयोग करने वाले स्थानीय रूप से तैयार उत्पाद किसानों द्वारा खरीद के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं।
- बीआरसी क्षेत्र के किसानों की सभी जैव इनपुट आवश्यकताओं के लिए सिंगल-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करता है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/ उदाहरण:

आंध्र प्रदेश राज्य में<sup>89</sup>




- सतत जलवायु-अनुकूल कृषि में योगदान देता है।
- किसानों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने में मदद मिलती है क्योंकि उच्च कार्बनिक पदार्थ की मात्रा मिट्टी को बाढ़, सूखे और भूमि क्षरण प्रक्रियाओं के प्रति अधिक लचीला बनाती है।
- कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र और पैदावार में स्थिरता होने के परिणामस्वरूप जोखिम कम हो जाता है, और उत्पादन लागत भी कम हो जाती है।

89 <https://www.apmas.org/pdf/csv/casestudy-1.pdf>

# 7




## अनुकूलन, सह-लाभ और सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ाव

### हरित स्थानों और जैवविविधता को बढ़ाना

प्रस्तावित जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>90</sup>
<p>a. हरित क्षेत्रों में सुधार</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>जलवायु घटनाओं/आपदाओं से प्राकृतिक बफ़र</li> <li>सूक्ष्म-जलवायु को विनियमित करने से हीटवेव और तीव्र गर्मी के तनाव से अनुकूलन में सहायता मिलेगी</li> <li>औषधीय पौधों तक पहुंच से स्वास्थ्य लाभ होगा</li> <li>बेहतर मृदा स्थिरता, जल संरक्षण और संबंधित कृषि लाभों के लिए प्राकृति-आधारित समाधान (एनबीएस)</li> <li>पशुधन उत्पादकता में सुधार</li> <li>कृषि वानिकी, प्राकृतिक औषधियों के उत्पादन आदि से राजस्व सृजन</li> <li>जैव विविधता के लिए बेहतर पर्यावरण और आवास; पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 11: स्थायी शहर और समुदाय</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 11.7</li> <li>लक्ष्य 11.4</li> </ul> <p><b>एसडीजी 12: सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 12.2</li> </ul> <p><b>एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाही</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.1</li> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul> <p><b>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 15.1</li> <li>लक्ष्य 15.2</li> <li>लक्ष्य 15.3</li> <li>लक्ष्य 15.5</li> <li>लक्ष्य 15.9</li> </ul>
<p>b. जन जैवविविधता रजिस्टर</p> 		





90 अनुलग्नक V में एसडीजी और उनके लक्ष्यों की विस्तृत सूची है

## जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प और अपशिष्ट जल प्रबंधन

प्रस्तावित जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>91</sup>
a. वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) पद्धतियाँ 	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रकृति-आधारित समाधान (एनबीएस) पानी की कमी और पानी के तनाव से निपटने की क्षमता को बढ़ाता है</li> <li>बेहतर भूजल पुनर्भरण</li> <li>पानी की गुणवत्ता में वृद्धि</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छ ता</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 6.1</li> <li>लक्ष्य 6.3</li> <li>लक्ष्य 6.4</li> <li>लक्ष्य 6.5</li> </ul>
b. जल निकायों का रखरखाव 	<ul style="list-style-type: none"> <li>सूखा, लू जैसी आपदाओं के प्रति लचीलापन बढ़ाना</li> <li>कृषि एवं पशुधन उत्पादकता में सुधार</li> <li>स्थानीय जैवविविधता को बढ़ावा</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 11: स्थायी शहर और समुदाय</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 11.4</li> </ul> <p><b>एसडीजी 12: सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 12.2</li> </ul>
c. बेहतर जल निकासी और सीवरेज का बुनियादी ढांचा 		<p><b>एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाही</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.1</li> <li>लक्ष्य 13.2</li> </ul> <p><b>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 15.1</li> <li>लक्ष्य 15.5</li> </ul>



## सतत कृषि

प्रस्तावित जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>92</sup>
a. जलवायु लचीलापन विकसित करना 	<ul style="list-style-type: none"> <li>कृषि उत्पादकता एवं लाभ में वृद्धि</li> <li>मृदा स्वास्थ्य में सुधार</li> <li>रासायनिक आदानों के कम उपयोग के कारण पानी की गुणवत्ता में सुधार</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 2: शून्य भूख</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 2.3</li> <li>लक्ष्य 2.4</li> <li>लक्ष्य 2.ए; अनुच्छेद 10.3.ई</li> </ul>
b. प्राकृतिक खेती को अपनाना 	<ul style="list-style-type: none"> <li>कृषि जल सुरक्षा में सुधार</li> <li>शीत लहर और गर्मी की लहर के दौरान पशुधन की हानि कम हुई और उत्पादकता में वृद्धि हुई</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छ ता</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 6.4</li> <li>लक्ष्य 13.1</li> </ul>
c. सतत पशुधन प्रबंधन 	<ul style="list-style-type: none"> <li>वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ और उत्सर्जन में कमी आई</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाही</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul>
d. मृदा स्वास्थ्य में सुधार और सोडिक/क्षारीय मृदा का प्रबंधन 		<p><b>एसडीजी 2: शून्य भूख</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 2.3</li> <li>लक्ष्य 2.4</li> <li>लक्ष्य 2.ए; अनुच्छेद 10.3.ई</li> </ul>



91 अनुलग्नक V में एसडीजी और उनके लक्ष्यों की विस्तृत सूची है

92 अनुलग्नक V में एसडीजी और उनके लक्ष्यों की विस्तृत सूची है





## सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

प्रस्तावित जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>93</sup>
<p>a. अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की स्थापना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>जलभराव में कमी</li> <li>जल और भूमि प्रदूषण में कमी/बेहतर स्वच्छता</li> <li>100% कुशल अपशिष्ट प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों और महामारी की घटनाओं में कमी के कारण अच्छा स्वास्थ्य और अपेक्षाकृत रोग मुक्त वातावरण</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 3: अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 3.3</li> <li>लक्ष्य 3.9</li> </ul> <p><b>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छ ता</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 6.3</li> <li>लक्ष्य 6.8</li> </ul> <p><b>एसडीजी 8: सभ्य कार्य और आर्थिक विकास</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 8.3</li> </ul> <p><b>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 9.1</li> </ul> <p><b>एसडीजी 12: सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 12.4</li> <li>लक्ष्य 12.5</li> <li>लक्ष्य 12.8</li> </ul> <p><b>एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाही</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.1</li> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul> <p><b>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 15.1</li> </ul>
<p>b. जैविक अपशिष्ट का सतत प्रबंधन</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>आजीविका और आय सृजन</li> <li>राजस्व और लाभ सृजन</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 3: GOOD HEALTH AND WELL-BEING</b></p> <p><b>6: CLEAN WATER AND SANITATION</b></p> <p><b>8: DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH</b></p> <p><b>9: INDUSTRY INNOVATION AND INFRASTRUCTURE</b></p> <p><b>12: RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION</b></p> <p><b>13: CLIMATE ACTION</b></p> <p><b>15: LIFE ON LAND</b></p>
<p>c. एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>सतत कृषि के लिए उन्नत आदान</li> <li>अपशिष्ट आधारित कृषि सर्कुलर अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देना</li> </ul>	

93 अनुलग्नक V में एसडीजी और उनके लक्ष्यों की विस्तृत सूची है




# स्वच्छ, टिकाऊ, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच

प्रस्तावित जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>94</sup>
<p>a. सोलर रूफटॉप की स्थापना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>ऊर्जा सुरक्षा</li> <li>उष्ण आराम</li> <li>आजीविका के उन्नत विकल्प</li> <li>अतिरिक्त राजस्व सृजन</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छ ता</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 6.4</li> </ul>
<p>b. एग्रो-फोटोवोल्टिक स्थापित करना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>उच्च तापमान/धूप के संपर्क से राहत प्रदान करता है जिसके परिणामस्वरूप उपज स्थिरता और उत्पादकता में वृद्धि होती है</li> <li>विषैले उत्सर्जन/स्थानीय वायु प्रदूषण में कमी</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 7: किफायती और स्वच्छ ऊर्जा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 7.1</li> <li>लक्ष्य 7.2</li> <li>लक्ष्य 7.3</li> <li>लक्ष्य 7.a</li> <li>लक्ष्य 7.b</li> </ul>
<p>c. सोलर पंप</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>चुकौती/पे-बैक अवधि के बाद आर्थिक लाभ</li> <li>घरों के अंदर वायु प्रदूषण में कमी</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 9.1</li> </ul>
<p>d. रसोई में स्वच्छ ईंधन का उपयोग</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>सभी के स्वास्थ्य, मुख्य रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार</li> <li>ईंधन की लकड़ी एकत्र करने के कठिन परिश्रम/शारीरिक श्रम को समाप्त करता है</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाही</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul>
<p>e. ऊर्जा कुशल फिक्स्चर</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>आपदाओं के दौरान ग्रिड विफलताओं से निपटने की क्षमता में वृद्धि</li> </ul>	
<p>f. सोलर स्ट्रीटलाइट्स</p> 		






94 अनुलग्नक V में एसडीजी और उनके लक्ष्यों की विस्तृत सूची है

## सतत एवं उन्नत गतिशीलता

प्रस्तावित जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>95</sup>
a. मौजूदा सड़क बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना 	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय वायु प्रदूषण में गिरावट से मानव और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार</li> <li>जोखिम वाले और कमज़ोर व्यक्तियों के लिए बेहतर पहुंच</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 7: किफ़ायती और स्वच्छ ऊर्जा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 7.2</li> </ul> <p><b>एसडीजी 11: स्थायी शहर और समुदाय</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 11.2</li> </ul>
b. मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन 	<ul style="list-style-type: none"> <li>अतिरिक्त राजस्व सृजन</li> <li>वस्तुओं और सेवाओं की अंतिम-मील कनेक्टिविटी में वृद्धि</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 9.1</li> </ul>
c. ई-वाहन और ई-ट्रैक्टर 	<ul style="list-style-type: none"> <li>जलभराव कम करने जैसे सह-लाभों के साथ सड़क बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने के माध्यम से लचीलेपान में सुधार</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाही</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul>



## आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाना

प्रस्तावित जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>96</sup>
a. सतत उत्पादों के उत्पादन में पहले से मौजूद स्वयं सहायता समूहों को जोड़ना 	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय स्रोतों से प्राप्त कच्चे माल के माध्यम से आजीविका के उन्नत विकल्प</li> <li>जल और भूमि प्रदूषण में कमी</li> <li>सतत कृषि के लिए उन्नत आदान</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 5: लैंगिक समानता का लक्ष्य प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 5.5</li> </ul>
b. जैविक कचरे को खाद बनाकर उसे उर्वरक के रूप में बेचना 	<ul style="list-style-type: none"> <li>100% कुशल अपशिष्ट प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों और महामारी की घटनाओं में कमी के कारण अच्छा स्वास्थ्य और अपेक्षाकृत रोग मुक्त वातावरण</li> </ul>	<p><b>एसडीजी 8: सभ्य कार्य और आर्थिक विकास</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 8.3</li> </ul>
c. ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टर किराए पर लेने की सुविधा 	<ul style="list-style-type: none"> <li>औषधीय पौधों तक पहुंच से स्वास्थ्य लाभ होगा</li> <li>कृषि वानिकी, प्राकृतिक औषधियों के उत्पादन आदि से राजस्व सृजन</li> </ul>	

95 अनुलग्नक V में एसडीजी और उनके लक्ष्यों की विस्तृत सूची है

96 अनुलग्नक V में एसडीजी और उनके लक्ष्यों की विस्तृत सूची है

d. सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज के उपयोग के माध्यम से आजीविका में सुधार



e. प्राकृतिक औषधियों और पूरकों के उत्पादन और बिक्री के लिए आरोग्य वन



f. विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिष्ठानों (सोलर और बायो-गैस) का संचालन एवं रखरखाव



- जैव विविधता के लिए बेहतर पर्यावरण और आवास; पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार
- स्थानीय वायु प्रदूषण में गिरावट से मानव और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार
- वस्तुओं और सेवाओं की अंतिम-मील कनेक्टिविटी में वृद्धि

### एसडीजी 12: सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना

- लक्ष्य 12.2
- लक्ष्य 12.4
- लक्ष्य 12.5
- लक्ष्य 12.8

### एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाही

- लक्ष्य 13.1
- लक्ष्य 13.2
- लक्ष्य 13.3



**का**र्यान्वयन में प्रस्तावित सुझाव/संस्तुतियों/अनुशंसाओं से कोठीपुर के ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को कम करने में ही नहीं बल्कि ऊर्जा, खाद्य और जल सुरक्षा प्राप्त करने में भी सहायता होगी, जिससे ग्राम पंचायत क्लाइमेट स्मार्ट, लचीली और सतत बनेगी। इससे गांव के निवासियों की आकांक्षाएं पूरी करने के लिए ग्राम पंचायत के समग्र और निरंतर विकास को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, ये संस्तुतियां प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देते हुए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेंगी। कोठीपुर के लिए यह क्लाइमेट स्मार्ट कार्ययोजना ऊर्जा, कृषि निवेश, पानी, आदि पर व्यय में कमी लाकर कोठीपुर को 'आत्मनिर्भर' बनाएगी जिससे आर्थिक विकास के नए मार्ग खुलेंगे।

इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन से जलवायु परिवर्तन पर उत्तर प्रदेश राज्य कार्ययोजना II, 2022 में परिकल्पित के अनुसार, कोठीपुर जलवायु कार्ययोजना पर राज्य के दृष्टिकोण और लक्ष्यों में भी योगदान देगा, जो बदले में, जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए देश के प्रयासों को सशक्त करेगा, जिससे एनडीसी, 2015 और इसके अद्यतन संस्करण, 2022 में सूचीबद्ध योगदान और 2030 तक सतत विकास लक्ष्य भी प्राप्त होंगे।

जलवायु संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए स्थानीय स्तर पर विशेष रूप से तैयार किए गए समाधानों की आवश्यकता है, जो पर्याप्त जलवायु वित्त और कार्यान्वयन के अन्य माध्यमों की उपलब्धता से ही सफल हो सकते हैं। इसे राज्य और केंद्रीय योजनाओं के अंतर्गत समर्थित ग्राम पंचायत विकास योजना में परिकल्पित जारी गतिविधियों में न्यूनीकरण और अनुकूलन दोनों जलवायु कार्यवाही को मिलाकर और अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाकर प्राप्त किया जा सकता है। इससे सभी प्रासंगिक हितधारकों: समुदाय, सरकारी प्रशासन, निर्वाचित प्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग में वृद्धि होगी। कार्ययोजना के कार्यान्वयन के बाद, नई अवसंरचना/प्रौद्योगिकी के कुशल प्रबंधन के रूप में निरंतर कार्यवाही कोठीपुर को एक मॉडल क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनना सुनिश्चित करेगी। वर्तमान योजना की सफलता से संभवतः दूसरे ग्राम पंचायत भी कुशल, लचीले और सतत बनाने की प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए, यह महत्वपूर्ण होगा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित लाइफ मिशन के समान एक संवहनीय जीवन शैली को अपनाने के लिए सामुदायिक स्वामित्व की भावना और व्यवहार परिवर्तन को प्रेरित किया जाए।

## अनुलग्नक I: पृष्ठभूमि और कार्यप्रणाली

### पृष्ठभूमि

उत्तर प्रदेश राज्य जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के विरुद्ध उन्नत और नवीन गतिविधियां अपना रहा है। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी और प्रेरणादायक मार्गदर्शन के तहत राज्य ने शासन के विभिन्न स्तरों पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के विरुद्ध विस्तृत गतिविधियां प्रारंभ की हैं। इनमें से एक है 'क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत' के निर्माण के लिए कार्ययोजनाओं का निर्माण करना। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री ने इस अवधारणा की परिकल्पना जून, 2022 में की थी। उनकी इस परिकल्पना को वास्तविक रूप देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य के 39 संवेदनशील जिलों में जलवायु अनुकूल ग्राम पंचायतों की पहचान करने के लिए एक त्वरित बहु-मानदंड मूल्यांकन संचालित किया गया।<sup>97</sup> 5 जून, 2022 को आयोजित 'पंचायत सम्मेलन' (सीओपी) में इन चयनित ग्राम पंचायतों के नामों की घोषणा की गई और इनमें से कई पंचायतों को सम्मानित भी किया गया।

कोठीपुर के लिए जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना का<sup>98</sup> विकास उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वसुधा फाउंडेशन और गोरखपुर एनवायरनमेंटल एक्शन ग्रुप के सहयोग से किया गया है। इस कार्ययोजना का लक्ष्य ग्राम पंचायत स्तर पर जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध गतिविधियों को मुख्यधारा में सम्मिलित करने के लिए ग्राम पंचायत विशिष्ट ब्लूप्रिंट प्रदान करना है। यह न केवल स्थानीय जलवायु अभियानों को सुदृढ़ता प्रदान कर ग्राम पंचायत को जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सहनशील बनाएगा बल्कि वर्ष 2030 तक शून्य कार्बन/कार्बन तटस्थ के लक्ष्य को पूरा करने के लिए उत्सर्जनों में कमी भी लाएगा।

इस कार्ययोजना के निर्माण में भागीदारी दृष्टिकोण अपनाया गया है जो कि ऊर्ध्वगामी (बॉटम अप) योजना निर्माण की अवधारणा के अनुरूप है। इस कार्ययोजना की प्रस्तावित संस्तुतियों को व्यक्तिगत परियोजनाओं के रूप में किया जा सकता है जिन्हें पूरा करने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व में जुटी कंपनियों, राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं, उन्नत सार्वजनिक-निजी साझेदारियों, कार्बन वित्त और निजी निवेशों से धनराशि की व्यवस्था की जा सकती है।

इसे व्यवहार्य बनाने के लक्ष्य से यह कार्ययोजना पंचायत-निजी-साझेदारी (पीपीपी) के निर्माण के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है और साथ ही, इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य और गैर-राज्य सक्रियकों के बीच सहयोग बढ़ाने की रूपरेखा भी प्रदान करती है।

### कार्यप्रणाली

इस रिपोर्ट में मुख्य क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के सहित भरी हुए प्रश्नावली, एचआरवीसीए (HRVCA) रिपोर्ट, ग्राम पंचायत के सामाजिक और संसाधन मानचित्र के रूप में फ़ील्ड से मिली जानकारी संलग्नक के रूप में सम्मिलित है।

क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के विकास के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए:

- सर्वेक्षण प्रश्नावली की तैयारी: मूलभूत स्थिति को समझने और ग्राम पंचायत के आधारभूत परिदृश्य का विकास करने के लिए मुख्य हितधारकों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों के विचारों के आधार पर एक प्रश्नावली तैयार की गई। प्रश्नावली में विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित किया गया, जैसे कि जनसांख्यिकी, सामाजिक-आर्थिक संकेतक, जलवायु परिवर्तनशीलता, जलवायु धारणा (पिछले 5 वर्ष की), ऊर्जा, कृषि और पशुधन, भूमि संसाधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य ग्राम पंचायत में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की पहुंच को समझना भी था।

97 उत्तर प्रदेश के 39 अति संवेदनशील जिलों की पहचान उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्य योजना 2.0 और DoEFCC, GoUP द्वारा विकसित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना हेतु स्कोपिंग आकलन से की गई।

98 इस आलेख में मुख्य क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना सहित निम्न आलेख अनुलग्नक के रूप में सम्मिलित हैं: विस्तृत कार्य प्रणाली; उत्तर सहित प्रश्नावली; खतरा, जोखिम, भेद्यता और क्षमता आकलन (HRVCA) रिपोर्ट, और ग्राम पंचायत का सामाजिक और संसाधन मानचित्र।

- हितधारकों के लिए परामर्श सत्र और क्षमता निर्माण: स्थानीय गैर-सरकारी साझेदारों, ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों के लिए परामर्श और क्षमता-निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। हितधारकों को जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के उद्देश्यों और घटकों, इन कार्य योजनाओं के विकास और उनकी व्यक्तिगत भूमिकाओं के विषय में जानकारी प्रदान की गई।
- साथ ही, गैर सरकारी साझेदारों को मुख्य जलवायु परिवर्तन अवधारणाओं, अपनाने जाने वाली सर्वेक्षण प्रक्रियाओं और समूह केन्द्रित चर्चाओं के लिए विकसित प्रश्नावली के बारे में प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।
- क्षेत्र सर्वेक्षण: समुदाय से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, ग्राम सभा और समूह केन्द्रित चर्चा के कुछ दौरों का आयोजन किया गया था जिसके माध्यम से प्राथमिक डेटा संग्रह किया गया।
  - » क्षेत्र सर्वेक्षण में ग्राम पंचायत का दौरा (ट्रांसेक्ट वाक) किया गया और उसके आधार पर सामाजिक और संसाधन मानचित्र तैयार किए गए।
  - » ग्राम पंचायत की विभिन्न समस्याओं को समझने के लिए खतरा, जोखिम, नाजुकता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) भी किया गया।
  - » कोठीपुर ग्राम पंचायत की जलवायु संबंधित समस्याओं को और उसके विकास लक्ष्यों को समझने के लिए समूह केन्द्रित चर्चाओं का भी आयोजन किया गया।
- प्राप्त आदानों के आधार पर, ग्राम पंचायत के लिए कार्ययोजना विकसित की गई और बेसलाइन मूल्यांकन का संचालन किया गया। इसमें जलवायु-स्मार्ट गतिविधियों की पहचान करना सम्मिलित था जो न केवल पहचानी गई पर्यावरणीय और जलवायु संबंधी समस्याओं को संबोधित करती हैं बल्कि ग्राम पंचायत में प्रचलित कृषि-जलवायु विशेषताओं को भी ध्यान में रखती हैं। जानकारियों में कमी और उनमें अधूरेपन की पहचान की गई और ग्राम प्रधान, समुदाय और पंचायत सचिव के साथ चर्चाओं द्वारा जानकारियों को संपूर्ण किया गया।
- जानकारियों में कमी और उनमें अधूरेपन की पहचान की गई और ग्राम प्रधान, समुदाय और पंचायत सचिव के साथ चर्चाओं द्वारा जानकारियों को संपूर्ण किया गया।
- ड्राफ्ट योजना को समीक्षा के लिए ग्राम पंचायत को प्रस्तुत किया गया।
- ग्राम पंचायत से प्राप्त अपडेट को सम्मिलित करने के पश्चात, कार्ययोजना को अंतिम रूप प्रदान किया गया और समर्थन के लिए ग्राम पंचायत को प्रस्तुत किया गया।

# अनुलग्नक II: उत्तर सहित प्रश्नावली



## उत्तर प्रदेश क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत की सर्वे प्रश्नावली

ग्राम पंचायत : कोठीपुर

विकासखण्ड : भाग्यनगर

जनपद : औरैया

### I. गाँव की रूपरेखा

	विवरण	संख्या (सूचना का स्रोत- समुदाय के सदस्य)
1	राजस्व गाँव की संख्या	1
2	टोलों की संख्या	0
3	a कुल जनसंख्या	1550
	b कुल पुरुषों की जनसंख्या	828
	c कुल महिलाओं की जनसंख्या	722
	d विकलांगजन की जनसंख्या	10
	e कुल बच्चों की जनसंख्या	355
	f वरिष्ठ नागरिक (60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग)	121
4	कुल परिवार की संख्या	241
a	गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की संख्या	112
5	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	121.528 Hect.
6 a	साक्षरता दर	81%
7 a	पक्का घरों की संख्या	196
b	कच्चा घरों की संख्या (मुख्य रूप से उपयोग की गई सामग्री का उल्लेख करें)	45 मिट्टी व छप्पर के बने हुये है।







## II. सामाजिक आर्थिक

8	ग्राम पंचायत में केवल कृषि (प्रकार) पर आश्रित परिवार	कुल परिवारों की संख्या	
	निजी भूमि/स्वयं की भूमि	241	
	किराए की भूमि (हुण्डा)	40	
	अनुबंध खेती	0	
	दिहाड़ी मजदूर	55	
	अन्य व्यवस्था (रेहन, अधिया आदि)	35	
	अन्य सूचनाएं/जानकारी (एक से अधिक कृषि गतिविधि में शामिल परिवार, उल्लेख करें)	157	
9	ग्राम पंचायत में आय के स्रोत	कुल परिवारों की संख्या	
	सेवा क्षेत्र (उदाहरण: अध्यापन, बैंक, सरकारी नौकरी आदि)	14	
	कुटीर उद्योग	10	
	कृषि	120	
	कला/हस्तकला	25	
	पशुपालन	105	
	व्यवसाय (स्थानीय दुकान)	20	
	व्यवसाय/उद्यम	18 प्राईवेट सेक्टर, बीमा, होटल	
	दैनिक/दिहाड़ी मजदूर (अकृषिगत)	28	
	अन्य	17 दूध डेयरी	
10	पलायन	हां	नहीं
a	क्या पिछले पांच वर्षों में आप के ग्राम पंचायत से ग्रामीणों ने पलायन किया है?	हां	<input type="checkbox"/>
b	पलायन करने वाले स्थान	पिछले पांच वर्षों में पलायन करने वाले परिवार/ व्यक्तिगत की संख्या	पलायन के मुख्य कारण
	अन्य गांव	20	गाँव में नियमित मजदूरी नहीं मिलती
	निकट के शहर	15	मजदूरी गाँव से ज्यादा मिलती है
	राज्य के प्रमुख शहर	38	नियमित मजदूरी/स्वयं रोजगार कर लेते हैं।
	देश के प्रमुख महानगर	28	फैक्ट्री में ज्यादा मजदूरी मिलती है।
		02 Other Contry	
c	क्या पिछले पांच वर्षों में आप के ग्राम पंचायत में परिवार/व्यक्ति ने प्रवास किए हैं?	हां	नहीं
		<input type="checkbox"/>	नहीं





d	पिछले पांच वर्षों में आपके ग्राम पंचायत में कितने परिवार प्रवास किए हैं? मुख्य कारण स्पष्ट करें।	
---	--	--

11 महिलाओं की स्थिति		
a	महिला प्रमुख परिवारों की संख्या (आय का मुख्य स्रोत- महिला)	25
b	खेती में कार्यरत महिला	कुल संख्या 175
	निजी भूमि/स्वयं की भूमि	103
	किराए की भूमि/हुण्डा	0
	अनुबंध खेती	0
	दिहाड़ी मजदूर	59
	अन्य व्यवस्था	13
	अन्य सूचनाएं/जानकारी (एक से अधिक कृषि गतिविधि में संलग्न महिलाएं, उल्लेख करें)	18 कृषि, मजदूरी, स्वयं का रोजगार
c	नौकरी/अन्य क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं	
	सेवा क्षेत्र (उदाहरण: अध्यापन, बैंक, सरकारी नौकरी आदि)	14
	कुटीर उद्योग	-
	कृषि	175
	कला/हस्तकला	-
	पशुपालन	37
	व्यवसाय (स्थानीय दुकान)	4
	दैनिक/दिहाड़ी मजदूर (अकृषिगत)	15
	अन्य	-





12	स्वयं सहायता समूहों				
	स्वयं सहायता समूह का नाम	सदस्यों की संख्या	अपनायी गई गतिविधियाँ	वार्षिक बचत (₹0)	बैंकों से जुड़ाव/अजुड़ाव
1	राधे-राधे समूह	14	—	1500	—
2	हरी परमात्मा समूह	11	—	6600	हाँ
3	श्री गणेश समूह	10	—	700	—
4	दुर्गा महिला समूह	12	—	5760	—
5	जय माता दी समूह	13	—	6240	—
6	काली माँ समूह	12	—	2880	—
7	मंगलाकाली समूह	10	—	2400	—
8	बैष्णो देवी समूह	10	—	1200	—
9	बंशीबाले समूह	12	—	1440	—
10	भोले बाबा समूह	10	—	2400	—
11	ब्रह्मदेव समूह	10	—	2400	—

13	कृषक उत्पादक संगठन (एफ0पी0ओ0)					
	एफ0पी0ओ0 का नाम	क्या इस संगठन की प्रमुख महिला हैं?	प्रत्येक एफ0पी0ओ0 में सदस्यों की संख्या	एफ0पी0ओ0 से प्राप्त वार्षिक राजस्व/ बचत	कृषि उत्पाद	पोस्ट हार्वेस्ट की गतिविधियाँ/ गतिविधियों का क्षेत्र
	Nil	<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				





14 अन्य समुदाय आधारित संगठन /						
	सामाजिक संगठन / समितियों के नाम	क्या महिला प्रमुख संगठन / समिति हैं?	सदस्यों की संख्या	प्राप्त वार्षिक राजस्व / बचत	उत्पाद / सेवा	विपणन / लक्षित उपभोगकर्ता
	दुग्ध डेयरी संघ अमूल	Yes	10	20 Lack	14400 कुन्तल	अमूल हचन्दपुर
	भोले बाबा डेयरी संघ	No	10	1 Lack	90 कुन्तल	महेवा
		<input type="checkbox"/>				

15 योजनाएं							
	a	योजना के नाम	पंजीकृत लाभार्थी की संख्या	लाभ प्राप्त लाभार्थियों की संख्या	विगत वर्ष ग्राम पंचायत में प्राप्त कुल भगतान (रु0)	अन्य कोई बकाया (रु0)	की गई गतिविधियाँ / कार्य
		मनरेगा	177	50	16-5 Lack	0	चकरोड, नाली, खुदाई, सम्पर्क मार्ग
		प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना / एन.एफ.एस.ए.	210	210	0		
		प्रधानमंत्री उज्जवला योजना	210	210	-		गैस चूल्हा प्राप्त हुआ
		प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना	07	07	210000		सिंचाई हेतु सिप्लंकर
		प्रधान मंत्री कुसुम योजना	-	-	-	-	.
	b	अन्य योजनाएं					
		ग्राम उज्जवला योजना	-	-	-	-	.
		ऊर्जा दक्षता योजना	-	-	-	-	.
		प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम	-	-	-	-	-
		प्रधानमंत्री आवास योजना	38	2	1 Lack 90 Thousand		आवास
		सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी0डी0एस0)	210	210	-	-	-
		कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2	2			
		उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन	-	-	-	-	-





	राष्ट्रीय कौशल विकास योजना (RKVY)	-	-	-	-
	मौसम आधारित फसल बीमा	-	-	-	-
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)	60	60	-	-
	मृदा स्वास्थ्य कार्ड	-	-	-	-
	किसान क्रेडिट कार्ड	50	50	75 Lack	कृषि कार्य हेतु उपयोग
	स्वच्छ भारत मिशन	200	200	2 Lack 40 Thousand	शौचालय
	सौर सिंचाई पम्प योजना	1	1	95000	-
	नई/नवीन भारतीय बायोगैस व कार्बनिक खाद कार्यक्रम	1	1	90000	प्राथमिक विद्यालय में खाना बनाने की शुरुआत
	विकेन्द्रित अनाज क्रय केन्द्र योजना	-	-	-	-
	गोवर्धन योजना	-	-	-	-
	जल पुनर्भरण योजना	-	-	-	-
	रेनवाटर हार्वेस्टिंग	1	1	8000	वर्षा जल संचयन
	समन्वित वाटरशेड विकास कार्यक्रम	-	-	-	-
	अन्य वाटरशेड विकास योजनाएं	-	-	-	-
	अन्य (एक जिला-एक उत्पाद, मेक इन इण्डिया, अन्य)	-	-	-	-
	उद्यमितता सहायतित योजनाएं आदि	-	-	-	-
	-	-	-	-	-
	-	-	-	-	-

16	सक्रिय बैंक खाता धारकों की संख्या	227
17	ई-बैंकिंग/डिजिटल भुगतान एप/यू.पी.आई आदि से भुगतान करने वाले खाताधारकों की संख्या	95





18	निकट कृषि बाजार/क्रय केन्द्र/सरकारी केंद्र	क्या ग्राम पंचायत द्वारा बाजार/क्रय केन्द्र का उपयोग होता है	यदि नहीं, तो बाजार/ केन्द्र का उपयोग क्यों नहीं किया जाता	उत्पादित फसल (कु0)	बिक्री हुई फसल (कु0)	ग्राम पंचायत से दूरी (यदि ग्राम पंचायत से दूर है) (कि0मी0)
1	दिवियापुर ,औरैया	Yes	-	856 कु0 धान, बाजरा, उर्द, तिल, मक्का	423 कु0 धान, बाजरा, उर्द, तिल, मक्का	08 किमी0 दिवियापुर, 20 किमी0 औरैया
2	दिवियापुर ,औरैया	Yes	-	1524 कु0 गेहूँ, आलू, सरसों	929 कु0 गेहूँ, आलू, सरसों	08 किमी0 दिवियापुर, 20 किमी0 औरैया

19 शिक्षा (केवल ग्राम पंचायत में)						
	प्रकार/ स्तर	उपलब्ध छत का क्षेत्रफल (वर्ग मी0)	कुल नामांकित विद्यार्थियों की संख्या	विगत वर्ष में कुल ड्राप आऊट विद्यार्थियों की संख्या	ड्राप आऊट के मुख्य कारण (स्वास्थ्य (1), पहुँच/उपलब्धता-(2), आर्थिक समस्या-(3), अन्य-(4) उल्लेख करें)	
a	प्राथमिक विद्यालय	1000	123	-NIL	NIL	
b	जू0 हाई स्कूल	835	97	NIL	-NIL	
c	हाई स्कूल	0	NIL	NIL	NIL	





	d	अन्य संस्थान		NIL	NIL	

20	कौशल विकास/व्यवसायिक प्रशिक्षण/पुनः कौशल संस्थान (केवल ग्राम पंचायत में)	उपलब्ध छत का क्षेत्रफल (वर्ग मी0)	संस्थान के प्रकार (सरकारी 1, निजी 2)	नामांकित व्यक्तियों की संख्या	नामांकित व्यक्तियों की आयु
	NIL				

21	राज्य/राष्ट्रीय राजमार्ग की उपलब्धता			
	राजमार्ग का नाम	राज्य मार्ग 1, राष्ट्रीय राजमार्ग 2	ग्राम पंचायत से दूरी	सम्पर्क मार्ग की स्थिति अच्छा (1), खराब (2), घटिया (3), सबसे घटिया (4)
1	लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे	2	50 कि0मी0	1
2	बुन्देखण्ड एक्सप्रेसवे	1	20 कि0मी0	1
3	औरैया फफूँद मार्ग	1	3 कि0मी0	3

### III. भूमि संसाधनों संबंधित सूचनाएं/जानकारी

22	वन भूमि का विवरण	
----	------------------	--







a	वन का क्षेत्र	NIL
b	वन विभाग द्वारा अधिसूचित क्षेत्र	NIL
c	सार्वजनिक उपयोग हेतु उपलब्ध वन क्षेत्र	NIL
d	कितने क्षेत्र पर अतिक्रमण है?	NIL
e	विगत पांच वर्षों में कोई वन उन्मूलन/वन कटाई की गतिविधियां	NIL
f	अनुमानित वन उन्मूलन/वन कटाई का क्षेत्रफल (एकड़)	NIL

23		अन्य भूमि का वर्गीकरण		
a	ग्राम पंचायत के पास ग्राम सभा की कितनी भूमि उपलब्ध है?	5 एकड़		
b	कितनी भूमि पर अतिक्रमण है? (एकड़)	1 एकड़		
c	ग्राम पंचायत में खनन गतिविधियां		नहीं	आच्छादित क्षेत्रफल
	खनन के प्रकार बालू खनन 1, खनिज खनन—(उल्लेख करें) 2, अन्य (उल्लेख करें) 3	0		
	अतिरिक्त सूचनाएं	0		

24		जल निकाय क्षेत्र		
	विवरण	हां	नहीं	
a	क्या आप के ग्राम पंचायत में जल निकाय क्षेत्र है?	हाँ	<input type="checkbox"/>	
b	ग्राम पंचायत में कुल जल निकाय क्षेत्रों की संख्या	3		
c	क्या जल निकाय क्षेत्र में अतिक्रमण है?	हाँ	<input type="checkbox"/>	
d	जल निकाय क्षेत्र में अतिक्रमण कब से है?	पिछले दशक से		
e	क्या जल निकाय क्षेत्र के आस-पास के भूमि पर अतिक्रमण किया गया है?	हाँ		





25		जल आपूर्ति
a	ग्राम पंचायत में घरों हेतु जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत क्या है? नहर (1) वर्षा जल-(2) भूमिगत जल-(3) तालाब/झील-(4) अन्य- (5)	(3)
b	क्या उपरोक्त जल आपूर्ति के स्रोत मौसमी या बारहमासी है?	बारहमासी
c	घरों में जल आपूर्ति कैसे होती है? पाइप जलापूर्ति (1) ग्राम पंचायत में सामान्य संग्रह केन्द्र (2) पानी टंकी (3) महिलाओं/बच्चों द्वारा दूर से लाया गया (4) हैण्डपम्प (5) ऊँचा सतही जलाशय (6) कूआ (7) अन्य (8), उल्लेखित करें। अगर 4 है, तो कितनी दूर से लाया जा रहा है?	(5)
d	कितने घरों में जलापूर्ति पाइप से है?	0
e	क्या पानी का बहाव/प्रवाह दर कम, अधिक या संतोषजनक है?	0
f	पाइप जलापूर्ति की नियमितता 24× 7 घण्टे (1) काफी नियमित (2) अनियमित (3)	00
g	ग्राम पंचायत में कृषि सिंचाई हेतु जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत क्या है? नहर (1) वर्षा जल (2) भूमिगत जल - (नलकूप (3 A), कूआ (3 B)) तालाब/झील (4)	(1) (नलकूप 3 A)



	पानी टैंक (5) नदी (6) अन्य (7)	
h	क्या उपरोक्त जल आपूर्ति स्रोत मौसमी या बारहमासी है?	मौसमी
i	क्या जलापूर्ति का बहाव/प्रवाह दर कम/अधिक या संतोषजनक है?	संतोषजनक
j	अतिरिक्त जानकारी (उदाहरण : क्या घरेलू, कृषि व संबंधित गतिविधियों, उद्योगों आदि के लिए जल आपूर्ति पर्याप्त है) क्या विगत वर्षों में भूजल, नदी या नहर से जल की उपलब्धता बढ़ी/घटी या सूख गया? क्या सूखे या गर्मी के मौसम में पानी की टंकियों का उपयोग बढ़ जाता है?	घटी है





#### IV. जलवायु की धारणा

तापमान व वर्षा में प्रमुख परिवर्तन/बदलाव				
<b>26</b>				
<b>A</b>	गर्मी के माह में देखा गया			
<b>B</b>	गर्मी के तापमान में देखे गए बदलाव (पिछले पांच वर्षों में)	गर्म दिनों में वृद्धि	गर्म दिनों में कमी	गर्म दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		Yes	NO	NO
<b>C</b>	दिनों की संख्या	45 Day		
<b>D</b>	अन्य सूचनाएं (गर्मी माह में कोई परिवर्तन)	6 Month गर्मी ईट भट्टा, फैक्ट्री		
<b>27</b>				
<b>A</b>	सर्दी के माह में महसूस किया गया			
<b>B</b>	सर्दियों के तापमान में कोई परिवर्तन पाया गया (विगत पांच वर्षों में)	ठण्ड दिनों में वृद्धि	ठण्ड दिनों में कमी	ठण्ड दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		NO	Yes	NO
<b>C</b>	दिनों की संख्या	60 Days		
<b>D</b>	अन्य सूचनाएं (सर्दी माह में कोई परिवर्तन)	सर्दी तेज पड़ती और कुछ ही दिनों में समाप्त हो जाती है। जिससे कुहरा और पाला पड़ जाता है।		
<b>28</b>				
<b>A</b>	मानसून माह में महसूस किया गया			
<b>B</b>	मानसून ऋतु की वर्षा में कोई परिवर्तन देखा गया (विगत पांच वर्षों में)	वर्षा के दिनों में वृद्धि	वर्षा के दिनों में कमी	वर्षा के दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		NO	Yes	No
<b>C</b>	दिनों की संख्या	1 Month		
<b>D</b>	अन्य सूचनाएं (मानसून माह में कोई परिवर्तन)	वर्षा हवा के साथ तेज होती सिर्फ 1 से 02 माह		
<b>29</b>				
<b>A</b>	क्या गैर मानसून ऋतु की वर्षा में परिवर्तन हुआ है? (विगत पांच वर्षों में)	वर्षा के दिनों में वृद्धि	वर्षा के दिनों में कमी	वर्षा के दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		Yes	NO	NO
<b>B</b>	ग्रीष्म ऋतु की वर्षा में देखे गये परिवर्तन	वर्षा दिनों में वृद्धि	वर्षा दिनों में कमी	वर्षा के दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		NO	Yes	NO
<b>C</b>	दिनों की संख्या	5 – 8 Days		
<b>D</b>	शरद ऋतु की वर्षा में देखे गये परिवर्तन	वर्षा के दिनों में वृद्धि	वर्षा के दिनों में कमी	वर्षा के दिनों में कोई परिवर्तन नहीं





		Yes	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
E	दिनों की संख्या	10 Days		
F	अन्य सूचनाएँ/जानकारी	तेज हवा के साथ वर्षा जिससे फसलो को नुकसान होता है।		





### चरम मौसम की घटनाएं

30 सूखा						
a	सूखे की घटना	प्रथम वर्ष (2022) Yes	द्वितीय वर्ष (2021) Yes	तृतीय वर्ष (2020) Yes	चतुर्थ वर्ष (2019) Yes	पंचम वर्ष (2018) Yes
b	किस माह में सूखा देखा गया	अगस्त	जुलाई	सितम्बर	सितम्बर	सितम्बर
c	सूखे का प्रबन्धन कैसे किया गया (सरकारी सहायता, निजी सहायता, कुएं खोदा आदि)	घरेलू स्तर पर प्रबन्धन –निजी सहायता			कृषि स्तर पर प्रबन्धन–निजी सहायता	
d	सूखे की आवृत्ति : सूखे की घटना (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि Yes	कमी <input type="checkbox"/>	कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>		
e	अतिरिक्त सूचना कोई पुरानी प्रमुख घटना-1, स्वास्थ्य पर प्रभाव-2	बुखार, पानी की कमी होना बच्चों व बुजुर्गों				
31 बाढ़						
	बाढ़ की घटना	प्रथम वर्ष (2022) YES	द्वितीय वर्ष (2021) NO	तृतीय वर्ष (2020) NO	चतुर्थ वर्ष (2019) NO	पंचम वर्ष (2018) NO
b	किस माह में बाढ़ देखा गया	सितम्बर, अक्टूबर				
c	बाढ़ का प्रबन्धन कैसे किया गया (सरकारी सहायता, निजी सहायता आदि)	घरेलू स्तर पर प्रबन्धन			कृषि स्तर पर प्रबन्धन	
d	बाढ़ की आवृत्ति : बाढ़ की घटना (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि	कमी Yes	कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>		
e	अतिरिक्त सूचना कोई पुरानी प्रमुख घटना-1, स्वास्थ्य पर प्रभाव-2	बुखार एवं मलेरिया, दस्त				
32 भूस्खलन						
a	भूस्खलन की घटना नहीं होती हैं।	प्रथम वर्ष (2022) <input type="checkbox"/>	द्वितीय वर्ष (2021) <input type="checkbox"/>	तृतीय वर्ष (2020) <input type="checkbox"/>	चतुर्थ वर्ष (2019) <input type="checkbox"/>	पंचम वर्ष (2018) <input type="checkbox"/>
b	किस माह में भूस्खलन देखी गई					
c	भूस्खलन का प्रबन्धन कैसे किया गया (सरकारी सहायता, निजी सहायता आदि)	घरेलू स्तर पर प्रबन्धन			कृषि स्तर पर प्रबन्धन	
d	भूस्खलन की आवृत्ति : भूस्खलन की घटना (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि <input type="checkbox"/>	कमी <input type="checkbox"/>	कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>		





e	अतिरिक्त सूचना कोई पुरानी प्रमुख घटना-1, स्वास्थ्य पर प्रभाव-2					
<b>33 ओलावृष्टि</b>						
a	ओलावृष्टि की घटना	प्रथम वर्ष (2022)	द्वितीय वर्ष (2021)	तृतीय वर्ष (2020)	चतुर्थ वर्ष (2019)	पंचम वर्ष (2018)
		NO	NO	YES	YES	YES
b	किस माह में ओलावृष्टि हुई			अप्रैल	मार्च	मार्च
c	ओलावृष्टि का प्रबन्धन कैसे किया गया (सरकारी सहायता, निजी सहायता आदि)	घरेलू स्तर पर प्रबन्धन			कृषि स्तर पर प्रबन्धन	
d	ओलावृष्टि की आवृत्ति : ओलावृष्टि की घटना (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि	कमी	कोई परिवर्तन नहीं		
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	Yes		
<b>34 फसलों के कीट/बीमारी</b>						
a	कीट/बीमारी की घटनाक्रम	प्रथम वर्ष (2022)	द्वितीय वर्ष (2021)	तृतीय वर्ष (2020)	चतुर्थ वर्ष (2019)	पंचम वर्ष (2018)
		Yes	Yes	Yes	Yes	Yes
b	किस माह में कीट/बीमारी को देखा गया?	अगस्त, सितम्बर, फरवरी, मार्च	अगस्त, सितम्बर, फरवरी, मार्च	अगस्त, सितम्बर, फरवरी, मार्च	अगस्त, सितम्बर, फरवरी, मार्च	अगस्त, सितम्बर, फरवरी, मार्च
c	कीट/बीमारी का प्रबन्धन कैसे किया गया? (सरकारी सहायता, निजी सहायता आदि)	निजी खर्च से दवाओं का छिड़काव करते हैं।				
d	कीट/बीमारी की आवृत्ति : कीट बीमारी का घटनाक्रम (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि	कमी	कोई परिवर्तन नहीं		
		Yes	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		
	अतिरिक्त जानकारी/सूचनाएं					

<b>35 ग्राम पंचायत में आपदा की तैयारी</b>					
		ग्राम पंचायत स्तर पर क्या आपदा प्रबन्धन/तैयारी के उपाय उपलब्ध हैं?		क्या ग्रामीणों तक इसकी पहुँच/उपलब्धता है?	
	आपदा तैयारी के उपाय	हां	नहीं	हां	नहीं
	ग्राम आपदा प्रबन्धन योजना	<input type="checkbox"/>	नहीं	<input type="checkbox"/>	नहीं
	ग्राम आपदा प्रबन्धन समिति	<input type="checkbox"/>	नहीं	<input type="checkbox"/>	नहीं
	पूर्व चेतावनी प्रणाली/मौसमी चेतावनी प्रणाली/कृषि चेतावनी प्रणाली	हां	<input type="checkbox"/>	हां	<input type="checkbox"/>
	आपातकाल अनाज बैंक	<input type="checkbox"/>	नहीं	<input type="checkbox"/>	नहीं





अन्य	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
------	--------------------------	--------------------------	--------------------------	--------------------------

<b>36</b>	<b>अनाज भण्डारण</b>	
a	ग्राम पंचायत के आपातकालिन खाद्य/अनाज बैंक में किस प्रकार का भोजन भण्डारित किया जाता है?	
	अनाज (विवरण दें)	NIL
	तेल	
	घीनी	
	अन्य खाद्य पदार्थ – उल्लेख करें	
b	क्या ग्राम पंचायत में शीतगृह है, अगर है तो उसकी क्षमता क्या है?	

<b>37</b>	<b>ग्राम पंचायत में मौसम की चेतावनी, पूर्व चेतावनी प्रणाली, कृषि आधारित चेतावनी के लिए उपलब्ध जानकारी के स्रोत</b>	
	स्थानीय कृषि अधिकारी	
	समाचार पत्र/समाचार/रेडियो	समाचार पत्र/समाचार/रेडियो
	मोबाईल फोन/एप	मोबाईल फोन/एप
	मौखिक	
	कृषि विज्ञान केन्द्र/कृषि ज्ञान केन्द्र	कृषि विज्ञान केन्द्र/कृषि ज्ञान केन्द्र
	पशुपालन विभाग	
	उद्यान विभाग	
	अन्य	

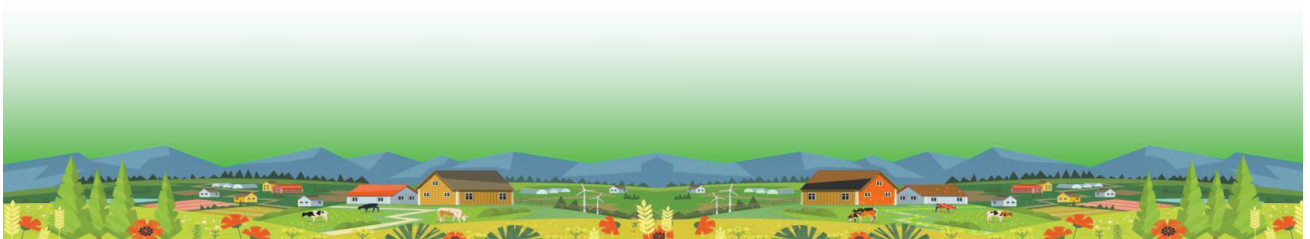
**कृषि एवं संबंधित गतिविधियों पर प्रभाव (विगत पांच वर्षों में)**

<b>38</b>	<b>फसल हानि</b>					
a	घटना का वर्ष	हानि की ऋतु/मौसम खरीफ (1) रबी (2) जायद/अन्य ऋतु (3)	फसल का नाम	हानि के कारण रोग, चरम, घटनाक्रम— गर्मी, टण्ड, वर्षा, ओलावृष्टि, मिट्टी आदि	अनुमानित हानि की मात्रा (कुन्तल)	परिणाम स्वरूप आय में हानि (औसत रु0)
	प्रथम वर्ष (2022)	1,2	धान, आलू, बाजरा	वर्षा	25-30%	-





	द्वितीय वर्ष (2021)	2	गेहूँ	ओले	25 %	
	तृतीय वर्ष (2020)					
	चतुर्थ वर्ष (2019)	2	आलू	वर्षा	20 %	
	पंचवां वर्ष (2018)	2	आलू, गेहूँ	वर्षा	15 %	
b	क्या आप फसल बीमा के बारे में जानते हैं?	हां	नहीं			
		हां	<input type="checkbox"/>			
	अतिरिक्त जानकारी (फसल बीमा के लाभार्थी- बड़े किसान, लघु एवं सीमान्त किसान आदि) फसल बीमा लाभार्थी का संतुष्टि स्तर क्या है?	संतुष्ट नहीं है।				





39 फसल पद्धति में बदलाव					
a	सामान्य फसल गेहूँ, धान	खरीफ धान, तिल, उर्द	रबी गेहूँ, आलू, सरसों	जायद/अन्य ऋतु	
b	फसल का नाम	पारम्परिक बोआई का समय	विगत 5 वर्षों में बोआई के समय में परिवर्तन हुआ है/देखा है	अभी बोआई का समय	परिवर्तन के कारण
	धान	जुलाई	हाँ	अगस्त	वर्षा का समय से न होना
	बजरा	जुलाई	हाँ	अगस्त	वर्षा का समय से न होना
	मक्का	जून जुलाई	हाँ	जुलाई	वर्षा का समय से न होना
	गेहूँ	अक्टूबर, नवम्बर	हाँ	नवम्बर, दिसम्बर	वर्षा की कमी
	टालू	अक्टूबर, नवम्बर	हाँ	नवम्बर, दिसम्बर	वर्षा की कमी
	सरसो	अक्टूबर	हाँ	नवम्बर	वर्षा की कमी
c	अन्य सूचना/जानकारी (विलुप्त फसल/प्रजाति आदि उल्लेख करें)	कोदों,समा, अरहर, ज्वार, मूँग, रोसा, मसूर, चना, अलसी, कठिया गेहूँ			

40 सिंचाई प्रणाली/पद्धति में परिवर्तन					
a	फसल का नाम	वर्तमान में सिंचाई पद्धति का उपयोग फव्वारा सिंचाई (1), टपक विधि (2), नहर (3), वर्षा आधारित (4), पारम्परिक (5), अन्य (6) (उल्लेखित करें)	वर्तमान में उपयोग किए गए पानी की मात्रा (रुपया/एकड़)	वर्तमान में सिंचाई पद्धति का उपयोग फव्वारा सिंचाई (1), टपक विधि (2), नहर (3), वर्षा आधारित (4), पारम्परिक (5), अन्य (6) (उल्लेखित करें)	पूर्व में उपयोग किए गए पानी की मात्रा (रुपया/एकड़)
1	गेहूँ, आलू, सरसो	नहर, 3	700/1	नहर, 3	50/1





		निजी ट्यूववैल 6		निजी ट्यूववैल 6		
	b	ग्राम पंचायत में सिंचाई हेतु पम्पों की संख्या	डीजल आधारित 13	विद्युत आधारित 7	सौर पम्प 1	पारम्परिक सिंचाई विधियां नहर
	c	अन्य सूचनाएं/जानकारी अगर कोई है				
<b>41 पशु पालन/पशुधन</b>						
	a	ग्राम पंचायत में प्रचलित पशुधन और पशुपालन सम्बन्धित गतिविधियां श्रेणी : डेयरी (1) मुर्गी पालन (2) मत्स्य पालन (3) सूअर पालन (4) मधुमक्खी पालन (5) अन्य- स्पष्ट करें (6)		1 2 3 4		
	b	डेयरी पर प्रभाव	पशु हानि गाय (1) भैंस (2) अन्य (3)	पशु हानि की संख्या (प्रत्येक पशु को उल्लेख करें)	हानि के कारण (रोग, आयु, दुर्घटना आदि)	हानि का मौसम उत्पादकता में कोई परिवर्तन देखा गया? वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं (3)
		प्रथम वर्ष (2022)	1, 2, 3	3 3 3	रोग	वर्षा, गर्मी 2
		द्वितीय वर्ष (2021)	NIL			
		तृतीय वर्ष (2020)	NIL			
		चतुर्थ वर्ष (2019)	NIL			
		पंचम वर्ष (2018)	NIL			
		अन्य जानकारी/सूचनाएं	NIL			





	c	मुर्गी पालन पर प्रभाव	पक्षी हानि मुर्गी (1) बत्तख (2) अन्य (3)	पक्षी हानि की संख्या (प्रत्येक पक्षी का उल्लेख करें)	हानि के कारण	हानि के मौसम/ ऋतु	उत्पादकता में कोई परिवर्तन पाया गया है? वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं (3)
		प्रथम वर्ष (2022)	NIL				
		द्वितीय वर्ष (2021)	1	मुर्गी 25	रोग	वर्षा, सर्दी	
		तृतीय वर्ष (2020)	NIL				
		चतुर्थ वर्ष (2019)	NIL				
		पंचम वर्ष (2018))	NIL				
		अन्य जानकारी/सूचनाएं					
	d	अन्य पशुओं पर प्रभाव	पशु हानि (कृपया निर्दिष्ट करें कि कौन से हैं)	पशु हानि की संख्या (प्रत्येक पशु का उल्लेख करें)	हानि के कारण	हानि की ऋतु	उत्पादकता में कोई परिवर्तन पाया गया है? वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं (3)
		प्रथम वर्ष (2022)	NIL				
		द्वितीय वर्ष (2021)	NIL				
		तृतीय वर्ष (2020)	NIL				
		चतुर्थ वर्ष (2019)	NIL				
		पंचम वर्ष (2018)	NIL				
		अन्य जानकारी/सूचनाएं	NIL				





## V. कृषि व पशुपालन

42	a	प्रमुख उगाई जाने वाले फसलें व सम्बन्धित सूचनाएं/जानकारी									खरपतवारनाशी		
				उर्वरक उपयोग			कीटनाशक उपयोग						
		फसल (अनाज, तिलहन, दलहन, उद्यान एवं फूल आदि )	ऋतु/ मौसम	उपज (कु0)	उर्वरक के प्रकार	औसत प्रयुक्त मात्रा (किग्रा/ एकड़)	क्या विगत पांच वर्षों में उपयोग किये गये उर्वरकों की मात्रा में वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं है (3)	कीटनाशकों के प्रकार	औसत प्रयुक्त मात्रा (किग्रा/ एकड़)	क्या विगत पांच वर्षों में उपयोग किये गये कीटनाशकों की मात्रा में वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं है (3)	खरपतवार नाशों के प्रकार	औसत प्रयुक्त मात्रा (किग्रा/ एकड़)	क्या विगत पांच वर्षों में उपयोग किये गये खरपतवार की मात्रा में वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं है (3)
1		धान, मक्का, बाजरा	वर्षा	2060	रासायनिक कीटनाशक	138 कि0	1	कीटनाशक,	2 ली0	1	खरपतवार नाशक	2 ली0	1
2		गेहूँ, आलू, सरसो	रवि	3580	रासायनिक कीटनाशक	140 कि0	1	कीटनाशक,	2 ली0	1	खरपतवार नाशक	2 ली0	1
b		क्या ग्राम पंचायत में फसल अवशेष जलाये जाते हैं	हां <input type="checkbox"/>	नहीं <input type="checkbox"/>	जलाये गये खेतों का कुल क्षेत्रफल (एकड़)	क्या यह फसल अवशेष पूर्व में जलाये जाते थे	हां	अगर नहीं तो, कब से जलाना आरम्भ किया	40 Years	क्या फसल अवशेष प्रबन्धन की योजनाओं को जानते/जागरूक है?	नहीं		



#### 43 जैविक खेती सम्बन्धित गतिविधियां

फसल	क्षेत्रफल	प्रति फसल आय (रु०/कुन्तल)	बिक्री हेतु बाजार	तृतीय पक्ष द्वारा प्रमाणित / सत्यापित
NIL				

#### 44 अन्य स्थाई खेती सम्बन्धी गतिविधियां (जैसे शून्य/जीरो बजट प्राकृतिक खेती)

फसल	स्थायी गतिविधियां ( शून्य जुताई, मल्विंग, फसल चक्र, अर्न्तःफसलें, वर्मी कम्पोस्ट, कम्पोस्ट, मिश्रित फसलें, प्राकृतिक कीट प्रबन्धन, जैव पदार्थ में वृद्धि आदि )	क्षेत्रफल (एकड़)	प्रति फसल प्राप्त आय (रूपया)
NIL			







46 अपनाये गये स्थायी पशुधन प्रबन्धन तकनीक				
पशुधन के प्रकार	ग्राम पंचायत में कुल संख्या (लगभग)	अपनाई गई गतिविधियां (चारा में परिवर्तन, पोषण पूरक अर्थात् पशुआहार, खुले में चराई आदि)	प्राप्त / उत्पादित आय प्रति पशुधन	
गाय (देशी नस्ल)	40	चारा, खुले में चराई	10000	
गाय (संकर नस्ल)	20	चारा, खुले में चराई	13000	
भैंस (देशी नस्ल)	50	चारा, खुले में चराई	15000	
भैंस (संकर नस्ल)	10	चारा, खुले में चराई	20000	
बकरी	108	चारा, खुले में चराई	5000	
सुअर	10	खुले में	7000	
मुर्गी	80	खुले में	300	
मत्स्य			0	
अन्य			0	



48 टोस अपशिष्ट उत्पादन/अपशिष्ट प्रबन्धन							
a	अपने घर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाला अपशिष्ट पदार्थ/कचरा	सब्जी का छिलका, फसल अवशेष, मिट्टी धूल प्लास्टिक आदि,	लगभग 2 किलो				सड़क व तालाब के किनारे फेक देते हैं।
b	आपके ग्राम पंचायत में अपशिष्ट पदार्थ/कचरा कैसे इकट्ठा किया जाता है?	नहीं					
c	कचरा संग्रह कितनी बार होता है?	<input type="checkbox"/> प्रतिदिन	<input type="checkbox"/> साप्ताहिक	<input type="checkbox"/> वैकल्पिक दिन			
	<b>नहीं</b>	<b>हां</b>	<b>नहीं</b>				
d	क्या आपके क्षेत्र में कोई स्थान है, जहां कचरा इकट्ठा डाला जा सकता है? यदि हां तो कृपया आपकी ग्राम पंचायत से कितनी दूरी पर है या किस स्थान पर है?	हां	<input type="checkbox"/>	ग्राम पंचायत से दूरी/ग्राम पंचायत में अवस्थिति		20 मीटर	
e	क्या आपके ग्राम पंचायत क्षेत्र में सामान्य कूड़ेदान रखे गये हैं?	हां	<input type="checkbox"/>				
f	क्या आप कचरे को सूखे और गीले कचरे की श्रेणी में बांटते हैं?	<input type="checkbox"/>	<b>नहीं</b>				
g	आप गृह स्तर पर कचरे का उपचार कैसे करते हैं?	पुनःचक्रमण	कम्पोटिंग	वर्मी कम्पोस्ट	अपशिष्ट	जलाना	अन्य (उल्लेखित करें)
		<input type="checkbox"/>	हां	<input type="checkbox"/>		<input checked="" type="checkbox"/>	सड़क व तालाब के किनारे फेक देते हैं। कभी कभी जलाते भी हैं।

49 खुले में शौच मुक्त स्थिति				
a	क्या आपका गांव खुले में शौच मुक्त घोषित है?	हां	<input type="checkbox"/> नहीं	हां
b	स्वयं के शौचालय वाले परिवारों की संख्या	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	217





c	सामुदायिक शौचालय/इज्जत घर की संख्या	हां	<input type="checkbox"/>	प्रमुख स्थान-पंचायत भवन के पास
d	क्या शौचालय का उपयोग किया जा रहा है?	नहीं		
e	अगर शौचालय का उपयोग नहीं किया जा रहा है तो क्यों? (साफ-सफाई का अभाव, रख-रखाव का अभाव, बहुत दूर आदि)	जागरूकता की कमी		

50	अपशिष्ट जल	घरेलू	व्यवसायिक	औद्योगिक	कृषि गतिविधियां	गंदा नाला
a	अपशिष्ट जल का क्या स्रोत है?	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	Yes
b	उत्पन्न अपशिष्ट जल की मात्रा (अनुमानित लीटर प्रतिदिन)	120 Ltr				
c	गांव में किया गया अपशिष्ट जल उपचार, यदि कोई है तो-	No				
d	अपशिष्ट जल पुनःचक्रण या पुनः उपयोग की गतिविधि, यदि कोई है तो-	No				

51	स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा		
	स्वास्थ्य केन्द्र की उपलब्धता	हां	उपलब्ध छत का क्षेत्रफल 60 (वर्गमीटर)
a	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
b	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
c	उपस्वास्थ्य केन्द्र	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
d	आंगनवाड़ी	हां	उपलब्ध छत का क्षेत्रफल 30 (वर्गमीटर)
e	आशा	हां	<input type="checkbox"/>
f	स्वास्थ्य कैम्प/मेला	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
g	डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

52	रोग/बीमारी								
	विगत वर्ष निम्नवत् बीमारी/रोग से कितने लोग प्रभावित हुए हैं?	प्रभावित कुल व्यक्तियों की संख्या	प्रभावित आयु समूह	सामान्य उपचार का विकल्प					
			प्रभावित बच्चों की संख्या	प्रभावित व्यवस्कों की संख्या	प्रभावित वरिष्ठ नागरिकों की संख्या	स्थानीय स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं (उल्लेख करें)	घरेलू देखभाल	घर-घर जाने वाला	अन्य (उल्लेख करें)





a	वेक्टर-जनित रोग (मलेरिया, डेंगू, चिकेनगुनिया आदि)	20	12	2	6		Yes	<input type="checkbox"/>	स्वास्थ य केन्द्र
b	जल-जनित रोग (हैजा/ डायरिया/ टाईफाई ड/ हैपेटाइटिस आदि)	35	18	5	12		Yes	<input type="checkbox"/>	स्वास्थ य केन्द्र
c	श्वास सम्बन्धी रोग जो वायु प्रदूषण से होते हैं (इनडोर एण्ड आउटडोर)	50	2	10	38		Yes	<input type="checkbox"/>	स्वास्थ य केन्द्र
d	कुपोषण	-	-	-	-	-	-	-	-

## VII. उर्जा

53		
a	आपके ग्राम पंचायत में कुल कितने घर विद्युतकृत हैं	241
b	ग्राम पंचायत में निम्नलिखित अनुमानित विद्युत उपकरणों की संख्या	
	ए0सी0	0
	एयर कुलर	20
	रेफ्रिजरेटर/ फ्रीज	50

54	विद्युत कटौती की आवृत्ति	
a	दिन में कुछ बार	2 बार
	दिन में एक बार	<input type="checkbox"/>
	विद्युत कटौती नहीं	<input type="checkbox"/>
b	प्रतिदिन कितने घण्टे गुल रहती है?	6 घण्टे
	यदि प्रतिदिन नहीं तो सप्ताह में कितने घण्टे बिजली गुल होती है?	

55	वोल्टेज अस्थिरता/ उतार-चढ़ाव की आवृत्ति क्या है?	
	दिन में कुछ बार	<input checked="" type="checkbox"/>
	दिन में एक बार	<input type="checkbox"/>
	अस्थिरता/ उतार-चढ़ाव नहीं	<input type="checkbox"/>





56	पावर बैकअप का मतलब विद्युत कटौती के दौरान उपयोग	संख्या
	डीजल चलित जेनरेटर	
	सौर उर्जा	1
	इमरजेंसी लाईट	10
	इन्वर्टर	5
	अन्य साधन (उल्लेख करें)	मोमबल्ली,

57	नवीकरणीय/अक्षय ऊर्जा के स्रोत		
a	क्या गांव में निम्नलिखित में से कोई स्थापना है?	इंस्टालेशन (स्थापना) की संख्या	कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट)
	घर की छतों पर सौर उर्जा स्थापना	—	—
	विद्यालय की छत पर सौर उर्जा स्थापना	1	01 किलोवाट
	चिकित्सालय की छत पर सौर उर्जा स्थापना	—	—
	ग्राम पंचायत भवन पर सौर उर्जा स्थापना	1	01 किलोवाट
	अन्य सौर उर्जा स्थापना	—	—
	सौर स्ट्रीट लाईट	—	—
	बायोगैस	1	02 घनमीटर
	विकेंद्रित नवीनीकरण उर्जा/मिनी ग्रीड	—	—
b	क्या आप सौर उर्जा स्थापना के लिए उपलब्ध अनुदान के बारे में जानते हैं (कुछ योजनाओं/कार्यक्रमों का उल्लेख करें)	नहीं	—

58	भोजन बनाने हेतु प्रयुक्त ईंधन	परिवारों की संख्या	प्रति परिवार प्रयुक्त औसत मात्रा (किग्रा/महीना)
	पारम्परिक जलौनी (उपले/जलौनी लकड़ी)	21	50 किलो
	बायोगैस	—	—
	एलपीजी गैस	220	14 कि०
	विद्युत	—	—





	सौर उर्जा	—	—
	अन्य (कोयला, मिट्टी का तेल, चारकोल आदि)	—	—
<b>59</b>	<b>वाहन की संख्या</b>		
	<b>वाहन के प्रकार</b>	<b>ग्राम पंचायत में वाहन संख्या (अनुमानित)</b>	<b>प्रयुक्त ईंधन के प्रकार</b>
a	जीप	—	—
b	कार	20	डीजल, पेट्रोल
c	दो पहिया वाहन	130	पेट्रोल
d	विद्युत चालित वाहन	—	—
e	आटो	—	—
f	ई-रिक्शा	10	लाइट
g	अन्य	3	डीजल

<b>60</b>	<b>कृषि यंत्र</b>	<b>ग्राम पंचायत में कृषि यंत्रों/मशीनों की संख्या</b>	<b>प्रयुक्त ईंधन के प्रकार</b>	<b>तय की गई औसत दूरी (किमी प्रतिदिन)</b>
a	टैक्टर	4	डीजल	5 कि०मी०
b	कम्बाईन हारवेस्टर	—	—	—
c	अन्य (कृपया उल्लेख करें)	—	—	—

<b>61</b>	<b>ग्राम पंचायत में अवस्थित पेट्रोल पम्प (अगर कोई है)</b>									
	<b>ईंधन के प्रकार</b>	<b>प्रतिदिन की बिक्री</b>	<b>पम्प से आपूर्ति वाले गांव की संख्या</b>	<b>कितने प्रकार के वाहन एक दिन/महीना में पेट्रोल पम्प से ईंधन लेते हैं? (समय/ अवधि का उल्लेख करें)</b>						
				<b>टैक्टर</b>	<b>कृषि यंत्र</b>	<b>जीप</b>	<b>कार</b>	<b>दो पहिया वाहन</b>	<b>आटो</b>	<b>ई-रिक्शा</b>







a	NIL										
b											

62	औद्योगिक इकाई			
	उद्योग के प्रकार	संख्या	ऊर्जा के स्रोत: ग्रिड विद्युत (1), डीजल जेनरेटर (2), नवीनीकरण/अक्षय ऊर्जा (3)	ऊर्जा की खपत प्रति माह विद्युत का उपयोग (किलोवाट) ईंधन उपयोग (लीटर प्रतिदिन)
1	गैल इण्डिया	1	ग्रिड	
2	एनटीपीसी	1	ग्रिड	

नोट- ग्राम पंचायत कोटीपुर से औद्योगिक इकाई की दूरी दिवियापुर व पाता से 08 किमी है इसलिए लोगों को ऊर्जा के खपत के बारे में जानकारी नहीं है।



# अनुलग्नक III: एचआरवीसीए (HRVCA) रिपोर्ट

## क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना



ग्राम पंचायत—कोठीपुर

# खतरा, जोखिम, नाजुकता एवं क्षमता विश्लेषण

## जलवायु परिवर्तनशीलता—प्रवृत्ति/परिवर्तन, मुख्य चुनौतियां/ झटके एवं तनाव

ग्राम पंचायत कोठीपुर में सभी मौसम, सर्दी, गर्मी, एवं बरसात का प्रभाव रहता है। 30 वर्ष पूर्व सर्दी नवम्बर माह से फरवरी-मार्च तक पड़ती थी किन्तु अब सर्दी देर से शुरू हो रही है, दिसम्बर माह में सर्दी शुरू हो रही है और जनवरी के बाद ही समाप्त हो जाती है। पहले बरसात मई माह से अगस्त माह तक एक दो दिन के अंतर पर होती रहती थी, सितम्बर में भी बारिश हो जाती थी। किन्तु वर्ष 2021 में बरसात के मौसम मई-जून में बारिश हुई ही नहीं और जुलाई माह में एक-दो दिन में ही अधिक वर्षा हो गई फिर कई दिनों तक बारिश नहीं हुई जिससे सूखा जैसी स्थिति बन गई। खेती-किसानी करने वाले लोगों से पता चला कि आज से 30 वर्ष पहले धान की फसल में उन लोगों किसानों को सिंचाई नहीं करनी पड़ती थी किन्तु 2022 में धान की फसल में 2-4 बार सिंचाई करना पड़ी है। विभिन्न प्रक्रिया के तहत पीआरए विधियों का उपयोग करते हुए विभिन्न टूल्स के माध्यम से सम्पादित की गई गतिविधियों से प्राप्त सूचना एवं प्राथमिक आंकड़ों के आधार पर जलवायुगत आपदा खतरा जोखिम प्रोफाइल में अपेक्षित सूचनाओं का संकलन किया गया। आपदा-खतरा जोखिम प्रोफाइल से संबंधित सूचनाएं निम्नवार वार हैं -



### 1. समुदाय को प्रभावित करने वाली आपदाओं की पहचान करना एवं इनका

**प्राथमिकीकरण**—समुदाय के साथ उन आपदाओं के बारे में विस्तृतरूप से चर्चा व विचार-विमर्श किया गया जिनसे उनकी दैनिक दिनचर्या, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं साफसफाई आदि प्रभावित होते हैं। चर्चा के आधार पर आपदाओं की एक सूची प्राप्त हुई। इस सूची में सम्मिलित आपदाओं के प्रभाव को एवं इनसे उत्पन्न समस्याओं की तुलनात्मक रैंकिंग को देखते हुए उनका प्राथमिकीकरण किया गया। इस गांव की मुख्य आपदा जलजमाव, सूखा, जलनिकासी एवं कचरा निपटान न हो पाना है। इससे खेती, आजीविका, स्वास्थ्य, पेयजल, एवं साफसफाई आदि में सभी क्षेत्रों जोखिम की संभावना बनती है।

### **आपदा का इतिहास एवं क्षति—**

समुदाय के साथ उन आपदाओं के बारे में विस्तृतरूप से चर्चा व विचार-विमर्श किया गया जिनका अब तक व्यापक प्रभाव समुदाय एवं संसाधनों पर पड़ा है और जिनकी क्षति अभी तक लोग भूल नहीं पाए हैं। ग्राम कोठीपुर में वर्ष 2012 में यहां पर सेंगर नदी के द्वारा बाढ़ की बड़ी घटना हुई थी। जिसमें 32 हे० जमीन की फसल प्रभावित हुई थी तथा 60 परिवार प्रभावित हुए। उसके बाद से पिछले वर्षों में 2018 में सूखे ने लगभग पूरे गांव को प्रभावित किया है। माह अगस्त में थोड़ी बहुत वर्षा होती है। वर्ष 2022 में पहले माह अगस्त तक वर्षा न होने के कारण खरीफ की फसलें प्रभावित हुईं निजी ट्यूबवैलो से सिंचाई करके फसल की बुवाई हो पाई थी। लेकिन जनवरी-फरवरी माह में ज्यादा बारिश होने से तैयार खड़ी फसलें नष्ट हो गयी थी, जिससे किसानों का भारी नुकसान हुआ।



## आपदा की पहचान एवं प्राथमिकीकरण के आधार पर निम्न आपदाएं ग्राम पंचायत कोठीपुर को प्रभावित करती है—

आपदा का नाम	जन 0	फर0	मार्च	अप्रै0	मई	जून	जुला	अग	सित0	अक्टू	नवम्ब	दिस0
जलजमाव												
सूखा												
लू												
शीतलहर												
आँधी, तूफान												
ओला-पत्थर												

आपदा की पहचान एवं प्राथमिकीकरण के आधार पर निम्न आपदाएं ग्राम पंचायत कोठीपुर को प्रभावित करती है –

आपदा का ऐतिहासिक मानचित्रण, मौसमी कैलेंडर बनाने से एवं उस दौरान समुदाय से हुई चर्चा से यह स्पष्ट हुआ कि कम दिनों में अधिक वर्षा, और फिर वर्षा कम या न होने से तापमान में वृद्धि होती है। इससे बहुत सारी समस्याओं का सामना गांव को करना पड़ रहा है। फसलों की पैदावार एवं कीटों का प्रकोप व बीमारियों बढ़ जाती है।

**जलजमाव, गन्दगी, एवं पानी की निकासी न होने से भूमिगत जल में टीडीएस एवं फ्लोराईड की मात्रा ज्यादा है** व वायु प्रदूषण से फसलों एवं मनुष्यों को भारी नुकसान हो रहा है। इस ग्राम पंचायत की मुख्य समस्या है। जो प्रत्येक वर्ष समुदाय को उनकी खेती एवं मजदूरी को पूरी तरह प्रभावित करती है। साथ ही मई-जून में अत्यधिक गर्मी का पड़ना, सामान्यतः मानसून के दिनों में जून-अगस्त तक वर्षा का न होना, कम होना आदि सूखा पड़ने के संकेत विगत कई वर्षों से प्रतीत हो रहे हैं जिसका दूरगामी प्रभाव सिंचाई, पेयजल, खाद्यान्न उत्पादन एवं पशुपालन चारे का संकट बनकर पूरे वर्ष झेलना पड़ रहा है। पिछले 10 वर्षों से प्रत्येक वर्ष खरीफ की फसल जलजमाव व सूखा से प्रभावित हो रही है। वहीं दूसरी तरफ रबी की फसलों में आंधी-तूफान एवं ओला पत्थर, पाला, तेज गर्मी एवं लू के कारण कम पैदावार की संभावनायें बहुत अधिक बनी रहती है। शीतलहर से पशुपालन मुख्यतः बकरीपालन प्रभावित हो रहा है, अर्थात् बीमार हो जाती व कई बार मर जाती हैं।

### जलवायु परिवर्तन जनित आपदा के जोखिम/खतरों का मानचित्रण एवं आंकलन

उपरोक्त आपदाओं के आधार पर होने वाले नुकसान, संभावित जोखिम, समुदाय एवं संसाधनों पर पड़ने वाले अनुमानित प्रभाव एवं उनसे प्रभावित समुदाय, संसाधन आदि की विस्तृत जानकारी प्राप्त कि गयी है। यह जानकारी समुदाय के सभी वर्गों महिला, पुरुष, दलित एवं वंचित समुदाय की सक्रिय भागीदारी से प्राप्त किये गये है। आपदाओं का ग्राम पंचायत कोठीपुर के पर्यावरण, बुनियादी एवं आधारभूत संरचना के साथ ही मानवजीवन, आजीविका, एवं स्वास्थ्य आदि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जलजमाव, सूखा, शीतलहर, गैल इण्डिया फैक्ट्री व ईट भट्टों से निकलने वाले धुयें से वायु प्रदूषण एवं लू आदि आपदाओं का कोठीपुर ग्राम पंचायत के संदर्भ में विभिन्न क्षेत्रों पर इनके विभिन्न प्रकार से जोखिम की संभावना

रहती है। इसे गांव के लोगों ने माना है कि जोखिमों से उन्हें प्रतिवर्ष तरह-तरह की बीमारियों से मनुष्यों व पशुओं का नुकसान हो रहा है। जो निम्न प्रकार है—

### खतरा एवं जोखिम विश्लेषण से प्राप्त सूचनाएं

क्र०	आपदा खतरे	संभावित जोखिम का क्षेत्र	संभावित जोखिम क्षेत्र			
			जोखिम	टाबादी	परिवारों की सं०	संसाधन
1	जलभराव	पेयजल	पेयजल दूषित है पानी में फ्लोराइड व टीडीएस की मात्रा अधिक बीमारियों का जोखिम	कोठीपुर	241	पाईप लाइन द्वारा सप्लाई TDS, Floride दूषित पेयजल
2		स्वच्छता	ठोस अपशिष्ट बहकर जमीन में फैल जाना (गोबर, कूड़ा, मानव मल)	कोठीपुर	241	सड़क खडपजा, इन्टरलॉकिंग, खाद गड़ढा।
3		स्वास्थ्य	जलजनित, वायु प्रदूषित बीमारियाँ (टी0बी0, टाईफाइड, डायरिया एलर्जी) का होना।	कोठीपुर	241	14 बृद्ध व 28 बच्चे प्रभावित
4		शिक्षा	तकनीकी शिक्षा व उच्च शिक्षा हेतु फर्फूद रोड खराब होने के कारण वर्षात में आवागमन प्रभावित।	कोठीपुर	241	कोठीपुर से फॉफूद मार्ग 3 किमी0 गड़ढा युक्त एवं उखड़ा हुआ। वर्षात में जलजमाव होता है।
5		सामाजिक सुरक्षा/सेवा सुविधा	आवागमन के साधन रोड़ सही न होने के कारण स्कूली बच्चे, व रोज आने जाने वालों को परेशानी होना।	कोठीपुर	कोठीपुर	सड़क का डामरीकरण न होना
6		कृषि	खरीफ व रबी की फसलो को नुकसान, धान की नर्सरी को नुकसान, सरसों व आलू बोबाई में	कोठीपुर	190 किसान परिवार	5 हेक्टेयर जमीन में जलभराव के कारण बोआई न हो पाना।

			विलम्ब से होना जिससे फसलों में मौसम आधारित बीमारियों/कीटों का प्रकोप			
7		उद्यान/सब्जी उत्पादन	पेड़-पौधों सूखना व वृद्धि का होना सब्जी की फसलों की जड़े जल जाना	कोठीपुर	17 किसान	5 एकड़ सब्जी, 506 पेड़-पौधे
8		पशुपालन	दुग्ध उत्पादन में कमी, बीमारी आदि का प्रयोग	कोठीपुर	150 परिवार	गाय, भैस, बकरी, सुअर, मुर्गी आदि
9		आजीविका	स्थानीय स्तर पर मजदूरी न मिलना।	कोठीपुर	177 जॉब कार्ड धारक परिवार	गाँव स्तर कुटीर उद्योगों का न होना।
10		जल निकाय	जल निकायों का गन्दा दूषित पानी भरना	पूरा गाँव	दलित, पिछड़ा वर्ग बस्ती ज्यादा प्रभावित	5 हेक्टेयर
		जल निकास	जल निकास न होने से गाँव का गन्दा पानी भरना	दलित, पिछड़ा वर्ग	02 तालाब 2 एकड़	2 एकड़ जमीन गन्दा दूषित पानी भरना
		खुले क्षेत्र	खरपतवार व गन्दगी से कीट पतंगों का प्रकोप	—	—	02 एकड़ जमीन प्रभावित
11	सूखा	पेयजल	जल स्तर नीचे पेयजल की कमी	पूरा गाँव	241	उथले हैण्डपम्प पानी नहीं 17 इण्डिया मार्क हैण्डपम्प जल स्तर गिरावट
12		कृषि	फसले कमजोर उपज घट जाती है	पूरा गाँव	241	105 हेक्टेयर
		पशुपालन	पशु चारा की कमी हो जाती है गर्मी बढ़ने से बीमारी ज्यादा होती है व दुग्ध उत्पादन में कमी	पूरा गाँव	105	चारागाह पीने का पानी अपर्याप्त हो जाता है।
13		सब्जी उत्पादक	सिचाई लागत बढ़ जाती है	50	50 परिवार	35 हेक्टेयर
14	लू	स्वास्थ्य	मानव पशु, पक्षियों का लू लगना स्वास्थ्य गिर जाना	पूरा गाँव	241	स्वास्थ्य सेवार्थे वाधित होना। पेयजल की कमी

15		शिक्षा	गर्मी लू के कारण स्वास्थ्य गिर जाना	पूरा गाँव	158	शिक्षा बाधित
16	शीतलहर	स्वास्थ्य	मानव को शीतलहर के कारण ठण्ड लगना	पूरा गाँव—खासकर बुजुर्गों के श्वास में वृद्धि	241 घर	शीतलहर के प्रकोप से मानव स्वास्थ्य एवं जनधन की हानि
17		कृषि	शीतलहर से फसलों को नुकसान	कृषि भूमि	—	5 एकड़ कृषि भूमि
18		पशुपालन	पशु धन की हानि	पूरा गाँव	42पशुपालन	प्रत्येक वर्ष 15 से 20 बकरियों व 4 से 8 भैसों व गौधन की हानि
19	ओलावृष्टि	मानव, पशु पक्षी एवं फसलों को क्षति	खेतिहर मजदूर एवं किसानों को चोट लगने का खतरा तथा जानवरो का घायल होना	पूरा गाँव	—	फसलों का नष्ट होना तथा मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

### आजीविका के साधनों पर आपदा का प्रभाव—

इस क्षेत्र के आजीविका का मुख्य साधन कृषि, कृषिगत मजदूरी एवं पशुपालन है। आजीविका के साधन आपदा से सर्वाधिक प्रभावित होते हैं जिससे संबंधित सूचनाएं संकलित कर संलग्न की गई है।

विस्तृत विवरण हेतु संलग्नक संख्या— 05 देखें।

## 2. नाजुकता विश्लेषण

आपदाओं का बार-बार सामना करने से उससे प्रभावित समुदाय सामाजिक, आर्थिक, मानसिक रूप से कमजोर हो जाता है। समुदाय ग्राम पंचायत को आपदा की दृष्टि से सुरक्षित बनाने की दिशा में नाजुक समुदाय, नाजुक संसाधन, नाजुक स्थल आदि को जानना अति आवश्यक था। इसे जानने के लिए पुनः समुदाय, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री आदि की मदद से नाजुक वर्ग; जाति, लिंग, उम्र, आय के आधार पर गांव में नाजुक स्थल, एवं आपदा के कारण प्रभावित होने वाले ग्राम पंचायत में स्थित संसाधनों एवं उनकी संख्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी।

1. **जलजमाव—** जलवायु परिवर्तन और आपदा के प्रभावस्वरूप कोठीपुर ग्राम पंचायत में जल-जमाव गाँव के आसपास अन्य पिछड़ा वर्ग, दलित बस्ती में रहता है। इस ग्राम पंचायत में तीन तालाब है जिसमें एक पूर्व दिशा में तथा दूसरा पश्चिम दिशा स्थित है जिनका रकवा 3.2 एकड़ है वर्षा जल इस जगह पर एकत्रित होता है। तथा निकासी न होने के कारण बरसात में अत्यधिक वर्षा व जलभराव से आवागमन में परेशानी व मौसमी बीमारियों का होना तथा निचली भूमि में फसलों का नुकसान हो जाता है।

- कोठीपुर की स्थिति यह है कि जल निकासी हेतु नाले की व्यवस्था नहीं है जबकि वहाँ से सेगर नदी तक जाने के लिये चकरोड के किनारे पंचायत की खाली जगह है जिसमें नाली का निर्माण हो सकता है।

## समुदाय पर जल भराव का प्रभाव—

- जलजमाव से कोठीपुर में लगभग 40–50 घर प्रभावित होते हैं तथा घरों की दीवारों व फर्श में शीलन हो जाती है। बरसात के मौसम में जहरीले कीड़े व सॉप मकानों के अन्दर आ जाते हैं।
- बरसात में जल जमाव के कारण लगभग 5 हेक्टेयर कृषि भूमि में रवि की फसल की बुआई नहीं हो पाती है, तथा शेष बोई हुई जमीन में कीटनाशक व खरपतवार नाशी दवाइयों का ज्यादा प्रयोग करना पड़ता है।

## 2. सूखा

समुदाय के साथ चर्चा से यह तथ्य निकल कर आया कि सूखा गांव की दूसरी बड़ी आपदा है। आज से 12 वर्ष पहले बरसात मई माह से अगस्त माह तक होती रहती थी, सितम्बर में भी बारिश हो जाती थी। किन्तु अब बरसात अनियमित और असमय होती है। विगत 10–15 वर्षों से बरसात के मौसम में जून में बारिश हुई ही नहीं और जुलाई माह में एक-दो



दिन में ही अधिक वर्षा हो गई फिर कई दिनों तक बारिश नहीं हुई। इससे सूखा जैसी स्थिति हो जाती है। सूखे की स्थिति में निम्नलिखित गतिविधियां और वृद्धि कर रही हैं।

- गांव के खेतों में मेड़बन्धी जैसी जलसंरक्षण की गतिविधियों की कमी है।
- गांव में 0.2 एकड़ का बागीचा है व खेतों की मेड़ों पर 2–4 पेड़ लगे हुये हैं।
- ग्राम में वर्तमान में कुल 13 कुएं संरक्षित हैं जिनमें सभी कुओं का पानी पीने योग्य नहीं है।
- वृक्षारोपण, पौधरोपण के प्रति लोगों की जागरूकता का अभाव देखा गया तथा खेतों की मेड़ों व कृषि सामाजिक वानिकी में रुचि नहीं है।
- खेतों में केवल रासायनिक खादों का उपयोग किया जा रहा है तथा परम्परागत खेती को लोग पूरी तरह से भूल चुके हैं। और आधुनिक खेती के तरफ अग्रसर हो रहे हैं।

## सूखा का समुदाय पर प्रभाव

- गर्मी के दिनों में सभी इण्डिया मार्का हैण्डपम्प एवं सभी सामान्य निजी नलों का पानी खारा हो जाता है।
- सूखे के प्रभाव से खरीफ की फसल में सिंचाई की लागत बढ़ गई है। जो लगातार पिछले 8–10 सालों से देखा जा रहा है।



- जानवरों को चारा का संकट हो जाता है साथ तापमान बढ़ने से पशुओं को विभिन्न प्रकार की बीमारियों (खुरपका, मुहपका ) जैसी बीमारी हो जाती हैं। दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है और कई बार पशु मर भी जाते हैं।

3. **लू** — लू तीसरे नम्बर पर गांव को प्रभावित करने वाली आपदा है। समुदाय के साथ चर्चा से यह निकल कर आया कि गर्मियों के दिनों में 20 मार्च से 15 जुलाई तक तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है व गर्म हवाएं चलने लगती हैं। इससे समुदाय के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मानव एवं पशुओं को लू लगने से उनका स्वास्थ्य खराब हो जाता है। विशेषकर बच्चों एवं बुजुर्गों पर इसका विशेष प्रभाव पड़ता है। बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती हैं, जैसे छोटे बच्चों के टीकाकरण हेतु ले जाने में लू लगने की सम्भावना रहती है। पशुओं को चारा/पानी की समस्या हो जाती है। फसलों में सिंचाई ज्यादा करनी पड़ती है व फसलें समय से पहले पकने लगती हैं।

#### 4. शीतलहर-

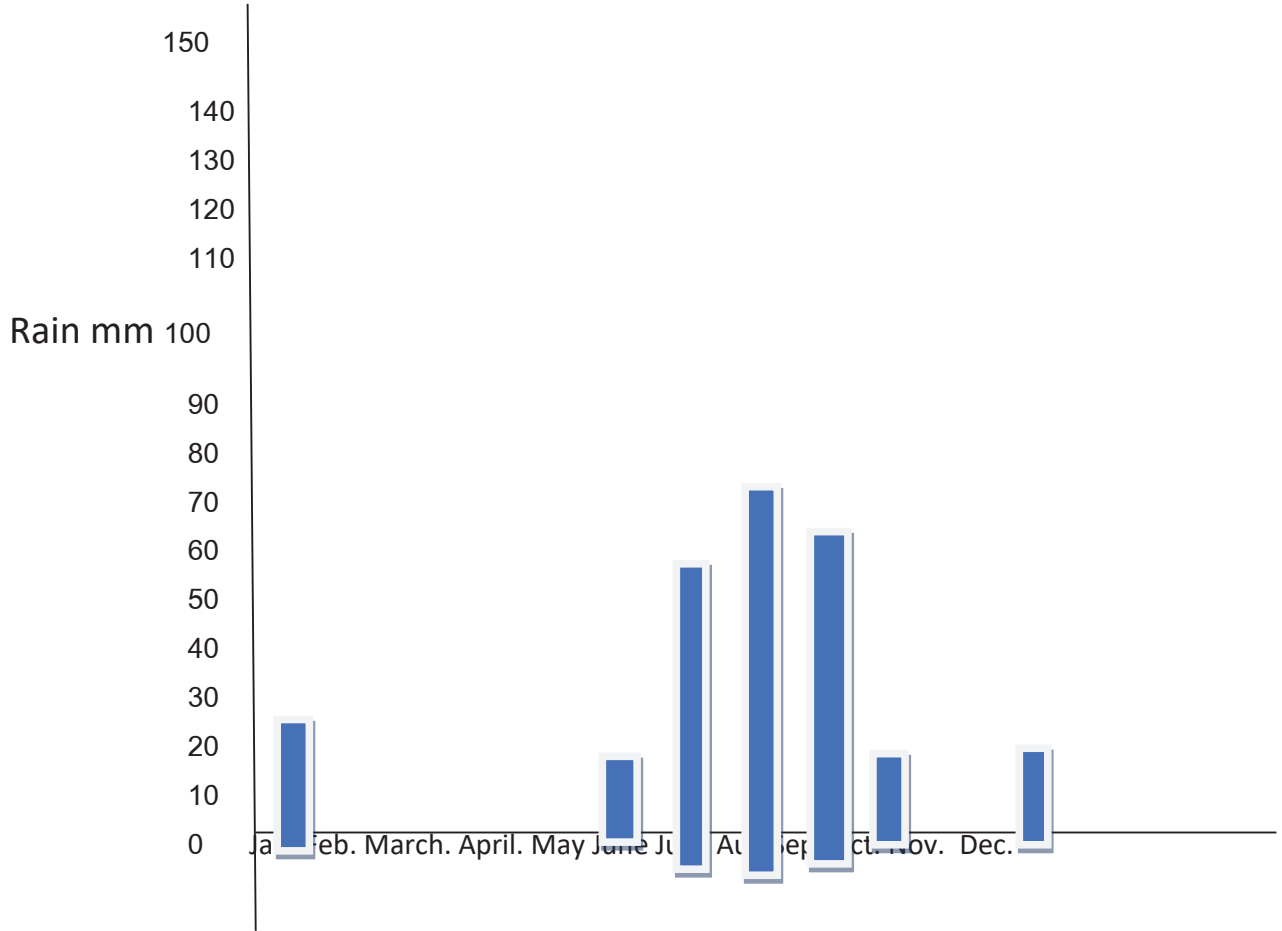
- शीतलहर गांव को प्रभावित करने वाली चौथे नम्बर की आपदा है। सर्दियों के मौसम में दिसम्बर से जनवरी तक शीतलहर का प्रभाव रहता है। शीतलहर मानव एवं पशुओं के स्वास्थ्य के साथ कृषि को भी प्रभावित करता है। शीतलहर के प्रभाव से प्रत्येक वर्ष पशुपालन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। शीतलहर में ठण्डी से औसतन प्रत्येक वर्ष 8-15 बकरियों व 8 से 10 भैसों व गायों की मृत्यु हो जाती है। गाय-भैसों के दूध उत्पादन में कमी आ जाती है। शीतलहर के कारण कृषिकार्य, मजदूरी, आदि आजीविका प्रभावित होती है। बच्चों में निमोनिया, खांसी एवं दस्त की समस्या हो जाती है।

### उपरोक्त के अतिरिक्त समुदाय की व्यवहारगत एवं ढांचागत संरचना में कमियां हैं जो कि निम्नवार हैं-

- पंचायत में समुदाय आधारित संगठनों की कमी है। कृषि केन्द्र, बीज केन्द्र, किसान संगठन, सामुदायिक अनाज बैंक, युवा मण्डल दल, महिला मण्डल, धार्मिक मण्डल, आदि सामाजिक संगठन नहीं हैं। इस कारण आपदा के समय समुदाय को सरकारी एवं बाह्य सहायता पर निर्भर रहना पड़ता है।
- लोगों में जानकारी एवं जागरूकता का अभाव है, लोगों को कृषिगत, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी का अभाव है। जिससे समुदाय की नाजुकता अत्यधिक बढ़ जाती है। लोग पशुपालन तो करते हैं, किन्तु नस्ल सुधार, पशुओं का बीमा, फसलबीमा आदि की जानकारी न के बराबर है।
- वैकल्पिक एवं सौर ऊर्जा संबंधित गतिविधियां न के बराबर हैं यहां पर 75 प्रतिशत से अधिक घरों पर पक्की छत है। जहां सौर ऊर्जा का प्रयोग किया जा सकता है। सड़क के किनारे प्रकाश हेतु एवं सिंचाई हेतु सौर ऊर्जा के प्रयोग की पर्याप्त संभावना है।
- पंचायत में सूखा एवं गीला कचरा/गोबर एक साथ ही इक्कटटा होकर गलियों, सड़कों एवं खड़न्जा आदि के किनारे पड़ा रहता है। लोगों में कचरा प्रबंधन की जागरूकता का अभाव है। परिणामस्वरूप मानसून के दिनों में यह कचरा बहकर जल निकास को बाधित करता है एवं जलजमाव की समस्या को बढ़ाता है।
- मानसून के दिनों में जलजनित, मच्छर-मक्खियों जनित बीमारियों की आशंका बनी रहती है। यहां टायफाइड, मलेरिया, सांस, खाज-खुजली संबंधित बीमारियां होती रहती हैं।

- गांव में अधिकांशतः मुख्य फसलें गेहूँ सरसों, गन्ना आलू एवं धान, मूँग ही उगाते हैं। खेती में विविधता, मिश्रित खेती, एवं मिश्रित फसलों एवं कम लागत, स्थाई कृषि आदि संबंधित गतिविधियां नहीं हैं। जिससे किसानों को आपदा के समय जोखिम का सामना करना पड़ता है।
- कृषिगत गतिविधियों में उर्वरक, कीटनाशक, खरपतवारनाशक का अत्यधिक प्रयोग किया जाता है।
- गांव में गाय, भैस, आदि पशुपालन होने के बावजूद भी गोबर का प्रयोग जैविक खाद एवं कम्पोस्ट खाद बनाने हेतु नहीं करते हैं बल्कि सड़कों के किनारे ढेर लगाकर रखा रहता है या उपले के रूप में प्रयोग करते हैं।
- कृषि परामर्श एवं मौसम पूर्वानुमान चेतावनी तंत्र के अभाव है। जिसके कारण समय पूर्व सूचना एवं जानकारी नहीं मिलती है।
- इसी प्रकार कृषि परामर्श एवं मौसम पूर्वानुमान आदि चेतावनी तंत्र के अभाव में यहां के लोगों की नाजुकता में वृद्धि करता है।
- गांव में जनसुविधा केन्द्र के नहीं होने से विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी सरकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी से लोग वंचित रह जाते हैं।
- पंचायत स्तर पर लघु/सूक्ष्म उद्योग, पारम्परिक रोजगार में कमी, जैसे मोमबत्ती, अचार पापड़, गौबर के दीये, कुल्हड़ बनाना, रस्सी बनाना, लोहार, बढई नहीं है।

## Rain Fall (in MM) Gram Panchayat- Kothipur



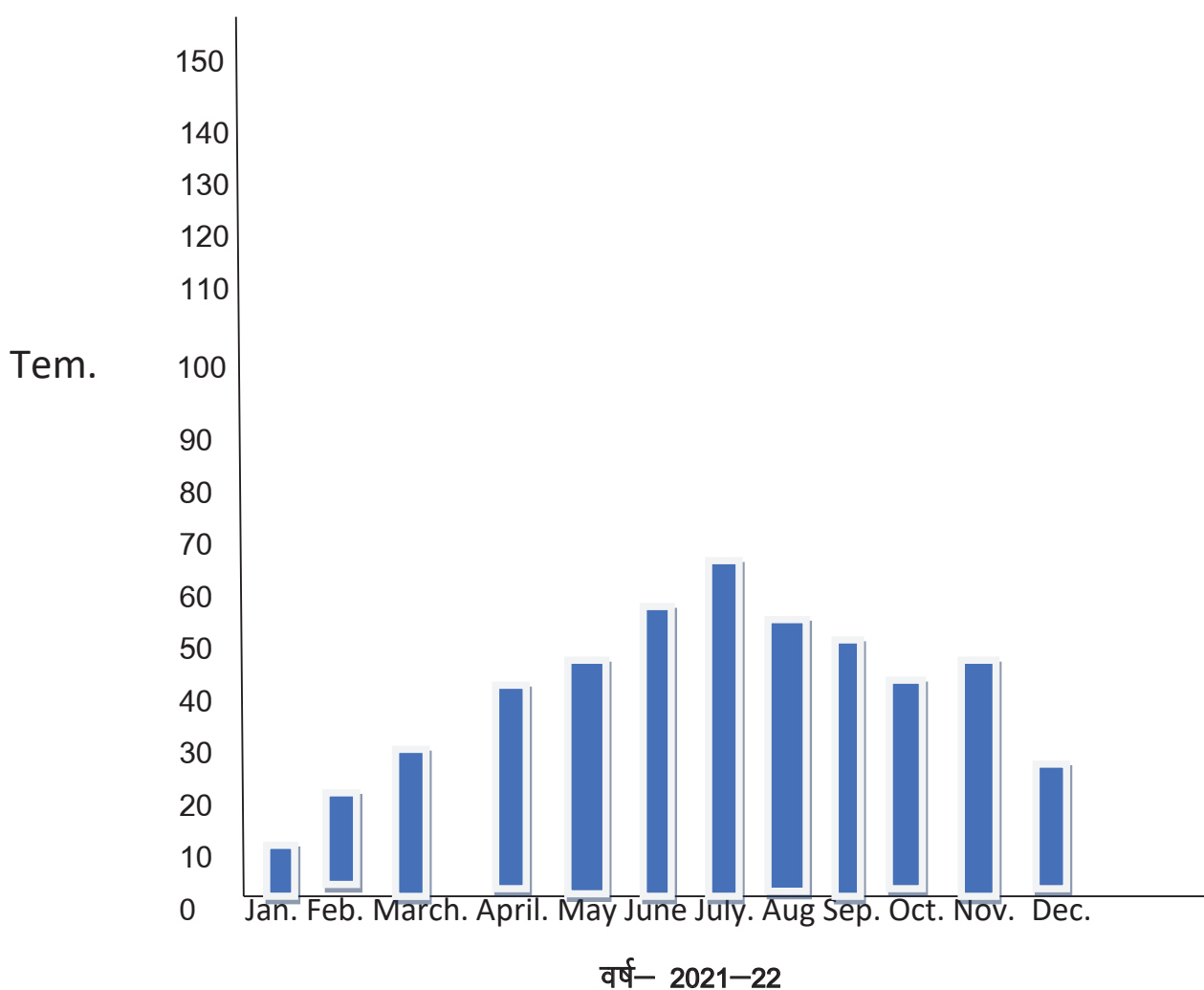
वर्ष- 2021-22

**विश्लेषण-** ग्राम पंचायत कोठीपुर में वर्षा स्तर अनियमित रहता है। कभी तेज बारिश कभी धीमी गति से 30 मिनट से ज्यादा देर तक नहीं बरसता है जो कि हवा का बेग अधिक होता है।

- कुसमय एवं अनियमित समय पर वर्षा होने से फसलों में क्षति होती है।
- वर्ष मं 470 MM से लेकर 605 MM तक वर्षा हुई 2022 में।
- नवम्बर दिसम्बर 2022 में वर्षा से फसलों को क्षति हुई थी।

**नोट-** ग्राम प्रधान व समुदाय द्वारा यह जानकारी प्राप्त हुई।

## Temperature (in 'C ) Gram Panchayat- Kothipur



### विश्लेषण—

- ग्राम पंचायत कोठीपुर में तापक्रम में अनियमिता है। यहाँ पर तापक्रम घटता बढ़ता रहता है। अर्थात् दिन का तापक्रम ज्यादा बढ़ जाता है। जबकि रात बहुत ठण्डी हो जाती है।
- मई जून में तापक्रम 40 डिग्री सेन्टीग्रेट से बढ़कर 47 डिग्री सेन्टीग्रेट तक पहुँच जाता है। गर्मी अधिक पड़ती है।
- दिसम्बर और जनवरी माह में ताप 10 डिग्री सेन्टीग्रेट से घटकर कभी 0 डिग्री सेन्टीग्रेट तक पहुँच जाता है। जिससे फसलों को ज्यादा क्षति होती है।
- अचानक तापक्रम का घटने-बढ़ने से बीमारी उत्पन्न हो जाती है।

**नोट—** ग्राम प्रधान व समुदाय द्वारा यह जानकारी प्राप्त हुई

## क्षमता विश्लेषण—

आपदाओं के सन्दर्भ में गांव को क्लाइमेट स्मार्ट बनाने की दृष्टि से गांव स्वयं में कितना सक्षम है, इसकी जानकारी हेतु समुदाय के साथ मिलकर समग्र ग्राम पंचायत का क्षमता आकलन किया गया। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले आपदाओं एवं खतरों से गांव के साथ ही आसपास उपलब्ध संसाधन भी प्रभावित होते हैं। यह संसाधन भौतिक, पर्यावरणीय एवं मानव संसाधन के रूप में उपलब्ध होते हैं। इनकी पहचान होने से आपदा के खतरों से निपटने में आसानी होती है अर्थात् यह संसाधन मददगार होते हैं।

ग्राम पंचायत कोठीपुर में नेशनल हाइवे आगरा से लखनऊ 50 कि०मी०, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस 20 कि०मी० फफूद-औरैया मार्ग से 02 कि०मी० उत्तर दक्षिण में है, तथा जिला मुख्यालय औरैया से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर है। इस ग्राम पंचायत में ग्रामीणों की सुविधा के लिये सामुदायिक शौचालय, बच्चों की शिक्षा के लिये 01 प्राथमिक विद्यालय तथा 01 पूर्व माध्यमिक विद्यालय है। ग्राम पंचायत में पंचायत भवन तथा उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्मित है तथा 17 इण्डिया मार्का हेण्डपम्प पेयजल के लिये उपलब्ध है। पंचायत में 02 छोटे-छोटे तालाब हैं जिनके सुन्दरीकरण तथा जल निकासी जल भराव आदि की बात लोगों के द्वारा कही गयी है। संगठन के तौर पर यहाँ पर 12 स्वयं सहायता समूह महिलाओं के बने हैं जिनका बैंक में खाता संचालित है जो अपने अपने छोटे मोटे काम समूह के माध्यम से कर रही है। समूह की महिलाओं ने स्वयं के उद्योग करने तथा प्रशिक्षित होने की बात रखी है। लोगों के आवागमन हेतु खण्डजा, इण्टरलॉकिंग व मुख्य सड़कें हैं। ग्राम पंचायत कोठीपुर में आधिकांश लगभग 75 प्रतिशत घर पक्के हैं।

## सुविधा संसाधन मानचित्र से लिए गये आंकड़े एवं तथ्य

विशेषकर संसाधनों के सन्दर्भ में किये गये क्षमता आकलन को तीन भागों में विभक्त किया गया, जिसमें गांव में उपलब्ध भौतिक एवं पर्यावरणीय संसाधनों को सामाजिक मानचित्रण एवं सुविधा मानचित्र पर अंकित किया गया, जबकि मानव संसाधन के बारे में समुदाय के साथ चर्चा कर सूचनाएं प्राप्त की गयीं, जो निम्न प्रारूप पर दर्ज हैं—

## भौतिक संसाधनों की उपलब्धता एवं गांव से दूरी—

विवरण	संख्या	सम्पर्क व्यक्ति का नाम/स्थान	गाँव की दूरी
प्राथमिक विद्यालय	01	श्रीराकेशकुमार-9411688671	50 मीटर
पूर्व माध्यमिक विद्यालय	01	श्री सुनीलकुमार -9719195141	50 मीटर
पंचायत भवन पंचायक सहायक	01	श्रीमती संगीता दोहरे-9627994521 अल्का कुमारी-8700273281	50 मीटर
सरकारी राशन की दुकान	01	श्री गुलाब सिंह	—
पुलिस थाना	01	फफूद	2 कि०मी०
क्वहरी	01	औरैया	18 कि०मी०
जिला चिकित्सालय	01	औरैया	20 कि०मी०
विकासखण्ड कार्यालय	01	फफूद	2 कि०मी०
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	01	फफूद	2 कि०मी०
तहसील	01	औरैया	18 कि०मी०
आपदा विभाग	01	औरैया	8 कि०मी०
बिजली विभाग	01	असैनी	15 कि०मी०

महाविद्यालय	01	फफूद	3 कि०मी०
विश्वविद्यालय	01	कानपुर	100 कि०मी०
पोस्ट आफिस	01	फफूद	3 कि०मी०
फायर स्टेशन	01	औरैया	10 कि०मी०
बस स्टेशन	01	फफूद	2 कि०मी०
रेलवे स्टेशन	01	फफूद	3 कि०मी०
खाद, बीज दबा केन्द्र	01	फफूद	2 कि०मी०
बजार	01	फफूद	3 कि०मी०
बैंक	01	फफूद	3 कि०मी०
गैल इण्डिया	01	पाता	06 कि०मी०
एनटीपीसी	01	दिवियापुर	06 कि०मी०

### प्राकृतिक संसाधन उपलब्धता संख्या एवं दूरी

क्र०	संसाधन/पर्यावरणीय संसाधन	संख्या	विवरण	दूरी
1	तलाब	03	कोठीपुर	30 मीटर 50 मीटर
2	कुँआ	13	गाँव	—
3	नदी सेगुर	01	—	5 किमी०
4	कृषिगत क्षेत्र	121 हेक्टेयर	गाँव	—
5	खुला एवं सामुदायिक क्षेत्र (ग्राम पंचायत की भूमि)	03 एकड़	गाँव	50 मी०—500 मी०

### मानव संसाधन—

1	ग्राम प्रधान	01	श्री अमरेश पाण्डेय	9336604405
2	आँगनवाड़ी	01	अनुराधा कठेरिया	7830361069
3	पंचायत सचिव	01	श्रीमती संगीता दोहरे	9627994521
4	आशा बहू	01	श्रीमती किरन	7839798753
5	कोटेदार	01	श्रीमती रुकमणी ओझा	9956591132
6	पंचायत सहायक	01	अल्का कुमारी	8700273281
7	लेखपाल	01	श्री प्रदीप दोहरे	9758396560
8	समूह सखी	01	श्रीमती पूनम	8395045331
9	सी०एच० ओ०	01	श्रीमती अंकिता पाल	6394193388

### वित्तीय संसाधन—

उपरोक्त के अतिरिक्त गांव के पास वित्तीय संसाधन भी उपलब्ध हैं। ग्राम पंचायत के पास वित्तीय वर्ष 2022–2023 में उपलब्ध होने वाले संभावित वित्तीय संसाधनों के विवरण निम्न प्रकार होंगे—

क्र०	म्द	वर्ष 2022–23
------	-----	--------------

1	15वाँ वित्तआयोग	4.95 लाख
2	स्वयं के राजस्व का श्रोत (ओआरएस)	Nil







## क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कोठीपुर की कार्य योजना का निर्माण

क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने हेतु सभी अभ्यासों को करने के उपरान्त सेक्टरवार जानकारी प्राप्त करने के लिए समूह चर्चा की गयी। इस चर्चा के दौरान ही सभी 5 सेक्टरों अन्तर्गत आने वाले विभिन्न बिन्दुओं की ग्राम पंचायत में वर्तमान स्थिति, उससे सम्बन्धित समस्याएं, उन समस्याओं के निराकरण हेतु विशिष्ट कार्ययोजना के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। उपरोक्त सूचनाओं, तथ्यों एवं ग्रामीणों से चर्चा व विचार-विमर्श के बाद "क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम अवधारणा के तहत ग्राम क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना को तैयार किया गया है जिसमें आपदा जोखिम, जोखिम के कारण व समाधान आदि के बारे में संकलन कर तैयार किया गया है। सेक्टरवार क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कोठीपुर की कार्य योजना तालिका -

क्र०	कार्य का क्षेत्र	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	परिसम्पत्ति का स्थान	अनुमानित धनराशि	अवधि	योजना का परिव्यय
1	सेक्टर-1-मानव विकास सामाजिक सुरक्षा-साफ सफाई एवं स्वच्छता	गोबर गड्ढा	गोबर निस्तारण के लिये 145 गड्ढों का निर्माण	कोठीपुर	10.875 लाख	4 माह	15वें वित व मनरेगा
2		कूड़ा पात्र रखवाना	कूड़ा निस्तारण के लिये 60 कूड़ा पात्र रखवाना	कोठीपुर	1.20 लाख	1 माह	15वें वित व मनरेगा
4		कचरा निस्तारण प्लॉट	जमा कचरे का पंचायत की जमीन पर प्लॉट की संरचना निर्माण	पंचायत की भूमि पंचायत भवन के पास	90 लाख	01 वर्ष	15वें वित व मनरेगा
5		वर्मी कम्पोस्ट निर्माण	जमीन को उर्वरक रखने के लिये जैविक उत्पाद करना	व्यक्तिगत कोठीपुर-40 समुदायिक-5	4.5 लाख	3 माह	कृषि विभाग, 15वें वित व मनरेगा
6		शौचालय निर्माण एवं मरम्मत	गन्दगी से मुक्ति हेतु नये शौचालय निर्माण एवं पुराने शौचालयों की मरम्मत	कोठीपुर नये-50	6 लाख	1 वर्ष	15वें वित व मनरेगा
7		गोव को ओडी0एफ0 बनाने हेतु जनजागरुकता रैली	गोव में सरकारी कर्मचारियों व महिला पुरुषों व बच्चों के चौपाल, रैली, दीवाल लेखन आदि	विद्यालय, पंचायत भवन, उप स्वास्थ्य केन्द्र	25 हजार	6 माह	राज्य वित व अनटाइट फण्ड

8		पानी सफाई हेतु जैव ट्रीटमेन्ट प्लॉट	गन्दे पानी हेतु 04 ट्रीटमेन्ट प्लॉट	पंचायत भवन के पास-01 पूर्व माध्यमिक विद्यालय के पास-01 प्राथमिक विद्यालय कोठीपुर -01	12लाख	10 माह	15वाँ वित्त व मनरेगा
9		पाइप लाइन के के सप्लाई	नयी पाइप लाइन	कोठीपुर पूरा गाँव		02 माह	नमामि गंगे द्वारा
10	सेक्टर-02 बुनियादी/आधारभूत संरचना एवं पर्यावरण	कचरे मुक्त कुएं की मरम्मत कराना व सुरक्षा करना	पूर्व माध्यमिक विद्यालय से माता मन्दिर की तरफ जाने वाले रास्ते में शंकरजी मन्दिर के वगल में	कोठीपुर -02	02लाख	03 माह	15 वॉ वित्त
11		सड़क डामरीकरण	फफूंद से कोठीपुरग्राम पंचायत तक	3 किमी0	1 करोड़	04 माह	15 वॉ वित्त
		पार्क निर्माण	पूर्व माध्यमिक विद्यालय के पास	0.5 एकड	15 लाख	6 माह	15 वॉ वित्त, मनरेगा
11		तालाब जीर्णोद्धार	कोठीपुर ग्राम पंचायत में तालाब जीर्णोद्धार सुरक्षा घेरा, बृक्षारोपण, बैठने के लिये बैंच, जलनिकासी तथा जल भराव के उपक्रम करना	ग्राम कोठीपुर में 02 तालाब का सुन्दरीकरण	70लाख	10 माह	15 वॉ वित्त
12		सोख्ता गड्डा	भूमिगत संरक्षण हेतु 45 गड्डे का निर्माण	कोठीपुर	03 लाख	4 माह	15 वॉ वित्त
13		गोबर गैस प्लॉट लगवाना	भोजन के लिये गैस व जैविक खाद की उपलब्धता	पूर्व माध्यमिक विद्यालय-02 व्यक्तिगत-10	14 लाख	4 माह	15 वॉ वित्त
14		सौर ऊर्जा प्लॉट	रोशनी की स्थायी उपलब्धता हेतु 03 सोलर प्लॉट सरकारी इमारतो पर 60 व्यक्तिगत, व इस्ट्रीट लाइट पूरे गाँव में	02 पूर्व माध्यमिक विद्यालय,1बारात घर	50लाख	3-12 माह	15 वॉ वित्त
15		रैन बाटर हारवेसटिंग	भूमिगत जल की पूर्ति होगी	पूर्व माध्यमिक विद्यालय-01	15 हजार	3 माह	15 वॉ वित्त, मनरेगा
		प्रधानमंत्री आवास	निजी निवासों की उपलब्धता 12 महिला लाभार्थी	कोठीपुर	15 लाख	1 वर्ष	प्रधानमंत्री आवास योजना

16	सेक्टर-03 आजीविका, कृषि, पशुपालन	कृषि क्षेत्र में मिट्टी की उर्वकता हेतु उसर सुधार,	उसर सुधार 40 प्रतिशत 80 हेक्टेयर	कोठीपुर	10 लाख	02 माह	कृषि विभाग, 15 वॉ वित्त
		मेडवन्धी		100 हेक्टेयर व्यक्तिगत भूमि पर मेडवन्धी	50लाख	अप्रैल-जून तक	मनरेगा
17			टयूबवेल निर्माण, सोलरचालित जैविक खाद प्रदर्शन एवं निर्माण	4 सरकारी टयूबवेल व्यक्तिगत-70 किसान	50 लाख 1 लाख	- 02 माह	नलकूप विभाग कृषि विभाग, 15 वॉ वित्त
18			कृषि सेवा केन्द्र	गाँव स्तर	5 लाख	-	कृषि विभाग, 15 वॉ वित्त
19			वृक्षारोपण टिम्बर, फलदार पेड 5000	गाँव	4लाख	जुलाई-अगस्त	वनविभाग, उद्यान विभाग, मनरेगा
20			तार फेन्सिंग	-	05लाख	-	उद्यान विभाग
21		पशुपालन	पशुपालन रोग, बीमारी, आवास, नस्ल सुधार	समूहों को बकरी पालन 50	5 लाख		15 वॉ वित्त
22			पशुओं के हरे चारे के लिये नैपियर घास	5000 पौधे	20 हजार	-	15 वॉ वित्त
23			जैविक खाद हेतु प्रशिक्षण	70 किसान	1लाख	2 दिन	15 वॉ वित्त
24			पैरावेट ट्रेनिंग	01 व्यक्ति	-	1 माह	आरसेटी

नोट: ग्राम प्रधान एवं समुदाय व उपस्थित, सचिव, मेट, शिक्षक, लेखपाल, के द्वारा आदि काम गाँव में कराये गये है उसी आधार पर अनुमानित बजट तैयार किया गया है।

## क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना के निरूपण की सहभागी प्रक्रिया

### वातावरण निर्माण

ग्राम पंचायत कोठीपुरा की आगामी वित्तीय वर्षों हेतु क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना के निरूपण हेतु ग्राम पंचायत के समग्र जन की सहभागिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से ग्राम प्रधान श्री अमरेश पाण्डेय द्वारा दिनांक 08 फरवरी 2023 को वातावरण निर्माण किया इसके बाद ग्राम प्रधान द्वारा पंचायत में मुनादी कराई गयी। दिनांक 09.10.11.12 फरवरी 2023 को सामुदायिक भवन में खुली बैठक का आयोजन किया गया।

**खुली बैठक—** ग्राम पंचायत कोठीपुर के लिये क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना निरूपण हेतु हितभागियों की ग्राम सभा की खुली बैठक पूर्व निर्धारित सूचना के अनुसार दिनांक 09.10. व 11 फरवरी 2023 को सामुदायिक भवन एवं प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में आयोजित की गयी। इस खुली बैठक में ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, आंगनवाडी कार्यकर्त्री, आशा, ग्रामीण किसान महिलाएं एवं पुरुष के साथ अन्य बुजुर्ग ग्रामवासी एवं बच्चे, शिक्षक, ग्राम पंचायत सचिव सी0एच0ओ0 आदि उपस्थित हुए। इस में ग्राम पंचायत के कुल 145 लोगों ने सहभागिता की। (पुरुष-30, महिला-55 एवं बच्चे-60)

विस्तृत विवरण हेतु संलग्नक संख्या- 01 देखें।

### ट्रान्जेक्ट वाक (ग्राम भ्रमण)

समग्र ग्राम पंचायत के जलवायुगत आपदा एवं जोखिम को समझने की दृष्टि से खुली बैठक में उपस्थित ग्रामप्रधान प्रतिनिधि, पंचायत सचिव, आशा, आंगनवाडी, 11 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं समुदाय के सभी वर्गों के लोगों ने ग्राम पंचायत कोठीपुर से होते हुये तालाबों का अवलोकन करते हुये ग्राम प्राथमिक विद्यालय आदि सहित पूरे गाँव का ट्रान्जेक्ट वाक किया।

सामाजिक मानचित्रण विस्तृत विवरण हेतु संलग्नक संख्या- 02 देखें।

### सामाजिक मानचित्रण—

ग्राम पंचायत भ्रमण के उपरांत ग्राम पंचायत में स्थित पंचायत भवन परिसर में ग्रामवासियों के उपस्थिति में सामाजिक मानचित्रण तैयार किया गया, जिसके आधार पर प्राप्त सूचनाएं निम्न तालिका



विवरण	संख्या	गुणात्मक विवरण
ग्राम की चौहददी का क्षेत्रफल	121 हे0	दोनों बसावट गोचर, वन विभाग, कृषि भूमि मिलाकर
कुल टोलों की संख्या	01	कोठीपुर
कुल घरों की संख्या	241	कोठीपुर
कुल पक्के घरों की संख्या	196	प्रत्येक घरों पर छत बनी हुई है।
कुल कच्चे घरों की संख्या	45	कोठीपुर

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सं०	112	कोठीपुर
विकल लोग जनों की संख्या	10	—
महिला मुखिया परिवारों की संख्या	25	
इण्डिया मार्का हेण्डपम्प	17	कोठीपुर

**नोट—** घरों की संख्या परिवार संख्या के आधार पर लिखी गयी है।

### जातिगत / श्रेणीगत विवरण

सामान्य जाति के घरों की संख्या	41
पिछड़ी जाति के घरों की संख्या	80
अनुसूचित जाति के घरों की संख्या	120
<b>कुल</b>	<b>241</b>



# क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना



गयी है। महिला संगठन के तौर पर यहाँ पर 11 स्वयं सहायता समूह महिलाओं के बने हैं जिनका बैंक में खाता संचालित है जो अपने अपने छोटे मोटे व्यवसाय समूह के माध्यम से कर रही है। समूह की महिलाओं ने स्वयं के उद्योग करने तथा प्रशिक्षित होने की बात रखी है। लोगों के आवागमन हेतु खण्डजा, इण्टरलॉकिंग व मुख्य सड़के है। ग्राम पंचायत कोठीपुर में आधिकांश लगभग 75 प्रतिशत घर पक्के है।

क्रमॉक	पंचायत सदस्य का नाम	पिता/पति का नाम
1	अमरेश पाण्डेय	श्री प्रदीप कुमार
2	मुखिया	श्री महाराम
3	आशुतोष	श्री राकेश चन्द्र
4	अर्जुन	श्री जोधाप्रसाद
5	इन्दु	श्री चन्द्रकान्त
6	राममूर्ति	श्री अर्जुन
7	सुरेश	श्री सुखराम
8	इन्दल	श्री राममिलन
9	लक्ष्मी	श्री लालजी
10	प्रकाशबाबू	श्री प्रदीपकुमार
11	कष्णकान्ती	श्री रामाकान्त

पंचायतीराज समितियों का विवरण—

1—नियोजन एवं विकास समिति—

क्रमॉक	पंचायत सदस्य का नाम	पद	वर्ग
1	अमरेश पाण्डेय	अध्यक्ष	सामान्य
2	अर्जुनसिंह	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
3	सुरेश	सदस्य	अनुसूचित जाति
4	आशुतोष	सदस्य	सामान्य
5	मुखिया	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
6	लक्ष्मीदेवी	सदस्य	अनुसूचित जाति
7	अम्बरीश	सदस्य	सामान्य

2—शिक्षा समिति—

क्रमॉक	पंचायत सदस्य का नाम	पद	वर्ग
1	अमरेश पाण्डेय	अध्यक्ष	सामान्य
2	श्री प्रकाशबाबू	सदस्य	अनुसूचित जाति
3	अर्जुनसिंह	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
4	आशुतोष	सदस्य	सामान्य
5	लक्ष्मीदेवी	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
6	अम्बरीश	सदस्य	सामान्य

3—प्रशासनिक समिति—

क्रमॉक	पंचायत सदस्य का नाम	पद	वर्ग
1	अमरेश पाण्डेय	अध्यक्ष	सामान्य
2	श्री प्रकाशबाबू	सदस्य	अनुसूचित जाति
3	अर्जुनसिंह	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
4	आशुतोष	सदस्य	सामान्य
5	लक्ष्मीदेवी	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
6	अम्बरीश	सदस्य	सामान्य
7	कृष्णकान्ती	सदस्य	सामान्य

#### 4-स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति-

क्रमॉक	पंचायत सदस्य का नाम	पद	वर्ग
1	अम्बरीश	अध्यक्ष	सामान्य
2	श्री प्रकाशबाबू	सदस्य	एस0सी0
3	अर्जुनसिंह	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
4	आशुतोष	सदस्य	सामान्य
5	लक्ष्मीदेवी	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
6	मुखिया	सदस्य	अनुसूचित जाति
7	सुरेश	सदस्य	अनुसूचित जाति

#### 5-निर्माण एवं कार्य समिति-

क्रमॉक	पंचायत सदस्य का नाम	पद	वर्ग
1	अर्जुनसिंह	अध्यक्ष	अन्य पिछड़ा वर्ग
2	अम्बरीश	सदस्य	सामान्य
3	अर्जुनसिंह	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
4	आशुतोष	सदस्य	सामान्य
5	लक्ष्मीदेवी	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
6	मुखिया	सदस्य	अनुसूचित जाति
7	सुरेश	सदस्य	अनुसूचित जाति

#### 5-जल प्रबन्धन समिति-

क्रमॉक	पंचायत सदस्य का नाम	पद	वर्ग
1	आशुतोष	अध्यक्ष	सामान्य
2	अम्बरीश	सदस्य	सामान्य
3	अर्जुनसिंह	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग
4	आशुतोष	सदस्य	सामान्य
5	कृष्णकान्ती	सदस्य	सामान्य
6	मुखिया	सदस्य	अनुसूचित जाति
7	सुरेश	सदस्य	अनुसूचित जाति



## ट्रांजेक्ट वाक (ग्राम भ्रमण)

समग्र ग्राम पंचायत के जलवायुगत आपदा एवं जोखिम को समझने की दृष्टि से खुली बैठक में उपस्थित ग्राम प्रधान पंचायत सचिव, क्षेत्र पंचायत सदस्य, लेखपाल, आशा, ऑगनवाडी 11 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं समुदाय के सभी लोगों ने ग्राम पंचायत के भ्रमण किया जो पंचायतय भवन से होकर तालाब, बारात घर व बस्ती होते हुये के प्राथमिक विद्यालय के पास आकर लगभ 1.5 किमी० की दूरी तय कर उपस्थित हुये।

### ट्रांजेक्ट वाक के दौरान अवलोकन की गयी स्थितियों

बसाहट	गाँव के शुरूआत में मन्दिर जिसके बाद कैनल को पार कर थोडा आगे चले फिर एक मन्दिर मिला इसके बाद तालाब के किनारे भी एक मन्दिर था और जनरल समुदाय के मकान बने थे।ऑगनवाडी केन्द्र, प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक केन्द्र व पूर्व माध्यमिक विद्यालय होते हुये दलित व अन्य पिछड़ा वर्ग बस्ती मे पहुँचकर जलभराव देखने को मिला गाँव में सीसी रोड से फिर डामरीकरण रोड पर आये, फिर आगे चलकर एक और तालाब देखने को मिला, तालाब के किनारे रोड के साईट में दलित बस्ती में जल जमाव व रोड के किनारे अपशिष्ट पदार्थ (गोबर, कूड़ा, कचरा) देखा गया उसी रोड पर थोडे आगे बडे तो बारात घर के पास चार नाडैप गडढा बने थे जो सही तरीके से नही बने थे वही गदंगी का अम्बार देखने को मिला, उसी तरफ आगे बढे तो एक छोटा सा तालाव दिखाई दिया जिसके आसपास बहुत गन्दगी पडी थी। रास्तों के किनारे कूडे, गोबर आदि के बहुत सारे ढेर लगे थे। फिर पश्चिम की ओर मुडे तो दलित बस्ती में जलजमाव देखने को मिला उसके बाद आगे बढते हुये गाँव में अन्दर सीसी रोड टूटे पडे थे जिससे गन्दा जलभराव था।इसके बाद बडे तालाब के पास पहुचे जिसमें पूरा तालाब कीचड व जलकुम्भी से पटा पडा था। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय में बैठकर गाँव विकास के बारे मे चर्चा व विचार विमर्श किया गया।
तालतलैया	गाँव में तीन तालाब है जिसका क्षेत्रफल 3.2 एकड है। तालाब ही किनारे कूडा संसाधन का केन्द्र बनाये हुये है। तालाबों में गन्दगी व जलकुम्भी से पटे हुये है।
हरित क्षेत्र बाग बगीचा	ग्राम पंचायत भ्रमण के दौरान हरित क्षेत्र देखने को कम ही मिला। गाँव में बहुत कम संख्या में पेड पौधे लगे है। ऊसर/क्षारीय जमीन होने कारण पेड़ पौधे सूख जाते है उनकी जड़े सड जाती है।
भौतिक संसाधन	ग्राम पंचायतकोठीपुर में पेयजल हेतु 17 इण्डिया मार्का हैण्डपम्प लगे हुये है। ग्राम पंचायतस्कूल उपस्वास्थ्य केन्द्र आदि स्थित तो ठीक है लेकिन शीलन की समस्या है। पंचायत भवन पर सोलर पैनल लगा हुआ देखा गया। प्राथमिक विद्यालय/ऑगनवाडी में बायोगैस प्लॉट लगा है करीब 2 घनमीटर का।

## सामाजिक मानचित्रण

सभी मजदूरों के भ्रमण के उपरांत ग्राम पंचायत में स्थित सामुदायिक भवन/प्राथमिक विद्यालय के परिसर में ग्रामवासियों की उपस्थिति में सामाजिक मानचित्रण तैयार किया गया, जिसके आधार पर प्राप्त सूचनाएं निम्न तालिका में प्रदर्शित हैं—

विवरण	संख्या
ग्राम की चौहददी का क्षेत्रफल	121.528हे0
कुल टोलों की संख्या	1
कुल घरों की संख्या	241
कुल पक्के घरों की संख्या	196
कुल कच्चे घरों की संख्या	45
आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सं०	112
विकल लोग जनों की संख्या	10
महिला मुखिया परिवारों की संख्या	25
इण्डिया मार्का हैण्डपम्प	17

नोट- घरों की संख्या परिवार संख्या के आधार पर ली गयी है।

### जातिगत/श्रेणीगत विवरण

सामान्य जाति के घरों की संख्या	41
पिछड़ी जाति के घरों की संख्या	80
अनुसूचित जाति के घरों की संख्या	120
<b>कुल</b>	<b>241</b>

ग्राम पंचायत कोठीपुर फूड बाजार से 3 कि०मी० पूरब में स्थित है।

यहाँ पर 10 विकल लोग व्यक्ति है जिसमें 07पुरुष व 03 महिलाये है।

ग्राम पंचायत में 81 प्रतिशत लोग साक्षरता की श्रेणी में आते है जबकि महिलायें 78 प्रतिशत साक्षर है।

ग्राम पंचायत में 1000 पुरुषो पर 905 महिलाओं का अनुपात है।

### आजीविका के साधन—

आजीविका के साधन	व्यक्ति की संख्या
सरकारी नौकरी	45
छोटे उद्योग धन्धे	25
कृषि आधारित परिवारों	241
कला एवं शिल्पकार	5
पशुपालन	105
लोकल दुकान	4
व्यवसाय उद्यम	5
गैर कृषि मजदूर	178
अन्य	17

## आपदाओं का ऐतिहासिक समय रेखा एवं घटनाक्रम

### संलग्नक-04

ग्राम पंचायत कोठीपुर का ऐतिहासिक समय रेखा आपदाओं एवं उसके प्रभाव को जानने के बाद समुदाय के साथ यह भी जानने का प्रयास किया गया कि ये आपदाएं इस ग्राम पंचायत को कब-कब से प्रभावित कर रही हैं। इन आपदाओं का ऐतिहासिक समयरेखा जानने का प्रयास किया गया, जिसमें समुदाय ने माना कि जलजमाव एक ऐसी आपदा है, जो लगातार समुदाय को प्रभावित कर रही है। साथ ही प्रत्येक वर्ष बढ़ रही है। हाल के वर्षों में सूखा, लू एवं शीतलहर का प्रकोप भी ग्राम पंचायत को झेलना पड़ रहा है। इसी के साथ विगत दो वर्षों से कोरोना नामक बीमारी भी आपदा हो गयी थी। इस बीमारी से बचाव के लिए पूरे देश में लॉकडाउन लग जाने के कारण लोग अपने घरों में बन्द हो गये थे। इसका सबसे अधिक प्रभाव खेती में तैयार उत्पाद को बाजार/मण्डी बन्द होने से बड़े पैमाने पर लोगों की आजीविका प्रभावित हुई। प्राप्त सूचनाओं को निम्नवत् दर्ज किया गया है—

क्र०	वर्ष	आपदा/खतरा	घटनाओं का कारण	प्रभावित लोगों की सं०	मृतकों की सं०	आर्थिक क्षति	न्यूनीकरण हेतु किये गये कार्य
1	1980	डेगू	जल जनित	पूरा गाँव	0	रोजगार तथा आर्थिक व शारिरिक हानि	टीकाकरण, जनजागरूकता
2	2012	बाढ़	अत्यधिक वर्षा, जल निकासी का सही प्रबन्धन न होना	241 परिवार	0	45हेक्टेयर फसल लगभग खराब होगी	कोई कार्य नहीं किया
3	2018	फसलों में कीटों से नुकसान	मौसम में बदलाव	241 परिवार	0	60हेक्टेयर फसलों को नुकसान	स्वयं के खर्च से दवाओं का छिडकाव कराया।
4	2018	सूखा	जल संचयन क्षेत्रों का दोहन, खनन, पेड़ कटान, वायु प्रदूषण	124 परिवार	0	65हेक्टेयर खेती का नुकसान हुआ	कोई कार्य नहीं किया
5	2019	टिडडी दल	मौसम में बदलाव	70 परिवार	0	20हेक्टेयर फसलों को नुकसान हुआ	लोगों के द्वारा थाली व शोरगुल किया गया
6	2020-21	कोरोना का प्रभाव	बाहर से बीमारी ग्रस्त लोगों के आने के कारण	45	0	रोजगार के साथ आर्थिक, शारिरिक व मानसिक हानि	टीकाकरण, साफ सफाई, जागरूकता, माक्स आदि का प्रयोग
	2022	बाढ़ अथवा जलभराव	पर्यावरण असुन्तलन	15	0	15 एकड फसलों को नुकसान	खेत बुआई से वंचित

आजीविका के साधनों पर आपदाओं का प्रभाव-

क्र०	आजीविका के प्रकार	परिवार की सं०	आपदा	आपदा का प्रभाव			क्या प्रभाव पड़ता है
				अधिक	मध्यम	कम	
1	कृषि	30	जल जमाव		✓		<ul style="list-style-type: none"> <li>• 12 से 15 एकड़ फसल नष्ट हो जाती है उसकी बुवाई नहीं हो पाती है।</li> <li>• धान की नर्सरी पूरी तरह से बर्बाद हो जाती है।</li> <li>• धान में केचुआ (जड़ों व तनों में कीट) लग जाता है।</li> <li>• जमीन ऊसर हो जाती।</li> <li>• पेड़ पौधों की जड़े सड़ जाती है।</li> </ul>
			सूखा	✓			<ul style="list-style-type: none"> <li>• सिंचाई में खर्च अधिक लगता है।</li> <li>• फसलों की पैदावार कम होती है।</li> <li>• खेत में खड़ी फसल भी सूख जाती है।</li> <li>• पशु चारे का संकट होता है</li> <li>• पीने के पानी का संकट</li> </ul>
			शीतलहर		✓		<ul style="list-style-type: none"> <li>• फसले झुलस जाती है।</li> <li>• मसूर, चना पाला की समस्या हो जाती है।</li> <li>• सरसों में माहू का प्रकोप हो जाता है।</li> </ul>
2	मजदूरी	110	जल जमाव	✓			<ul style="list-style-type: none"> <li>• कृषि कार्य में मजदूरी बाधित होती है।</li> <li>• जल जमाव के कारण मनरेगा का कार्य भी नहीं होता है जिससे मजदूरी नहीं मिलती है।</li> <li>• बाहर भी काम कम हो जाते है।</li> </ul>
			सूखा			✓	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कृषिगत कार्य में मजदूरी नहीं मिलती है।</li> <li>• आजीविका प्रभावित होती है।</li> <li>• खानपान पर प्रभाव पड़ता है। जिससे बीमारी होने पर आर्थिक संकट से जुझना पड़ता है।</li> </ul>
			शीतलहर	✓			<ul style="list-style-type: none"> <li>• काम नहीं मिलता</li> <li>• स्वास्थ्य खराब रहता है।</li> </ul>

3	पशुपालन (गाय, बकरी, भैस, मुर्गीपालन, सुअरपालन)	208	जलजमाव	✓	<ul style="list-style-type: none"> <li>• चारे की गुणवत्ता खराब हो जाना</li> <li>• पशुओं में बीमारी हो जाना।</li> <li>• दुग्ध उत्पादन कम हो जाना।</li> </ul>
			सूखा	✓	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पशुओं में दुग्ध उत्पादन कम हो जाना।</li> <li>• अत्यधिक गर्मी के कारण पशुओं में बीमारी का होना।</li> <li>• गाय भैसों को स्वास्थ्य रखने के लिये आवश्यक जल आपूर्ति में कमी।</li> <li>• मुर्गी पालन में बहुत नुकसान होना।</li> <li>• अत्यधिक धूप के कारण केशरों की धूल पशु चारे को प्रभावित करती है जिसका प्रयोग करने से पशु बीमारी ग्रस्त हो जाते हैं।</li> <li>• पशु चारे को पानी से धोकर साफ कर पशुओं के खाने के योग्य होता जिसमें पानी की व्यवस्था करने में बहुत परेशानी होती है।</li> </ul>
			शीतलहर	✓	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पशुचारे की समस्या हो जाना</li> <li>• पशु चारे की समस्या हो जाना</li> <li>• बकरियों का ठंड लगने से बीमारी हो जाती है।</li> <li>• पशुओं में दुग्ध उत्पादन में कमी हो जाती है।</li> <li>• मुर्गी क चूजों का मर जाना।</li> </ul>
4	स्वयं का व्यवसाय (छोटी दुकान आदि)	15	जलजमाव	✓	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सामान ले जाने व ले आने में समस्या होती है।</li> <li>• माल के रखरखाव में समस्या आती है।</li> <li>• सामान महंगा हो जाता है।</li> </ul>
			शीतलहर	✓	<ul style="list-style-type: none"> <li>• आजीविका का संकट हो जाता है।</li> <li>• बच्चों की पढाई में कमी आ जाती है व उपस्थिति कम हो जाती है।</li> </ul>

## मौसमी कलेण्डर— फसलवार— कोठीपुर

क्र०	मुख्य फसलों के नाम	आपदाये	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
1	खरीफ फसल धान								सुड़ी तना	जड़ में कीट	रस चूसक			
	तिल								जड़ गलन, फंफूदी					
	उर्द / मूंग								छेदक, जड़ कटर, इल्ली					
2	रबी फसल सरसो		ओला, बारिस, माहू									गर्मी, जड़ कटर	जड़ कटर	बारिस
	गेहूँ		ओला, तेज हवा व वर्षा										वर्षा, ओला	
	आलू		ओला, वर्षा, कीट प्रकोप									गर्मी, वर्षा, पाला	पाला	
	चना		ओला, वर्षा, इल्ली									पाला	वर्षा	उखटा

## मौसमी विश्लेषण – कोठीपुर

क्र०	मौसम	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
1	जाड़ा/सर्दी-पूर्व वर्तमान	↔	↔										↔
2	गर्मी-पूर्व वर्तमान			↔									↔
3	वर्षा-पूर्व वर्तमान												

मौसमी कलेण्डर- बीमारी- कोठीपुर

क्र०	मुख्य बीमारी	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
1	मनुष्य बीमारी	जोड़ों में दर्द	ऑख की बीमारी	गैस, पथरी, पेट दर्द, गोंठ दर्द, मुंह में छाले				मलेरिया, फोडा	फुन्सी,	सिरदर्द	जुकाम	खॉसी	जुकाम
2	पशु बीमारी	दस्त, पीलिया	खुरपका			मुंह में छाले		खुरपका बुखार					
3	पेयजल						दूषित पानी						



# ग्राम पंचायत कीठीपुर विकासखण्ड भाग्यनगर जिला औरैया







# अनुलग्नक IV: लक्ष्य, लागत, उत्सर्जन से बचाव और अनुक्रमण क्षमता का अनुमान

## हरित स्थान और जैवविविधता को बढ़ाना

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियाँ	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता /उत्सर्जन से बचाव
1	वृक्षारोपण गतिविधियाँ	<p><b>चरण 1:</b> वर्तमान में ग्राम पंचायत में हो रही गतिविधियों के सामान (प्रधान के साथ परामर्श के दौरान जानना अनिवार्य है)</p> <p><b>चरण 2:</b> भूमि की उपलब्धता के आधार पर वृक्षारोपण लक्ष्य को 500-1000 तक बढ़ाना।</p> <p><b>चरण 3:</b> भूमि की उपलब्धता के आधार पर लक्ष्य को 500-1000 तक और बढ़ाना।</p>	<p>वृक्षारोपण (तैयारी, पौधारोपण, श्रम आदि)<sup>99</sup>= ₹ 70 प्रति पेड़ (पौधे डीओईएफसीसी, उत्तर प्रदेश सरकार से निःशुल्क उपलब्ध हैं)</p> <p>ट्री गार्ड (धातु)<sup>100</sup> = ₹ 1,200 प्रति इकाई</p> <p>वृक्षारोपण का रखरखाव: ₹ 1.5 लाख/हेक्टेयर</p>	<p>सागौन की प्रजातियों के आधार पर अनुक्रमण की क्षमता का अनुमान - प्रति पेड़ 5.6 से 10 टन कार्बन डाइऑक्साइड (tCO<sub>2</sub>e)</p> <p>कृषि वानिकी के लिए वृक्षारोपण घनत्व 100 पेड़/हेक्टेयर माना जाता है</p>
2	आरोग्य वन	<ul style="list-style-type: none"> <li>300-400 हेक्टेयर से कम क्षेत्र वाले ग्राम पंचायत के लिए, 0.1 हेक्टेयर क्षेत्र के साथ एक आरोग्य वन का सुझाव दिया जा सकता है।</li> <li>लगभग 1000 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली ग्राम पंचायत के लिए, भूमि की उपलब्धता के आधार पर 0.2-0.5 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक आरोग्य वन का सुझाव दिया जा सकता है।</li> </ul>		
3	कृषि वानिकी	<p>(यह व्यक्तिपरक हो सकता है और कृषि-वानिकी गतिविधियाँ चरण 1 से शुरू की जा सकती हैं )</p> <p><b>चरण 2:</b> कुल कृषि भूमि का 40% ; साथ ही + प्रति हेक्टेयर 100 पेड़ लगाया जाना</p> <p><b>चरण 3:</b> शेष कृषि भूमि ; साथ ही + प्रति हेक्टेयर 100 पेड़ लगाया जाना</p>	<p>कृषि वानिकी की लागत<sup>101</sup> = ₹ 40,000/हेक्टेयर<sup>102</sup></p>	

99 वृक्षारोपण दिशानिर्देशों और ग्राम पंचायत से प्राप्त सुझावों के अनुसार लागत

100 लागत बाजार भाव के अनुसार

101 कृषि वानिकी दिशानिर्देशों पर उप-मिशन, सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन के अनुसार लागत

102 <https://link.springer.com/article/10.1007/s42535-022-00348-9>

## सतत कृषि

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता /उत्सर्जन से बचाव
1	सूक्ष्म सिंचाई-ड्रिप एवं स्प्रिंकलर (छिड़काव) सिंचाई	<p><b>चरण 1:</b> कुल कृषि भूमि का 30% सम्मिलित किया जाना</p> <p><b>चरण 2:</b> कुल कृषि भूमि का 70% सम्मिलित किया जाना</p> <p><b>चरण 3:</b> कुल कृषि भूमि का 100% सम्मिलित किया जाना</p>	₹ 1 लाख प्रति हेक्टेयर	
2	बांधों का निर्माण	<p><b>चरण 1:</b> सम्मिलित की जाने वाली कुल कृषि भूमि का 50%</p> <p><b>चरण 2:</b> सम्मिलित की जाने वाली कुल कृषि भूमि का 100%</p> <p><b>चरण 3:</b> मेड़ों का रखरखाव</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>- मेड़ों का निर्माण कृषि क्षेत्रों की परिधि पर किया जाता है</li> <li>- ग्राम पंचायत में किसानों के पास विभिन्न आकारों की भूमि होती है। अनुमान : सभी खेत वर्गाकार होते हैं।</li> </ul>	1 मी. मेड़बंदी के लिए <sup>103</sup> = ₹ 150 रुपये	
3	कृषि तालाबों का निर्माण	<p><b>चरण 1:</b> 5-10 तालाब</p> <p><b>चरण 2:</b> 15-20 तालाब चरण : यदि आवश्यक हो तो अधिक + तालाबों का रखरखाव</p> <p>1 कृषि तालाब की क्षमता = 300 m<sup>3</sup></p> <p>ग्राम पंचायत में बड़े खेतों की संख्या + तालाबों की आवश्यकता पर निर्भर करता है (प्रधान से की गई बातचीत के आधार पर)</p>	1 कृषि तालाब का निर्माण <sup>104</sup> = ₹ 90,000	

103 एचआरवीसीए में ग्राम पंचायत से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

104 एचआरवीसीए में ग्राम पंचायत से प्राप्त सुझावों के अनुसार लागत

4	प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाना	<p><b>चरण 1:</b> कुल कृषि भूमि का 15% सम्मिलित किया जाना</p> <p><b>चरण 2:</b> कुल कृषि भूमि का 40% सम्मिलित किया जाना</p> <p><b>चरण 3:</b> कुल कृषि भूमि का 100% सम्मिलित किया जाना</p>	<p>a. प्रशिक्षण और प्रदर्शन (3 सत्र): ₹ <b>60,000</b></p> <p>b. प्रमाणीकरण (विशेषज्ञ परामर्श के आधार पर): ₹ <b>33,000</b></p> <p>c. फसल प्रणाली का परिचय- जैविक बीज खरीद; नाइट्रोजन संचयन संयंत्र लगाना--&gt; प्रति एकड़ लागत = ₹ <b>2,500</b></p> <p>d. एकीकृत खाद प्रबंधन- तरल जैव उर्वरक की खरीद और उसका उपयोग; तरल जैव कीटनाशकों की खरीद और उसका उपयोग; प्राकृतिक कीट नियंत्रण तंत्र की स्थापना; फॉस्फेट युक्त जैविक खाद---&gt; प्रति एकड़ लागत = ₹ 2,500</p> <p>e. गणना (प्रति एकड़ परिवर्तन की लागत) = a + b + c + d = ₹ 1,00,000 कुल लागत 105: क्षेत्र (हेक्टेयर) * e-&gt;2.471 * 1,00,000 = ₹ <b>2,47,100</b></p>	
---	---------------------------------	---	---	--

## जल निकायों का प्रबंधन और कायाकल्प और अपशिष्ट जल प्रबंधन

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता /उत्सर्जन से बचाव
1	वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) संरचनाएं	<p><b>चरण 1:</b> सभी सरकारी/पीआरआई भवनों में</p> <p><b>चरण 2:</b> सभी पीआरआई भवनों + पुनर्भरण गड्डों में वर्षा जल संचयन संरचनाओं (आरडब्ल्यूएच) की स्थापना (एचआरवीसीए में सुझाई गई )</p> <p><b>चरण 3:</b> 1000 वर्ग फुट के आवासीय भवनों में आरडब्ल्यूएच संरचनाओं की स्थापना + सभी नए भवनों में आरडब्ल्यूएच प्रणाली को शामिल करना</p>	<p>10 m<sup>3</sup> क्षमता वाली 1 वर्षा जल संचयन संरचना की लागत<sup>106</sup> = ₹ <b>35,000</b></p> <p>1 पुनर्भरण गड्डे की लागत = ₹ <b>35,000</b></p>	

105 यूपी राज्य जैविक प्रमाणीकरण एजेंसी ( UPSOCA\_Tariff\_20March.pdf (apeda.gov.in) ) और राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (NMSA) दिशानिर्देश

106 छत पर वर्षा जल संचयन दिशानिर्देश, भारतीय मानक (IS 15797:2008)

2	जल निकायों का रखरखाव  (यदि ये वृक्षारोपण समग्र हरित स्थान को बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा हैं, जैसा कि ऊपर बताया गया है तो लागत की दोगुनी गणना नहीं की जाएगी)	<b>चरण 1:</b> जल निकायों की सफाई, गाद निकालना और बाड़ लगाना + जल निकायों की परिधि के आसपास वृक्षारोपण (1000) (ट्री गार्ड के साथ) <b>चरण 2:</b> जल निकायों के आसपास अतिरिक्त 100 वृक्षारोपण (वृक्ष रक्षकों के साथ) + जल निकायों का निरंतर रखरखाव <b>चरण 3:</b> जल निकायों का निरंतर रखरखाव	अनुमानित लागत <sup>107</sup> : 1 तालाब का जीर्णोद्धार (सफाई, गाद निकालना, जलग्रहण क्षेत्र में वृद्धि, आदि) = <b>₹ 7 लाख</b> 2. 1 रिटेंशन तालाब (300 मीटर <sup>3</sup> क्षमता) का निर्माण = <b>₹ 7 लाख</b> 3. ट्री गार्ड के साथ वृक्षारोपण = <b>₹ 1,200 प्रति यूनिट</b> 4. रखरखाव की लागत: a. 1 तालाब/जल निकाय = <b>₹ 3, 75,000</b> b. 1 प्रतिधारण तालाब = <b>₹ 50,000</b> c. ट्री गार्ड वाला पेड़ = <b>₹ 20 प्रति यूनिट</b>	
3	जल निकासी के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना	<b>चरण 1:</b> मौजूदा नालियों की सफाई और गाद निकालना + जल निकासी के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना (नए नालों का निर्माण) <b>चरण 2 और 3:</b> चरण 1 में जारी गतिविधियाँ जारी जारें	अधिकतर एचआरवीसीए दस्तावेज़ में दी गई लागतों को देखें	

## सतत और उन्नत गतिशीलता

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियाँ	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता /उत्सर्जन से बचाव
1	मौजूदा सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाना	<b>चरण 1:</b> सड़क मरम्मत/रख-रखाव कार्य + सड़क आरसीसी/इंटरलॉकिंग कार्य <b>चरण 2 और 3:</b> सड़कों का निरंतर रखरखाव	सड़क रख-रखाव /मरम्मत की प्रति किमी लागत <sup>108</sup> : <b>₹ 50,00,000 प्रति किलोमीटर</b>	
2	माध्यम आकर के सार्वजनिक परिवहन (आईपीटी) को बढ़ाना	ग्राम पंचायत की आवश्यकतानुसार सुझावों के अनुसार ई ऑटो-रिक्शा	1 ई ऑटो-रिक्शा की कीमत: ~₹3,00,000 उपलब्ध सब्सिडी: प्रति वाहन 2,000 रुपये तक	

107 एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

108 प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) दर/किमी के अनुसार लागत और एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट

3	ई-ट्रैक्टर और ई-माल वाहन किराए पर लेने की सुविधा	<b>चरण 1:</b> डीजल ट्रैक्टरों और माल परिवहन वाहनों के इलेक्ट्रिक विकल्पों को बढ़ावा देना + किसानों को ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभों के बारे में जागरूक करना <b>चरण 2 &amp; 3:</b> निरंतर जागरूकता	1 ई-ट्रैक्टर की कीमत = ₹ 6,00,000 1 कमर्शियल ई-वाहन की कीमत = ₹ 5 से 10 लाख	
---	--	---	--	--

## सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता /उत्सर्जन से बचाव
1	अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली स्थापित करना	<b>चरण 1:</b> a. ग्राम पंचायत की घर-घर कचरा संग्रहण प्रणाली के तहत 100% घरों को शामिल करना b. मौजूदा कचरे का 100% एकत्र करने के लिए इलेक्ट्रिक कचरा वैन की व्यवस्था c. कूड़ादानों की स्थापना d. अन्य हितधारकों (एसएचजी, स्थानीय स्कैप डीलर, स्थानीय व्यवसाय और एमएसएमई) के साथ साझेदारी बनाना	कुल उत्पन्न कचरा = प्राथमिक डेटा, यदि उपलब्ध नहीं है, तो ग्राम पंचायत में उत्पन्न प्रति व्यक्ति औसत कचरा लगभग 80 ग्राम प्रति दिन लें; बायोडिग्रेडेबल/जैविक अपशिष्ट- 58% गैर-बायोडिग्रेडेबल/अकार्बनिक अपशिष्ट - 42% आवश्यक ई-कचरा वैन की संख्या = कुल उत्पन्न कचरा/प्रत्येक वैन की क्षमता (310 किग्रा) कूड़ेदानों की संख्या = एचआरवीसीए से या उचित स्थानों की पहचान करके अनुमान लगाया जा सकता है स्थान (पीआरआई भवन, सार्वजनिक भवन, पार्क, आदि)	
		<b>चरण 2:</b> a. ग्राम पंचायत-स्तरीय पुनर्चक्रण और प्लास्टिक श्रेडर इकाई b. अतिरिक्त कूड़ादानों की स्थापना c. अतिरिक्त इलेक्ट्रिक कचरा वैन की व्यवस्था d. मौजूदा सुविधाओं/बुनियादी ढांचे का रखरखाव e. साझेदारी को बढ़ाना	प्लास्टिक श्रेडर इकाई की संख्या = 1 प्रति पंचायत  अतिरिक्त कूड़ादान = एचआरवीसीए से या उचित स्थानों (पीआरआई भवन, सार्वजनिक भवन, पार्क, आदि) की पहचान करके अनुमानित करना ।	



		<p><b>चरण 3:</b></p> <p>a. रखरखाव कार्य</p> <p>b. साझेदारी को बढ़ाना</p>	<p>लागत<sup>109</sup>: 1. 1 इलेक्ट्रिक कचरा वैन = ₹ 95,000 से 1,00,000 2. 1 कूड़ादान/कंटेनर = <sup>110</sup> ₹ 15,000</p>	
2	जैविक अपशिष्ट का प्रबंधन	<p><b>चरण 1:</b></p> <p>a. सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से कम्पोस्ट और वर्मी-कम्पोस्ट गड्डों की स्थापना</p> <p>b. पंचायत, समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों के बीच साझेदारी मॉडल:</p> <p>1. कम्पोस्ट का उत्पादन एवं विक्रय</p> <p>2. कृषि अपशिष्ट की बिक्री</p>	<p>कुल उत्पन्न बायोडिग्रेडेबल/जैविक कचरा = प्राथमिक डेटा</p> <p>घरों, वाणिज्यिक दुकानों, सरकारी/पीआरआई भवनों, सार्वजनिक भवनों और खुले स्थानों आदि से जैविक कचरा = xxx किलोग्राम प्रति दिन (प्राथमिक डेटा के अनुसार)</p> <p>संभावित खाद की मात्रा (किलो प्रति दिन) जो उत्पन्न की जा सकती है = xxx किग्रा/दिन जैविक अपशिष्ट / 2 प्रति वर्ष __ किलोग्राम कृषि अपशिष्ट की आवधिक खाद बनाना (प्राथमिक डेटा के अनुसार)</p>	
		<p>चरण II और III:</p> <p>a. रखरखाव और कम्पोस्ट गड्डों की क्षमता बढ़ाना</p> <p>b. साझेदारी को बढ़ाना</p>	<p>लागत<sup>111</sup>:</p> <p>1. कम्पोस्ट गड्डों की लागत संदर्भ: 30 वर्मीकम्पोस्टिंग और 15 नाडेप कम्पोस्ट गड्डे = ₹ 4,50,000</p> <p>2. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन यार्ड (जैविक और अजैविक दोनों प्रकार के कचरे के लिए) लागत संदर्भ: ₹ 35,00,000<sup>112</sup></p>	
3	एकल-उपयोग-प्लास्टिक पर प्रतिबंध	<p><b>चरण 1:</b></p> <p>a. सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध</p> <p>b. जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण कार्यक्रम</p> <p>c. रेस अभियान और लाइफ़ मिशन का लाभ उठाना</p> <p>d. पंचायत, महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों के बीच साझेदारी मॉडल</p>	<p>विनिर्माण के क्षेत्र में 100 महिलाओं की भागीदारी</p>	

109 लागत बाजार भाव के अनुसार

110 एसबीएम दिशानिर्देशों और एचआरवीसीए रिपोर्ट में इनपुट के अनुसार लागत

111 [https://www.biocycle.net/connection-co2-math-for-compost-benefits/#:~:text=In%20the%20process%20of%20making%20compost%20the%20microbes,food%20waste%20turns%20into%2050%20kg%20of%](https://www.biocycle.net/connection-co2-math-for-compost-benefits/#:~:text=In%20the%20process%20of%20making%20compost%20the%20microbes,food%20waste%20turns%20into%2050%20kg%20of%20)

112 एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

	<p><b>चरण 2:</b></p> <p>a. निरंतर जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम</p> <p>b. पंचायत और आस-पास के गांवों में महिलाओं, एसएचजी, एमएसएमई और व्यक्तिगत उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाना</p>	अतिरिक्त 200 महिलाएँ	
	<p><b>चरण 3:</b></p> <p>a. निरंतर जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम</p> <p>b. पंचायत और आसपास के गांवों में महिलाओं, एसएचजी, एमएसएमई और व्यक्तिगत उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाना</p>	अतिरिक्त 300 महिलाएँ	

## स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता /उत्सर्जन से बचाव
	सौर छतें	<p><b>चरण 1:</b> सरकारी/पीआरआई भवन (पंचायत भवन, स्कूल, आंगनवाड़ी, पीएचसी, सीएचसी, सीएससी आदि)</p> <p>अनुमान- छत के 70% क्षेत्र की सोलर रूफटॉप लगाने के लिए उपलब्धता</p>	<p>सौर क्षमता की गणना के लिए एमएनआरई सोलर रूफटॉप पोर्टल का उपयोग करें।</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में) = स्थापित क्षमता (किलोवाट) * 310 (धूप वाले दिन) * 24 (घंटे) * 0.18 (सीयूएफ) (प्रत्येक पीआरआई भवन के लिए इसकी गणना करें और कुल जोड़ें)</p> <p>स्थापित क्षमता- उपरोक्त वेबसाइट से कुल स्थापित क्षमता=पंचायत भवन+स्कूल 1+स्कूल 2....+कोई अन्य पीआरआई भवन</p> <p>प्रति किलोवाट लागत = ₹ 50,000</p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या = उत्पादित बिजली/365</p>	<p>उत्पन्न वार्षिक बिजली (किलोवाट)*</p> <p><math>0.82/1000 =</math></p> <p>___ टन CO<sub>2</sub></p>

		<p><b>चरण 2 और 3:</b> परिवार अनुमान- छत के 70% क्षेत्र की सोलर रूफटॉप लगाने के लिए उपलब्धता मानी गई स्थापित क्षमता - 3 किलोवाट पॉवर</p> <p><b>चरण 2:</b> स्थापित करने के लिए कुल पक्के घरों का 40%</p> <p><b>चरण 3:</b> स्थापित करने के लिए कुल पक्के घरों का 100%</p>	<p>प्रति परिवार औसत स्थापित क्षमता = 3 किलोवाट पॉवर</p> <p>परिवार स्तर पर स्थापित कुल क्षमता = परिवारों की संख्या * 3 किलो वाट पॉवर</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में)= पारिवारिक स्तर पर स्थापित कुल क्षमता (किलोवाट) *310 (धूप वाले दिन)*24 (घंटे)*0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति किलोवाट लागत = ₹ 50,000<sup>113</sup></p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या= वार्षिक उत्पादित बिजली/365</p>	
2	कृषि-फोटोवोल्टिक	<p><b>चरण 2:</b> उपयुक्त कृषि क्षेत्र का 25%</p> <p><b>चरण 3:</b> उपयुक्त कृषि क्षेत्र का 50% उपयुक्त कृषि क्षेत्र – दलहनों और सब्जियों के अंतर्गत क्षेत्र (मूल्य 10 हेक्टेयर से कम रखें)</p>	<p>प्रति हेक्टेयर 250 किलोवाट स्थापित कुल स्थापित क्षमता = क्षेत्रफल (हेक्टेयर) * 250 किलोवाट पॉवर</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में)=कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट) *310 (धूप वाले दिन)*24 (घंटे)*0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति किलोवाट लागत = ₹ 1 लाख<sup>114</sup></p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या= वार्षिक उत्पादित बिजली/365</p>	
3	सौर पंप	<p><b>चरण 1:</b> 20% डीजल पम्पों का बदला जाना</p> <p><b>चरण 2:</b> 50% डीजल पम्पों का बदला जाना</p> <p><b>चरण 3:</b> 100% डीजल पम्पों का बदला जाना</p>	<p>स्थापित क्षमता = 5.5 किलोवाट प्रति पंप</p> <p>कुल स्थापित क्षमता = बदले गए पंपों की संख्या * 5.5 किलोवाट</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली उत्पन्न= कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट) *310 (दिन)*24 (घंटे)*0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या= वार्षिक उत्पादित बिजली/365</p> <p>प्रति पंप लागत = ₹ 3 से 5 लाख<sup>115</sup></p>	<p>डीजल की खपत को कम करना =390 लीटर/प्रति/वर्ष</p> <p>प्रति वर्ष कम कुल डीजल खपत = बदले गए पंपों की संख्या * 390</p> <p>उत्सर्जन से बचाव = प्रति पंप प्रति वर्ष 1.05 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (CO2e)</p>

113 एमएनआरई और मौजूदा बाजार दरों के अनुसार लागत

114 बाज़ार दर के अनुसार लागत

115 लागत PMKSY एवं बाज़ार दर के अनुसार

4	रसोई में स्वच्छ ईंधन का उपयोग	<p><b>चरण 1:</b> 25% घरों में बायोगैस स्थापित करने के लिए मवेशी + शीर्ष आय वर्ग में 25% घरों में सौर इंडक्शन कुकस्टोव + 50% परिवार जो वर्तमान में बायोमास का उपयोग करते हैं उनके पास बेहतर चूल्हों की उपलब्धता</p> <p><b>चरण 2:</b> 50% घरों में बायोगैस स्थापित करने के लिए मवेशी + 50 शीर्ष आय वर्ग के % घरों में सौर इंडक्शन चूल्हे + वर्तमान में बायोमास का उपयोग करने वाले 100% घरों में बेहतर चूल्हों की उपलब्धता</p> <p><b>चरण 3:</b> 100% घरों में बायोगैस स्थापित करने के लिए मवेशी + शीर्ष आय समूहों में 100% घरों में सौर इंडक्शन और खाना पकाने का चूल्हे की उपलब्धता</p>	<p>1 बायोगैस प्लांट की लागत = ₹ <b>50,000</b></p> <p>2 से 3 m<sup>3</sup> बायोगैस संयंत्र की लागत, बिना बैटरी वाले डबल बर्नर वाले सोलर कुकस्टोव की लागत = ₹ <b>45,000</b></p> <p>1 बेहतर चूल्हे की लागत = ₹ <b>3,000</b><sup>116</sup></p>	
5	ऊर्जा दक्षता (ईई)	<p><b>चरण 1:</b> सभी सरकारी/पीआरआई भवनों को सभी फिक्स्चर और पंखों को ऊर्जा कुशल फिक्स्चर और पंखों से बदलना + सभी परिवारों के 1 तापदीप्त/सीएफएल बल्ब को एलईडी बल्ब से या 1 फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइट को एलईडी ट्यूब लाइट से बदलना</p> <p><b>चरण 2:</b> सभी तापदीप्त/सीएफएल बल्बों को एलईडी बल्ब से और सभी फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइटों को एलईडी ट्यूब लाइट से बदला जाना + सभी परिवारों में 1 पारंपरिक पंखे को ईई पंखे से बदला जाना ।</p> <p><b>चरण 3:</b> सभी परिवारों में सभी पंखों को ईई पंखों से बदला जाएगा</p>	<p>1 एलईडी बल्ब की लागत = ₹ <b>70</b></p> <p>1 एलईडी ट्यूबलाइट की लागत = ₹ <b>220</b></p> <p>1 ईई पंखे की लागत = ₹ <b>1,110</b><sup>117</sup></p>	
6	सौर स्ट्रीटलाइट्स	<p>प्रधान से प्राप्त जानकारी के आधार पर हाई-मास्ट सोलर स्ट्रीट लाइट - प्रत्येक सरकारी / पीआरआई भवन, तालाब/झील, हरित स्थान/ पार्क/खेल का मैदान/उद्यान/आरोग्य वन के लिए 1 (या आवश्यकता के अनुसार अधिक)।</p>	<p>1 हाई-मास्ट की लागत = ₹ <b>50,000</b></p> <p>1 सौर एलईडी स्ट्रीट लाइट की लागत = ₹ <b>10,000</b><sup>118</sup></p>	

116 बाजार दर के अनुसार लागत

117 विद्युत मंत्रालय द्वारा उजाला योजना दिशानिर्देशों के अनुसार लागत ( <https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specialdocs/documents/2022/jun/doc202261464801.pdf> )

118 बाजार दर के अनुसार लागत

## आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाना

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता /उत्सर्जन से बचाव
1	सौर ऊर्जा चालित कोल्ड स्टोरेज का निर्माण एवं किराये पर देना	कोल्ड स्टोरेज की स्थापना	क्षमता: 1 इकाई = 5 - 10 मीट्रिक टन सब्जियों और फलों/और/या दूध और दूध उत्पादों के उत्पादन पर आधारित लागत: <b>₹ 8-15 लाख प्रति यूनिट</b>	

# अनुलग्नक V: प्रासंगिक एसडीजी और लक्ष्य

## एसडीजी 2: जीरो हंगर



**लक्ष्य 2.3:** भूमि, अन्य उत्पादक संसाधनों और इनपुट, ज्ञान, वित्तीय सेवाओं, मूल्यवर्धन और गैर-कृषि रोजगार के लिए बाजार और अवसर तक सुरक्षित और समान अभिगम सहित, छोटे पैमाने के खाद्य उत्पादकों, विशेष रूप से महिलाओं, स्वदेशी लोगों, पारिवारिक किसानों, चरवाहों और मछुआरों की कृषि उत्पादकता और आय को दोगुना करना।

**लक्ष्य 2.4:** वर्ष 2030 तक, सतत खाद्य उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित करना तथा लचीली कृषि पद्धतियों को लागू करना जो उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ाती हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में मदद करती हैं, जो जलवायु परिवर्तन, चरम मौसम, सूखा, बाढ़ और अन्य आपदाओं के अनुकूलन की क्षमता को सुदृढ़ करती हैं एवं जो भूमि और मिट्टी की गुणवत्ता में उत्तरोत्तर सुधार करती हैं।

**लक्ष्य 2.a; अनुच्छेद 10.3.e.:** सतत सिंचाई कार्यक्रमों का विकास

## एसडीजी 3: अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली



**लक्ष्य 3.3:** एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारी को समाप्त करना तथा हेपेटाइटिस, जल-जनित रोगों और अन्य संचारी रोगों से मुकाबला करना।

**लक्ष्य 3.9:** खतरनाक रसायनों और वायु, जल और मिट्टी के प्रदूषण और संदूषण से होने वाली मौतों और बीमारियों की संख्या में काफी कमी लाना।

## एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता



**लक्ष्य 6.1:** पीने के पानी तक सार्वभौमिक और न्यायसंगत पहुंच प्राप्त करना।

**लक्ष्य 6.3:** वर्ष 2030 तक, प्रदूषण को कम करके, डंपिंग को समाप्त करके और खतरनाक रसायनों और सामग्रियों की रिहाई को कम करके, अनुपचारित अपशिष्ट जल के अनुपात को आधा करके और वैश्विक स्तर पर रीसाइक्लिंग और सुरक्षित पुनः इस्तेमाल को बढ़ाकर पानी की गुणवत्ता में सुधार करना।

**लक्ष्य 6.4:** सभी क्षेत्रों में जल-इस्तेमाल दक्षता में पर्याप्त वृद्धि करना और स्थायी निकासी सुनिश्चित करना

**लक्ष्य 6.5:** सभी स्तरों पर एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन लागू करना

**लक्ष्य 6.8:** स्थानीय समुदायों की भागीदारी को समर्थन और सुदृढ़ करना

**लक्ष्य 6.a :** अपशिष्ट जल उपचार, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल प्रौद्योगिकियों सहित जल और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों और कार्यक्रमों में विकासशील देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण सहायता का विस्तार करना।

## एसडीजी 7: किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा



**लक्ष्य 7.1:** किफायती, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा सेवाओं तक सार्वभौमिक अभिगम सुनिश्चित करना।

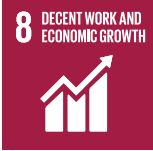
**लक्ष्य 7.2:** ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना

**लक्ष्य 7.3:** ऊर्जा दक्षता में सुधार की वैश्विक दर को दोगुना करना

**लक्ष्य 7.a :** नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और उन्नत और स्वच्छ जीवाश्म-ईंधन प्रौद्योगिकी सहित स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान और प्रौद्योगिकी तक अभिगम की सुविधा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना, और ऊर्जा अवसंरचना और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में निवेश को बढ़ावा देना।

**लक्ष्य 7.b:** विकासशील देशों में उनके समर्थन कार्यक्रमों के अनुसार सभी के लिए आधुनिक और सतत ऊर्जा सेवाओं की आपूर्ति के लिए अवसंरचना का विस्तार और प्रौद्योगिकी का उन्नयन।

## एसडीजी 8: अच्छा कार्य और आर्थिक विकास



**लक्ष्य 8.3:** विकास-उन्मुख नीतियों को बढ़ावा देना जो उत्पादक गतिविधियों, सही रोजगार सृजन, उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देती हैं, और वित्तीय सेवाओं तक अभिगम सहित सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों की औपचारिकता और विकास को प्रोत्साहित करती हैं।

## एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और अवसंरचना



**लक्ष्य 9.1:** गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय, टिकाऊ और लचीला बुनियादी ढाँचा विकसित करना

## एसडीजी 11: संधारणीय शहर और समुदाय



**लक्ष्य 11.2:** सभी के लिए सुरक्षित, किफायती, सुलभ और सतत परिवहन प्रणाली

**लक्ष्य 11.4:** विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा के प्रयासों को सुदृढ़ करना

**लक्ष्य 11.7:** वर्ष 2030 तक, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों, वृद्ध व्यक्तियों और विकलांग व्यक्तियों के लिए सुरक्षित, समावेशी और सुलभ, हरे और सार्वजनिक स्थानों तक सार्वभौमिक अभिगम प्रदान करना।

## एसडीजी 12: सतत खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना



**लक्ष्य 12.2:** प्राकृतिक संसाधनों का सतत प्रबंधन और कुशल इस्तेमाल प्राप्त करना

**लक्ष्य 12.4:** वर्ष 2020 तक, सहमत अंतरराष्ट्रीय ढांचे के अनुसार रसायनों और उनके पूरे जीवन चक्र में सभी अपशिष्टों का पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ प्रबंधन प्राप्त करना, और मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए हवा, पानी और मिट्टी में उनकी रिहाई को काफी कम करना।

**लक्ष्य 12.5:** वर्ष 2030 तक रोकथाम, कमी, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल के माध्यम से अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम करना।

**लक्ष्य 12.5:** वर्ष 2030 तक रोकथाम, कमी, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल के माध्यम से अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम करना।

**लक्ष्य 12.8:** वर्ष 2030 तक, सुनिश्चित करें कि हर जगह लोगों के पास सतत विकास और प्रकृति के साथ सद्भाव में जीवन शैली के लिए प्रासंगिक जानकारी और जागरूकता हो।



## एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाई



**लक्ष्य 13.1:** सभी देशों में जलवायु संबंधी खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीलापन और अनुकूली क्षमता को सुदृढ़ करना।

**लक्ष्य 13.2:** जलवायु परिवर्तन उपायों को राष्ट्रीय नीतियों, रणनीतियों और योजना में एकीकृत करना।

**लक्ष्य 13.3:** जलवायु परिवर्तन शमन, अनुकूलन, प्रभाव में कमी और प्रारंभिक चेतावनी पर शिक्षा, जागरूकता बढ़ाने और मानव और संस्थागत क्षमता में सुधार करना।

## एसडीजी 15: भूमि पर जीवन



**लक्ष्य 15.1:** अंतरराष्ट्रीय समझौतों के तहत दायित्वों के अनुरूप स्थलीय और अंतर्देशीय मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र और उनकी सेवाओं, विशेष रूप से जंगलों, आर्द्रभूमि, पहाड़ों और शुष्क भूमि के संरक्षण, बहाली और सतत इस्तेमाल को सुनिश्चित करना।

**लक्ष्य 15.2:** वर्ष 2020 तक सभी प्रकार के वनों के स्थायी प्रबंधन के कार्यान्वयन को बढ़ावा देना, वनों की कटाई को रोकना, नष्ट हुए वनों को पुनर्स्थापित करना और विश्व स्तर पर वनीकरण और पुनर्वनीकरण में पर्याप्त वृद्धि करना।

**लक्ष्य 15.3:** वर्ष 2030 तक, मरुस्थलीकरण से निपटना, मरुस्थलीकरण, सूखे और बाढ़ से प्रभावित भूमि सहित खराब भूमि और मिट्टी को बहाल करना, और भूमि क्षरण-तटस्थ दुनिया को प्राप्त करने का प्रयास करना। लक्ष्य 15.5: प्राकृतिक आवासों के क्षरण को कम करने, जैव विविधता के नुकसान को रोकने के लिए तत्काल और महत्वपूर्ण कार्रवाई करना।

**लक्ष्य 15.9:** वर्ष 2020 तक, पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता मूल्यों को राष्ट्रीय और स्थानीय योजना, विकास प्रक्रियाओं, गरीबी उन्मूलन रणनीतियों में एकीकृत करना।

# अनुलग्नक VI: वृक्षारोपण गतिविधियों के लिए उपयुक्त प्रजातियाँ

## इमारती लकड़ी के पेड़

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
अकेसिया निलोटिका	फैबेसी	बबूल	गाड़ियों के फ्रेम और पहियों, उपकरणों और औजारों जैसे उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है।
फ्रिक्स रिलिजियोसा	मोरेसी	पीपल	इसमें औषधीय गुण और इसका धार्मिक महत्व है।
आज़ादिराक्टा इंडिका ए. जस	मेलियासी	नीम	नीम के पेड़ के सभी भाग - पत्ते, फूल, बीज, फल, जड़ और छाल का उपयोग पारंपरिक रूप से उपचार के लिए किया जाता रहा है। इसकी लकड़ी फर्नीचर के लिए आदर्श है, क्योंकि यह मजबूत और दीमक प्रतिरोधी दोनों है।
डालबर्गिया सिस्सो	फैबेसी	शीशम	इसके कई उपयोग हैं, हवाई और समुद्री जहाज में, कोयले के रूप में भोजन को गर्म करने और पकाने के लिए, संगीत वाद्ययंत्र बनाने आदि
मधुका लॉगिफोलिया	सैपोटेसी	महुआ	यह विभिन्न उपयोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण इमारती लकड़ी प्रदान करता है।
शोरिया रोबस्टा	डिप्टेरोकार्पेसी	साल	इसका उपयोग रेलवे स्लीपर, जहाज और पुलों के निर्माण के लिए किया जाता है।
सिनामोमम तमाला	लौरेसी	भारतीय तेज पत्ता	यह विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को ठीक करने में मदद करता है और खाना पकाने में इसका उपयोग किया जाता है।

## फल और जंगली खाद्य पौधे

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
मैंगीफेरा इंडिका	एनाकार्डिएसी	आम (मैंगो)	इसके सभी भागों का उपयोग पारंपरिक उपचार में किया जाता है
आर्टोकार्पस हेटरोफिलस	मोरेसी	कटहल , (जैकफ्रूट)	इसकी लकड़ी का उपयोग फर्नीचर बनाने के लिए किया जाता है। पौधे के कई हिस्से, जिनमें छाल, जड़ें, पत्तियां और फल शामिल हैं, पारंपरिक और लोक चिकित्सा में अपने औषधीय गुणों के लिए जाने जाते हैं।
सिडियम गुजावा	मायर्टेसी	अमरूद (गुआवा)	यह विभिन्न गैस सम्बन्धी रोगों के लिए एक सामान्य और लोकप्रिय पारंपरिक उपचार है।
एगारिकस कैम्पेस्ट्रिस एल	एगारिकेसी	धरती का फूल	एक प्रकार का मशरूम।
अंकोलसाल्विफोलियम (एलएफ) वांग	अलंगियासी	ढेरा (एको)	इसके पके फल खाए जाते हैं।

अमोर्फोफैलस पेओनीफोलियसडेनस्ट	अरेसी	हाथीपाँव, जिमी कंद	इसे सब्जी के रूप में खाया जाता है।
क्रोटोलारियाजशिया एल.	फैबेसी	सनई	हल्की उबली हुई कलियाँ सब्जी के रूप में खाई जाती हैं।
मणिलकारा हेक्सेंड्रा (रोक्सब) डब	सैपोएटेसी	खिरनी	इससे प्राप्त फलों से अचार और सॉस बनाया जाता है।
यूजेनिया जाम्बोलाना	मायर्टेसी	जामुन	इसकी जड़, पत्तियाँ, फल और छाल में असंख्य औषधीय गुण होते हैं।
एगल मार्मेलोस	रूटेसी	बेल	कच्चे फल, जड़, पत्ती और शाखा का उपयोग औषधि बनाने के लिए किया जाता है।
मोरस रूबरा	मोरेसी	शहतूत	शहतूत को कच्चा खाया जा सकता है और इसका उपयोग जैम, प्रिजर्व, पाई बनाने के लिए भी किया जाता है। इनमें औषधीय गुण भी होते हैं।

## औषधीय गुणों वाले पेड़

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
विथानियासोमिफेरा	सोलानेसी	अश्वगंधा	यह विभिन्न प्रकार के रोगों में उपयोगी है।
बकोपा मोनिएरी	प्लान्टागिनेसी	ब्राह्मी	इसका उपयोग विभिन्न सांस रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है।
एंड्रोग्राफीस पैनिकुलता	एकैथेसी	कालमेघ	यह प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद करता है और इसका उपयोग सामान्य सर्दी, साइनसाइटिस और एलर्जी के लक्षणों को ठीक करने के लिए किया जाता है।
राउवोल्फिया सर्पेन्टिना	एपोसिनेसी	सर्पगंधा	इसका उपयोग कई अलग-अलग बीमारियों के उपचार के लिए किया जाता है।

## औषधीय गुणों वाले लुप्तप्राय पेड़

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
एकोरस कैलमस एल.	अरेसी	बाख, बाल, घोर्बच	ब्रोंकाइटिस, खांसी और सर्दी के इलाज के लिए एक उपयोगी जातीय औषधीय पौधा।
ऐस्परेगस ऐडसेंसेसराॅक्सबी	लिलिएसी	शतावरी	हार्मोन असंतुलन से संबंधित स्थितियों के उपचार में मदद करता है।
सेलास्ट्रस पैनिकुलैटस वाइल्ड।	सेलास्ट्रेसी	उमजैन, मुजहानी, मलकांगनी, ककुंदन	विभिन्न प्रकार की बीमारियों के उपचार में उपयोगी है।

## अन्य पेड़

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
पोपुलस सिलियाटा	सैलिकैसी	सेमल, कपोक	इसकी पत्तियों का उपयोग पशुओं के चारे और हर्बल चाय के लिए किया जाता है।
यूकेलिप्टस ग्लोब्युलस	मायर्टेसी	तैलपत्र	खांसी और सामान्य सर्दी के उपचार के लिए दवाओं में उपयोग किया जाता है और आवश्यक तेल बनाने के लिए भी उपयोग किया जाता है।











